kanwhizztimes
@kanwhizztimes
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स
सिर्फ सच

वर्ष- 14 | अंक- 136 | बुधवार, 18 जून 2025 | नगर संस्करण | लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित | मूल्य- ₹ 3.00 | पृष्ठ- 12

जाति आधारित जनगणना पर विपक्षी पार्टी का मुख्य उद्देश्य जातियों के बीच टकराव पैदा करना और परिवारवादी राजनीति को पोषित करना है। इतने वर्षों तक सत्ता में रही कांग्रेस को जनगणना के तकनीकी पहलुओं, संवैधानिक और कानूनी ढांचे को समझना चाहिए। सुधांशु त्रिवेदी

पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद बंद किये गए 16 पर्यटन स्थल फिर से खुले 11

दिल्ली मेट्रो और मोनाश यूनिवर्सिटी के बीच समझौता 12

एक दिन में एअर इंडिया की सात उड़ानें रद

एजेंसी

नई दिल्ली। अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया विमान हादसे के बाद एयरलाइन के ऑपरेशन में लगातार दिक्कतें आ रही हैं। मंगलवार को एअर इंडिया इंटरनेशनल की कुल सात उड़ानें तकनीकी खराबी समेत अलग-अलग कारणों से रद कर दी गईं। कैंसिल हुई फ्लाइट्स में से छह बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर थीं, जो अहमदाबाद में हादसे का शिकार हुई थी।

मंगलवार को दो उड़ानें रद कर दी गईं, जिनमें से एक अहमदाबाद से लंदन और दूसरी दिल्ली से पेरिस जाने वाली थी। दोनों विमानों में तकनीकी खराबी पाए जाने के बाद इन्हें रद कर दिया गया। एअर इंडिया ने दो उड़ानें भी रद कर दी हैं, जिनमें से एक लंदन से अमृतसर और दूसरी बेंगलुरु से लंदन जाने वाली थी। अहमदाबाद से लंदन जाने वाली एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 159, जो पिछले सप्ताह हुए हादसे के बाद पहली उड़ान थी, मंगलवार को दोपहर 1:10 बजे उड़ान भरने वाली थी।

अहमदाबाद विमान हादसे के बाद एअर इंडिया ने एआई 171 को बंद कर दिया था, जिसके बाद इस उड़ान का नाम बदलकर एआई159 कर दिया गया था। इस विमान हादसे में 270 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी, जिसमें 229 यात्री, 12 क्रू मेंबर्स शामिल हैं। इसके अलावा विमान जमीन पर गिरने से पहले जिस हॉस्टल की इमारत से टकराया, वहां भी कई लोगों की जान चली गई थी।

इसी तरह, दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशन एयरपोर्ट से पेरिस के चार्ल्स डी गॉल (जीडीजी) एयरपोर्ट के लिए एअर इंडिया की उड़ान भी मंगलवार को रद कर दी गई, क्योंकि उड़ान से पहले जांच के दौरान विमान में कुछ समस्या आ गई थी। एयरलाइन इस खराबी को दूर कर रही है। सैन फ्रांसिस्को से कोलकाता होते हुए मुंबई जा रही एअर इंडिया की उड़ान संख्या इक्र 180 के एक इंजन में भी तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण यात्रियों को मंगलवार को सुबह पश्चिम बंगाल की राजधानी में तय हॉल्ट के दौरान विमान से उतरना पड़ा।

फ्लाइट एआई180, बोइंग 777-200 एलआर, कोलकाता में 12:45 बजे उतरी और इसे 2 बजे मुंबई के लिए रवाना होना था। हालांकि, अपने हॉल्ट के दौरान विमान के इंजन में तकनीकी खराबी का पता चला, जिससे इसकी आगे की यात्रा में देरी हुई। सुबह करीब 5.20 बजे, विमान में एक घोषणा की गई जिसमें सभी यात्रियों को विमान से उतरने के लिए कहा गया।

एअर इंडिया के ऑपरेशन में आ रही दिक्कतें हवाई यात्रियों को भारी पड़ रही हैं और उन्हें काफी परेशानी उठानी पड़ रही है।

रद उड़ानें
- एआई 915 - दिल्ली से दुबई - बोइंग 788 ड्रीमलाइनर
- एआई 153 - दिल्ली से विएना - बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर
- एआई 143 - दिल्ली से पेरिस - बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर
- एआई 159 - अहमदाबाद से लंदन - बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर
- एआई 170 - लंदन से अमृतसर - बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर
- एआई 133 - बंगलूरू से लंदन - बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर
- एआई 179 - मुंबई से सैन फ्रांसिस्को - बोइंग 777

अहमदाबाद में हादसे का शिकार हुई फ्लाइट संख्या एआई 171 के बाद इस तरह की समस्या ज्यादा देखी गई है। इसकी वजह डीजीसीए की वह गाइडलाइन है जिसमें विमानों की सघन जांच और निगरानी के आदेश दिए गए हैं। सरकार ने सभी एअर इंडिया बोइंग ड्रीमलाइनर विमानों की 6 अलग-अलग स्टेज पर सिक्योरिटी चेक के आदेश दिए हैं। शेष पेज 11 पर

इजराइल ने ईरानी सेना के डिप्टी कमांडर को मारा

- ईरान का इजराइल के मोसाद हेडक्वार्टर पर हमला, मिलिट्री इंटेलीजेंस की बिल्डिंग को भी निशाना बनाया
- इजरायल ने ईरानी सरकारी मीडिया मुख्यालय को निशाना बनाया
- ईरान ने तबरीज में इजरायल के एक और एफ-35 लड़ाकू विमान को मार गिराया

एजेंसी

तेहरान/तेल अवीव। इजराइल और ईरान के बीच 5वें दिन भी संघर्ष जारी है। ईरान ने मंगलवार को तेल अवीव में इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के हेडक्वार्टर पर हवाई हमला किया। इसके अलावा मिलिट्री इंटेलिजेंस से जुड़ी खुफिया एजेंसी की बिल्डिंग को भी निशाना बनाया है।

इजराइली हवाई हमले में ईरान के डिप्टी कमांडर मेजर जनरल अली शादमानी की मौत हो गई है। शादमानी ईरान की खतम-अल-अनबिया हेडक्वार्टर्स यानी सैन्य आपात कमान के हेड थे। उन्होंने 4 दिन पहले ही यह पद संभाला था। उन्हें 13 जून को इजराइली हमले में मारे गए मेजर जनरल गुलाम अली राशिद की जगह यह जिम्मेदारी दी गई थी। राशिद की मौत पिछले शुक्रवार को हुई थी। इजराइली हमलों में अब तक 224 ईरानी मारे जा चुके है, जबकि 1,481 लोग घायल हुए हैं। वहीं, इजराइल में अब तक 24 लोग मारे गए हैं, जबकि 600 से ज्यादा घायल हैं। इजरायल ने ईरान के सरकारी मीडिया आईआरआईबी न्यूज के मुख्यालय को निशाना बनाया है। इस हमले से पहले आईडीएफ ने इस क्षेत्र से लोगों को निकाले जाने की चेतावनी जारी की थी और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने लोगों से तेहरान को छोड़ने और सत्ता परिवर्तन की बात कही थी।

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने सोमवार को आईआरआईबी न्यूज मुख्यालय पर इजरायली हमले को अपराध की संज्ञा देते हुए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से इजरायली हमले को रोके जाने का आग्रह किया। बाघेई ने एक्स पर कहा... इजरायल ने सरकारी टेलीविजन और रेडियो कंपनी पर हमला कर एक और जघन्य अपराध किया है और ईरान की शेष पेज 11 पर

संक्षेप

ईरान में फंसे भारतीय छात्रों की वापसी शुरू

तेहरान/नई दिल्ली। इजराइल- ईरान में जारी संघर्ष के बीच भारत ने अपने नागरिकों को ईरान से निकालना शुरू कर दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया है कि कुछ भारतीय नागरिकों को आर्मेनिया बॉर्डर के रास्ते देश से बाहर निकाला गया है। इन छात्रों में ज्यादातर जम्मू-कश्मीर के रहने वाले हैं, जो ईरान के उर्मिया शहर से ख्रउज्ड की पढ़ाई कर रहे हैं। दैनिक भास्कर ने ईरान से भारत लौट रहे दो छात्रों के पेरेंट्स से बात की। उन्होंने बताया कि भारतीय समय के अनुसार 16 जून की रात दो बजे छात्रों को यूनिवर्सिटी कैंपस से आर्मेनिया बॉर्डर तक लाया गया था।

एक्स-रे टेक्नीशियन के 382 पदों पर भर्ती का कटऑफ जारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने एक्स-रे टेक्नीशियन के 382 पदों पर भर्ती के लिए आयोजित लिखित परीक्षा के आधार पर 2163 अभ्यर्थियों का कटऑफ जारी किया है। आयोग के सचिव अवनीश सक्सेना की ओर से मंगलवार को जारी सूचना में कहा गया है कि यह अंतिम चयन परिणाम नहीं है। आयोग इन अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्र मिलान का कार्यक्रम अलग से जारी करेगा। कटऑफ संबंधी जानकारी आयोग की वेबसाइट https://upsssc.gov.in पर देखा जा सकता है। अनारक्षित, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए कटऑफ 10.2500 है।

योग अभ्यास के लिए हर जिले में बनेंगे 'योग पार्क'

लखनऊ। योग को आमजन की दिनचर्या का हिस्सा बनाने और सामूहिक योगाभ्यास को स्थायी स्वरूप देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने पूरे प्रदेश में 'योग पार्क' स्थापित करने की महत्वाकांक्षी योजना तैयार की है। इस योजना के तहत स्थानीय निकायों जैसे नगर पालिकाओं और ग्राम पंचायतों की भागीदारी से प्रदेशभर में योगाभ्यास के लिए योगा पार्क विकसित किए जाएंगे। इस योजना के अंतर्गत मण्डलीय मुख्यालय वाले जिलों में तीन-तीन और अन्य जिलों में दो-दो योग पार्कों को चिहित कर उन्हें विशेष रूप से योग-अनुकूल स्थानों में परिवर्तित किया जाएगा। राज्य सरकार के प्रवक्ता के अनुसार सभी जिलों के जिलाधिकारियों को इस आशय के निर्देश जारी कर दिए गए हैं कि वे अपने-अपने जिलों में उपयुक्त स्थलों की पहचान कर आवश्यक प्रस्ताव नगर विकास विभाग के समन्वय से आगे बढ़ाएं। इन पार्कों को स्वच्छ, हरे-भरे और शांत वातावरण में विकसित किया जाएगा, जहां लोग नित्य योगाभ्यास कर सकें। ऐसे स्थानों का चयन किया जाएगा, जो सार्वजनिक पहुंच में हों और जहां आसपास के नागरिक, बुजुर्ग, महिलाएं व युवा आसानी से एकत्र होकर सामूहिक रूप से योग कर सकें।

अमरनाथ यात्रा मार्ग 'उड़ान निषिद्ध क्षेत्र' घोषित

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर सरकार ने अमरनाथ यात्रा के सभी मार्गों को एक जुलाई से 10 अगस्त तक 'उड़ान निषिद्ध क्षेत्र' घोषित किया है। यह जानकारी अधिकारियों ने मंगलवार को दी।

तीन जुलाई से शुरू होने वाली श्री अमरनाथजी यात्रा में इस वर्ष सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं, जिसमें 38 दिनों की तीर्थयात्रा के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों की अब तक की सबसे बड़ी तैनाती भी शामिल है। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई है, जिसमें 25 पर्यटकों और एक स्थानीय निवासी की मौत हो गयी थी। प्रति वर्ष, हजारों श्रद्धालु हिमालय में स्थित गुफा मंदिर में पूजा करने के लिए कठिन यात्रा करते हैं। गृह विभाग ने 16 जून को आदेश जारी कर अमरनाथ यात्रा के सभी मार्गों को 'उड़ान निषिद्ध क्षेत्र' घोषित कर दिया है। इस आदेश का उद्देश्य यात्रा को सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण बनाना है। राज्य सरकार के प्रमुख सचिव चंद्राकर भारती द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि यात्रा अवधि के दौरान पहलगाम और बालटाल दोनों मार्गों पर ड्रोन, यूएवी और गुब्बारे सहित सभी विमानन प्लेटफॉर्म पर सख्त प्रतिबंध जारी रहेगा। यह निर्णय विभिन्न हितधारकों के साथ चर्चा और गृह मंत्रालय की सलाह के आधार पर लिया गया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि केवल चिकित्सा निकासी, आपदा प्रबंधन और अधिकृत बलों द्वारा सुरक्षा निगरानी इसके अपवाद में शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि ऐसे मामलों के लिए एक विस्तृत शेष पेज 11 पर

जी 7 शिखर सम्मेलन: नेताओं के बीच कुछ मुद्दों पर असहमति

कैलगरी। कनाडा के प्रांत अल्बर्टा के कानानास्किस में सोमवार को दो दिवसीय जी7 शिखर सम्मेलन के पहले दिन नेताओं की बैठक हुयी, जिसमें कुछ मुद्दों पर असहमति देखने को मिली। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजरायल और ईरान के बीच तनाव कम करने की अपील वाले संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर न करने का फैसला किया है। रविवार रात यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इजरायल को अपनी रक्षा करने का अधिकार है और ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिये जा सकते। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज और ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर भी इस मुद्दे पर आम सहमति बनाने की कोशिश कर रहे थे। श्री ट्रम्प के इस फैसले से अन्य वैश्विक नेताओं के साथ मतभेद उभरकर सामने आये हैं। कनाडा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यूरोपीय नेता सहमति बनाने शेष पेज 11 पर

बीएड प्रवेश परीक्षा का परिणाम जारी मिर्ज़ापुर के सूरज ने किया टॉप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- भदोही की शीबा दूसरे व जौनपुर की शिवांगी तीसरे नंबर पर

लखनऊ। बीएड की संयुक्त प्रवेश परीक्षा का परिणाम मंगलवार को घोषित कर दिया गया। मिर्जापुर के सूरज कुमार पटेल ने पहला स्थान हासिल किया है। उन्होंने कुल 400 अंकों में से 362.662 अंक हासिल किए हैं। भदोही की शीबा परवीन ने 333.992 अंक हासिल कर दूसरा, जौनपुर की शिवांगी यादव ने 331.992 अंक पाकर तीसरे, मऊ के प्रद्युम्न सिंह यादव ने 330.658 अंक पाकर चौथा और अररिया बिहार के रोशन रंजन ने 327.656 अंक हासिल कर पांचवां स्थान प्राप्त किया है। प्रवेश परीक्षा में कुल 344546 अभ्यर्थी पंजीकृत थे और उसमें से 305439 यानी 89 प्रतिशत अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए।

जिसमें 304980 अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया गया है। इस बार कुल 88.52 प्रतिशत विद्यार्थी परीक्षा में सफल रहे। इसमें 88.54 प्रतिशत छात्राएं और 88.49 प्रतिशत छात्र शामिल हैं। प्रवेश परीक्षा का आयोजन बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी द्वारा किया गया। राजधानी लखनऊ स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के सभागार में उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने बीएड की संयुक्त प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित किया। उन्होंने कहा कि परीक्षा में नकल को रोकने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) का उपयोग किया गया। योगी सरकार में पारदर्शी ढंग से प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। सफल अभ्यर्थियों को उन्होंने बधाई दी। वेबसाइट www.bujhansi.ac.in पर अभ्यर्थी बीएड प्रवेश परीक्षा का परिणाम देख सकते हैं। टॉप टेन की सूची में आठ लड़के हैं और दो लड़कियां हैं। टॉप टेन की सूची में 10 में से छह विज्ञान वर्ग के विद्यार्थी हैं। सफल घोषित किए गए 304980 अभ्यर्थियों में से 195142 कला वर्ग, 92593 विज्ञान वर्ग, 14783 वाणिज्य वर्ग और 2462 अभ्यर्थी कृषि वर्ग के हैं। तीन अभ्यर्थियों के परिणाम अनुचित साधनों के प्रयोग के कारण रद कर दिया गया। बीएड की प्रवेश परीक्षा में टॉप टेन की सूची में शामिल मेधावियों से उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने वीडियो कॉल के माध्यम से शेष पेज 11 पर

नशीली दवाओं के कारोबारी के घर ईडी का छापा, कई घंटे पड़ताल की

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- लखनऊ में गोखले मार्ग स्थित सूर्या स्क्वायर अपार्टमेंट में है घर
- ईडी की जालन्धर जोन की टीम ने की कार्रवाई

लखनऊ। पंजाब में नशीली दवाओं की सप्लाई के मामले में ईडी की जालन्धर जोन की टीम ने मंगलवार को लखनऊ में सूर्या स्क्वायर अपार्टमेंट में अखिल जय सिंह के फ्लैट पर छापा मारा। इन दवाओं की सप्लाई में अखिल जय सिंह का नाम सामने आया था। ईडी के फ्लैट पर पहुंचते ही वहां हड़कम्प मच गया। अन्दर किसी को जाने-आने नहीं दिया गया। कई घंटे तक ईडी ने पड़ताल की। इस दौरान ईडी के लखनऊ जोन की टीम भी साथ रही। मंगलवार सुबह करीब 11 बजे दो गाड़ियों से ईडी की टीम इस पते पर पहुंची।

मुख्य गेट पर गार्ड ने परिचय पूछा तो बताया गया कि ईडी की टीम कार्रवाई के लिए आई है। इसके बाद ही दोनों गाड़ियों से उतरे करीब सात लोग अखिल जय सिंह के फ्लैट पर पहुंचे। वहां गेट खुलते ही टीम अंदर चली गई। पूरे फ्लैट की तलाशी ली गई। घर में मौजूद दो लोगों से ईडी अफसरों ने पूछताछ की, फिर वहां आलमारी में रखी कई फाइलें व लैपटाप में छानबीन की। ईडी अफसरों ने यह नहीं बताया कि अखिल जय सिंह फ्लैट में था अथवा नहीं। चर्चा यह भी रही कि अखिल से पंजाब में भी पूछताछ हुई थी। इसके बाद ही कई जानकारियां नशीली दवाओं की सप्लाई को लेकर सामने आई थीं। ईडी की जालन्धर जोन की टीम नशीली दवाओं की तस्करी से जुड़े वहां के शेष पेज 11 पर

75 जिलों में मूंग और 15 जिलों में मूंगफली खरीद शुरू

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर किसानों की आय बढ़ाने के लिए जायद सीजन में मूंग और मूंगफली की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद शुरू कर दी गई है। यह खरीद सभी 75 जिलों में मूंग और 15 जिलों में मूंगफली के लिए की जा रही है, जिससे प्रदेश के लाखों किसानों को मुनाफा होगा।

योगी सरकार मूंग की खरीद दो सितंबर तक और मूंगफली की खरीद 29 अगस्त तक करेगी। खरीद मूल्य के रूप में मूंग के लिए 8,682 रुपये प्रति क्विंटल और मूंगफली के लिए 6,783 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। किसानों के लिए खरीद लक्ष्य तय सरकार ने 34,720 मीट्रिक टन मूंग और 50,750 मीट्रिक टन मूंगफली की खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके तहत किसानों को क्रय केंद्रों पर अपनी उपज लाकर समर्थन मूल्य का लाभ मिलेगा। नैफ़ेड और एनसीसीएफ को खरीद की जिम्मेदारी दी गई है। जो राज्य एजेंसियां यूपीपीसीयू, यूपीपीसीएफ, जे.फ़ेड, यूपीएसएस द्वारा खरीद करेंगी। नैफ़ेड 24,304 मीट्रिक टन मूंग और 35,525 मीट्रिक टन मूंगफली खरीदेगा। वहीं एनसीसीएफ 10,416 मीट्रिक टन मूंग और 15,225 मीट्रिक टन मूंगफली खरीदेगा। क्रय केंद्रों पर जारी किए गए दिशा निर्देश योगी सरकार ने मूंग और मूंगफली की खरीद के लिए जिलावार क्रय केंद्रों का निर्धारण कर नैफ़ेड और एनसीसीएफ को जिम्मेदारी सौंपी है। किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए स्पष्ट दिशा निर्देश भी जारी किए गए हैं। किसानों की आय में होगा सीधा मुनाफा नैफ़ेड उत्तर प्रदेश के राज्य प्रमुख रोहित जैमन ने बताया कि प्रबंध निदेशक दीपक अग्रवाल के नेतृत्व में किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए युद्धस्तर पर कार्य किया जा रहा है। यह अभियान किसानों को प्रोत्साहित करेगा और उनकी आर्थिक स्थिति को और मजबूत बनाएगा। इन जिलों में नैफ़ेड खरीदेगा मूंग मथुरा, अलीगढ़, जालौन, आगरा, औरैया, ललितपुर, हाथरस, मैनपुरी, एटा, कानपुर नगर, गौतमबुद्ध नगर, झांसी, बांदा, उन्नाव, गाजीपुर, अयोध्या, महोबा, हरदोई, अमेठी, चित्रकूट, वाराणसी, बहराइच, संत रविदास नगर, पीलीभीत, मीरजापुर, बागपत, लखीमपुर खीरी, सोनभद्र, अम्बेडकर नगर, रामपुर, कुशीनगर, लखनऊ, सीतापुर, बाराबंकी, महाराजगंज, गोंडा, देवरिया, गोरखपुर, श्रावस्ती, बस्ती, सिद्धार्थनगर, शामली, मेरठ, गाजियाबाद, बरेली, मुरादाबाद, संत कबीर नगर, मुजफ्फरनगर, अमरोहा, बलरामपुर, सहारनपुर, बिजनौर। नैफ़ेड इन जिलों में खरीदेगा मूंगफली एनसीसीएफ खरीदेगा मूंग कानपुर देहात, इटावा, फतेहपुर, प्रयागराज, फिरोजाबाद, कौशाम्बी, प्रतापगढ़, हमीरपुर, कन्नौज, बुलंदशहर, कासगंज, शाहजहांपुर, चंदौली, सुल्तानपुर, बदायूं, रायबरेली, बलिया, हापुड़, फर्रुखाबाद। इन जिलों में एनसीसीएफ खरीदेगा मूंगफली फर्रुखाबाद, कन्नौज, अलीगढ़, कासगंज, औरैया, कानपुर देहात, बदायूं, एटा, उन्नाव, लखनऊ, कानपुर नगर, श्रावस्ती शामिल हैं।

- 8,682 रुपए प्रति क्विंटल मूंग और 6,783 रुपए प्रति क्विंटल मूंगफली की होगी खरीद
- 34,720 मीट्रिक टन मूंग और 50,750 मीट्रिक टन मूंगफली खरीद का लक्ष्य
- नैफ़ेड 24,304 मीट्रिक टन मूंग खरीदेगा जबकि 35,525 मीट्रिक टन मूंगफली
- एनसीसीएफ 10,416 मीट्रिक टन मूंग और 15,225 मीट्रिक टन खरीदेगा मूंगफली
- मूंग और मूंगफली के क्रय संबंधी दिशा निर्देश जारी, नैफ़ेड और एनसीसीएफ के बीच जिलों का किया गया आवंटन

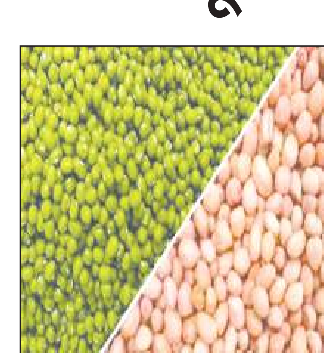

सेना ने पूर्व सेना प्रमुखों के साथ ऑपरेशन सिंदूर के बारे में गहन विचार मंथन किया

नयी दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भविष्य की चुनौतियों तथा आकस्मिक स्थितियों से और बेहतर ढंग से निपटने की तैयारियों में जुटी सेना ने मंगलवार को पूर्व सेना प्रमुखों के साथ इस ऑपरेशन के बारे में विस्तार से चर्चा की। पूर्व सेना प्रमुखों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए सिफारिशें और सलाह साझा की। सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने मंगलवार को यहां पूर्व सेना प्रमुखों के साथ दो दिन के 'चौप्स चिंतन' सम्मेलन में गहन विचार मंथन किया। ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि में आयोजित सम्मेलन का उद्देश्य पूर्व सेना प्रमुखों के संस्थागत ज्ञान और अनुभव का लाभ उठाने के लिए एक मंच प्रदान करना है। सम्मेलन में जनरल वी पी मलिक, जनरल दीपक कपूर, जनरल जे जे सिंह और जनरल मनोज पांडे सहित अन्य पूर्व सेना प्रमुखों ने हिस्सा लिया। जनरल द्विवेदी ने सेना में किये जा रहे सुधारों और भविष्य की योजनाओं में निरंतर भागीदारी में पूर्व सेना प्रमुखों के योगदान का उल्लेख किया। पूर्व सेना प्रमुखों को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में विस्तार से शेष पेज 11 पर

इंडिया गठबंधन के साथ मिल कर लड़ेंगे विधानसभा चुनाव : अखिलेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने साफ किया है कि उनकी पार्टी 2027 में होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव को इंडिया गठबंधन के घटक दल के रुप में लड़ेगी।

पार्टी के प्रदेश दफ्तर में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में श्री यादव ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सफाये के लिये उनकी पार्टी इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। उन्होने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों के चलते महंगाई,बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। बिजली महंगी होने जा रही है। यह सरकार महंगाई, बरोजगारी लगातार बढ़ा रही है। दूध उत्पादन तो प्रदेश में हो ही नहीं रहा है, जो मदद काउ मिल्क प्लांट के जरिये सरकार की तरफ से मिलती थी, वो भी बंद कर दी गयी है।

उन्होने कहा कि जो लोग किसानों का सामना नहीं कर सकते, वही तो हवाई यात्रा करेंगे। हमारे पहले मुख्यमंत्री हैं जो फसल को हेलीकॉप्टर से देखने निकले थे। बुनकरों के खराब हालात के लिये भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुये उन्होने कहा कि बुनकर कारीगरों आर्थिक बदहाली का सामना कर रहे हैं। कम आय होने की वजह से जीवन स्तर में गिरावट आ रही है और वे लोग अपने भविष्य की योजना तक नहीं बना पा रहे हैं। बिचौलियों द्वारा उनका शोषण किया जा रहा है। बुनकरों की कमाई का बड़ा हिस्सा बिचौलियों के पास चला जाता है। उनके पास काम करने के लिए पूंजी नहीं बचती है। हालत यह हो गई है कि बुनकरों के लिए बनाए कपड़ों के लिए अब कोई खरीददार नहीं मिलता है।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि इन लोगों की आर्थिक समस्या का समाधान करने के लिए सरकार को अलग तरह योजनाएं चलानी पड़ेगी। उन्होने कहा ल्ल सपा सरकार आने पर बुनकरों पर हम एक डॉक्यूमेंट तैयार करेंगे जो आने वाले समय में समाजवादी पार्टी के मैनिफ़ेस्टो में शामिल होगा। ङ्क

श्री यादव ने कहा कि राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं के हालात बदतर है। पहले दो इंजन टकरा रहे थे और अब तो डिब्बे भी टकराने लगे हैं। उन्होने कहा ल्ल पहले डिप्टी सीएम और आउटगोइंग सीएम के बीच टकराव था, अब तो सब एक-दूसरे से टकरा रहे हैं। कोई कूटा जा रहा है और जो मौजूदा सीएम हैं, वो खुद जा रहे हैं। भाजपा वाले पीडीए को न्याय नही देने दे रहे हैं।''उन्होंने कहा कि मेडिकल कालेजों में प्रोफ़ेसरों का अभाव है। अस्पतालों में मरीजों को दवा के नाम पर कोयले का घोल पिलाया जा रहा है और गलत इंजेक्शन से मौतें हो रही हैं।प्रदेश में बिजली की बढ़ती कीमतों पर निशाना साधते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी में बिजली मंहगी करने की तैयारी चल रही है। प्रदेश में पहले से ही मंहगाई बढ़ रही है। अगर संकट आया तो हम लोग मोबाइल कैसे चार्ज करेंगे।

जातीय जनगणना का काम पूरी ईमानदारी से हो: मायावती

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने मंगलवार को कहा कि देशहित में जातीय जनगणना का काम ईमानदारी पूर्वक होना चाहिये।

सुश्री मायावती ने एक्स पर पोस्ट किया कि राष्ट्रीय व जातीय जनगणना का भी काम कंग्रेस के समय से लटका पड़ा था। काफी आवाज़ उठाने के बाद अब इस मामले में प्रक्रिया शुरू हुई है। जनकल्याण से सीधे तौर पर जुड़ा जनगणना का यह कार्य देशहित में अब समय से ईमानदारीपूर्वक पूरा होना चाहिए। उन्होने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केंद्र शासित सरकार ने अपनी 11 सालों की उपलब्धियों का बखान जोर शोर से किया है मगर केंद्र की नीतियां महंगाई,बेरोजगारी और देश हित में कितनी कारगर साबित हुयी है, इसका फैसला खुद जनता करेगी। बसपा अध्यक्ष ने कहा जपा ने केन्द्र में अपने 11 वर्षों के कार्यकाल के बारे में जो अपार उपलब्धियाँ

वर्णित की हैं वे जमीनी हकीकत में लोगों की गरीबी, बेरोजगारी, दुख-दर्द आदि दूर करने अर्थात जन व देशहित में कितनी लाभदायक रही हैं, सही समय आने पर जनता खुद उनका जवाब दे देगी, जिसकी पूरी उम्मीद। उन्होने कहा ल्ल देश में राष्ट्रीय व जातीय जनगणना का भी कार्य कंग्रेस के समय से लटका पड़ा था, जिसपर काफी आवाज़ उठाने के बाद अब इस मामले में प्रक्रिया शुरू हुई है। जनकल्याण से सीधे तौर पर जुड़ा जनगणना का यह कार्य देशहित में अब समय से ईमानदारीपूर्वक पूरा होना चाहिए। केन्द्र इस पर ध्यान दे।

सुश्री मायावती ने कहा ल्ल इन मामलों में पार्टी के लोगों को सही तथ्यों से अवगत कराने व उन्हें सजग करने के साथ ही पार्टी के संगठन से सम्बन्धित दिये गए कार्यों की समीक्षा उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों की भी छोटी-छोटी बैठकों के ज़रिए विचार-विमर्श लगातार जारी व पार्टी हित में इन पर पूरा ध्यान ज़रूरी। पार्टी का यह अभियान मेरे द्वारा बैठकों से शुरू होकर अनवरत जारी। ताज़ा बैठक पूर्वांचल में पार्टी संगठन की तैयारी व जनाधार को बढ़ाने के सम्बंध में हुई व सख़्ती भी की गयी। साथ ही, बिहार में होने वाले विधानसभा आमचुनाव से सम्बन्धित रणनीति पर भी तैयारी जारी ताकि बेहतर रिज़ल्ट आ सके।

यूपी के किसानों को मेंथा की जगह मक्के की खेती भा रही

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। अनाजों की रानी कही जाने वाली मक्के की खेती उत्तर प्रदेश की किसानों को भाने लगी है। बाराबंकी के कुछ किसानों को तो इसकी खेती इतनी पसंद आई कि वह मेंथा की जगह अपेक्षाकृत कम पानी में होने वाली मक्के की खेती करने लगे। वहां इसके रकबे में लगातार विस्तार हो रहा है।

उल्लेखनीय है कि विपणन वर्ष 2024-2025 के लिए योगी सरकार ने प्रति कुंतल मक्के की एमएसपी 2225 रुपये घोषित की है। 15 जून से इसकी खरीद भी शुरू हो चुकी है। यह खरीद 31 जुलाई तक जारी रहेगी।

बहुउपयोगी होने के साथ मक्के में प्रचुर मात्रा में प्रोटीन भी होता है। इसमें प्रोटीन की मात्रा धान, गेहूं ही नहीं रागी, बाजरा, कोदो एवं सावा से भी अधिक होती है। इसके अलावा इसमें खनिज लवण और फाइबर भी भरपूर मात्रा में होती है। कैलेशियम और आयरन भी थोड़ी मात्रा में मिलता है। इसीलिए यह इंसानों के अलावा चारे के रूप में पशुओं और कुक्कुट आहार के लिए भी उपयुक्त है।

प्रदेश की राजधानी से सटे इस जिले के किसान खासे प्रगतिशील हैं। रामशरण वर्मा जैसे किसान तो पूरे देश के लिए नजीर हैं। इसके लिए इनको 2019 में पद्मश्री पुरस्कार भी मिल चुका है। बाराबंकी की पहचान मेंथा की खेती के लिए रही है। पर हाल के कुछ वर्षों के दौरान जायद के सीजन में यहां के कुछ क्षेत्रों के किसान अपेक्षाकृत कम पानी में होने वाले मक्के की खेती करने लगे हैं।

उल्लेखनीय है कि बीते तीन वर्षों से मसौली, रामनगर, फतेहपुर और निंदूरा ब्लॉक में किसानों को मक्का की खेती के लिए प्रेरित किया गया और उन्हें बीज भी उपलब्ध करवाए गए। पहले जायद में खेत खाली रहते थे या मेंथा की खेती होती थी। अब मक्के की खेती हो रही है। उपज अच्छी हो रही है और बहुउपयोगी होने के कारण बाजार में दाम (प्रति कुंतल 2500 रुपये) भी अच्छे मिल जा रहे हैं। यही वजह है कि किसानों में पिछले कुछ वर्षों से मक्के की खेती का क्रेज बढ़ा है।

कृषि विज्ञान केंद्र बेलीपार (गोरखपुर) प्रभारी डॉ. एसके तोमर के अनुसार खरीफ के फसल की बोआई के लिए 15 जून से 15 जुलाई तक का समय उपयुक्त होता है। अगर सिंचाई की सुविधा हो तो मई के दूसरे या तीसरे हफ्ते में भी इसकी बोआई की जा सकती है। इससे मानसून आने तक पौधे ऊपर आ जाएंगे और भारी बारिश से होने वाली क्षति नहीं होगी। प्रति एकड़ करीब 8 किलोग्राम बीज की जरूरत होती है। अच्छी उपज के लिए बोआई लाइन में करें। लाइन से लाइन की दूरी 60 सेमी एवं पौधे से पौधे की दूरी 20 सेमी रखें। उपलब्ध हो ती बेड प्लांटर का प्रयोग करें।

धाव गांव आंगनवाड़ी की सुरक्षित भूमि पर कब्जा, आदेश के बावजूद नहीं कराया जा रहा कब्जा मुक्त

कोरांव (प्रयागराज), कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोरांव तहसील में सियाराम सिंह पुत्र श्वामी शरण सिंह निवासी धाव ने उपजिलाधिकारी कोरांव को शिकायती पत्र दिया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि दूध नाथ, हरिशचंद्र और मनोकामना द्वारा आंगनवाड़ी की जमीन पर अवैध कब्जा किया जा रहा है। शिकायत के बाद लेखपाल द्वारा जांच में अतिक्रमण की पुष्टि होने के बावजूद कब्जा नहीं हटाया जा रहा है। एसडीएम के आदेश के बाद भी नायब तहसीलदार डैया द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिससे पीड़ित को न्याय नहीं मिल पा रहा है वर्षो से फरियादि चक्कर काटता फिर रहा लेकिन आज तक अतिक्रमण खाली नहीं कराया जा सका पीड़ित का कहना है की यदि तहसील स्तर से न्याय नहीं मिला तो जल्द ही जिलाधिकारी प्रयागराज के जन सुनवाई मे जाकर अपना शिकायत करुँगा इस मामले मे तहसीलदार कोरांव से संपर्क किया गया सियुजी नंबर बंद बताया वही नायब डैया का फोन रिसीव नहीं हुआ।

यूपी में 19 जून तक दस्तक दे सकता है मानसून

लखनऊ। उमस भरी गर्मी की मार झेल रहे उत्तर प्रदेश में अगले दो दिनो में दक्षिण पश्चिम मानसून के आगमन के आसार जताये गये हैं। मौसम विभाग के अनुसार अगले दक्षिण पश्चिम मानसून मध्य प्रदेश,झारखंड,बिहार,छत्तीसगढ़ से आगे बढ़ा है और 19 जून तक इसके उत्तर प्रदेश में प्रवेश करने का अनुमान है। इस दौरान तेज रफ्तार हवायें चलने और प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश के आसार हैं। मानसून की दस्तक से पहले पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के इक्का दुक्का इलाकों में छिटपुट वर्षा का दौर जारी है। इस अवधि में बिजली गिरने की घटनाओं में बढोत्तरी हुयी है और पिछले एक सप्ताह में वज्रपात की घटनाओं में 35 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। मौसम विभाग ने इस साल मानसून के दौरान सामान्य से अधिक वर्षा होने के आसार जतायें हैं।

महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मौर्य

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को कहा कि मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अन्तर्गत प्राथमिकता श्रेणी मे पति की मृत्यु के उपरान्त निराश्रित महिला (आयु 18 वर्ष से 40 वर्ष) को सम्मिलित करने का निर्णय गत वर्ष लिया गया था। यह आयु सीमा अब (18 से 50 वर्ष) कर दी गयी है।

योगी सरकार की सेफ सिटी योजना बनी महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की ढाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार की सेफ सिटी परियोजना महिलाओं, बेटियों, बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगों की सारथी बनकर उभरी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी सोच और प्रशासन की सक्रियता ने इसे एक मॉडल योजना बना दिया है, जिससे प्रदेश की महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और दिव्यांगजन स्वयं को ज्यादा सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। यह योजना उस भरोसे का प्रतीक है, जो योगी सरकार ने हर नागरिक के मन में सुरक्षा और सम्मान के साथ जीने के अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए पैदा किया है।

डीजीपी राजीव कृष्णा ने मंगलवार को बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप महिलाओं, बालिकाओं, बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सेफ सिटी

17 नगर निगम और गौतमबुद्धनगर में 54 हजार से अधिक सुरक्षा पहरी दे रहे हर समस्या को चुनौती

परियोजना को प्रभावी ढंग से लागू किया गया है। यह परियोजना प्रदेश के 17 नगर निगमों और गौतमबुद्धनगर में संचालित की जा रही है, जिसका उद्देश्य महिलाओं को एक सुरक्षित, संरक्षित एवं सहज वातावरण प्रदान करना है। इस परियोजना के तहत महिला सुरक्षा को लेकर कई अभूतपूर्व कदम उठाए गए हैं। इसमें पिंक पुलिस बूथ से लेकर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी, डिजिटल प्रचार से लेकर महिला जागरूकता कार्यक्रमों को मजबूती से लागू किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि परियोजना के तहत 17 नगर निगम और गौतमबुद्धनगर में 100 पिंक पुलिस बूथ बनाए गए हैं, जहां महिला पुलिस बल तैनात रहती हैं। इसके साथ ही 100 जीपीएस युक्त पिंक स्कूटी और 10 पिंक एसयूवी वाहन सुरक्षा के लिए लगाए गए हैं। इसके अलावा 1090 और यूपी-112 को इंटरऑपरेटिव बनाया गया है ताकि त्वरित प्रतिक्रिया हो सके। वहीं 1090 कॉल सेंटर में 80 नए टर्मिनल की स्थापना की गई है, जिससे डेटा एनालिटिक्स सेंटर और साइबर सेल मजबूत हो सके। इतना ही नहीं 54,000 लोगों को महिला सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण दिया गया है। इसमें पुलिसकर्मी, सरकारी व गैर-सरकारी कर्मी, सुरक्षा गार्ड, छात्र-छात्राएं और अध्यापक शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर एलईडी वैन, डिजिटल वॉल पेंटिंग, नाटक व वेब प्लेटफॉर्म के जरिए महिला जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। यहां पर वरिष्ठ नागरिकों के लिए डे-केयर सेंटर की स्थापना की गई है। ब्रेल लिपि में जनसूचना, दिव्यांगों के लिए क्रॉसिंग पर साइनेज, दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए विशेष रैंप बनाए गए हैं। सर्वेक्षण कर 4,150 डार्क स्पॉट चिन्हित किए गए हैं, जहां उचित प्रकाश की व्यवस्था की गई है। 47,422 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। 4,150 संवेदनशील स्थान (हॉटस्पॉट्स) पर प्रभावी पुलिस प्रबंधन की व्यवस्था की गई है। सवेरा योजना के तहत मॉर्निंग वॉक पर जाने वाले वरिष्ठ नागरिकों से संवाद स्थापित किया जा रहा है। इंटीग्रेटेड स्मार्ट कंट्रोल रूम और सेफ्टी मेजर्स पर आधारित सेफ सिटी बेस्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण किया गया है। महिला जागरूकता के लिए 'संवाद वेणी' जैसे मोटिवेशनल टॉक कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। आशा ज्योति केंद्र परियोजना के तहत रेस्क्यू वैन, एडमिनिस्ट्रेटिव वाहन आदि की व्यवस्था की गई है।

योगी सरकार लोकतंत्र की हत्या कर रही है: श्याम लाल

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने आरोप लगाते हुए कहा कि सत्ता के मद में चूर होकर योगी सरकार लोकतंत्र की हत्या कर रही है। श्री पाल ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार द्वारा कौशाम्बी के लोहंदा गांव कांड में पीड़ित परिवार से मुलाकात करने जाने से रोक कर ल्लहॉउस अरेस्टङ्क किये जाने की घटना लोकतंत्र की हत्या करने के समान है। उन्होंने बताया कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुबह काफिले के साथ कौशाम्बी के लोहदा में पीड़िता के परिवार से मिलने जाना था लेकिन स्थानीय पुलिस ने उनको उनके झूंसी स्थित आवास पर ही हॉउस अरेस्ट कर लोहदा जाने से रोक दिया। प्रदेश अध्यक्ष ने सरकार से पीड़िता को एक करोड़ की आर्थिक सहायता,जेल में बंद पीड़िता शालू के पिता एवं परिजनों को जमानत देने तथा घटना की सी बी आई जाँच कराने की मांग की है। श्री पाल ने कौशाम्बी की घटना में प्रदेश के दो उप मुख्य मंत्रियो केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक के नाम का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों ने मामले में राजनीति चमकाने का खेल किया।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

अतिरिक्त ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियाँ

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन के लिए रेलवे द्वारा **हरिद्वार–दिल्ली जं.–हरिद्वार** और **हरिद्वार–लखनऊ–हरिद्वार** के बीच अतिरिक्त ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियाँ निम्न समय–सारणी के अनुसार चलाई जाएंगी:–

04328/04327 हरिद्वार-दिल्ली जं.-हरिद्वार ग्रीष्मकालीन आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (प्रतिदिन) 06 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04328		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04327	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	15:45	हरिद्वार	04:50	----
16:25	16:27	रूड़की	03:35	03:37
17:13	17:15	टपरी जं.	02:50	02:52
17:55	17:57	मुजफ्फरनगर	02:00	02:02
18:35	18:37	मेरठ सिटी जं.	01:15	01:17
18:52	18:54	मोदीनगर	00:30	00:32
19:50	19:52	गाजियाबाद	00:02	00:04
20:14	20:16	दिल्ली शाहदरा	23:15	23:17
20:45	---	दिल्ली जं.	---	23:00

चलने के दिन: 04328 हरिद्वार से और **04327 दिल्ली जं. से** दिनांक 18.06.2025 से 20.06.2025 तक।
स्थान: 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

04330/04329 हरिद्वार-लखनऊ-हरिद्वार ग्रीष्मकालीन आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी 04 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04330		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04329	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	22:45	हरिद्वार	20:20	---
23:18	23:20	लक्सर जं.	19:18	19:20
00:05	00:07	नजीबाबाद जं.	18:30	18:32
00:35	00:37	नगीना	18:05	18:07
01:05	01:07	धामपुर	17:43	17:45
01:28	01:30	स्योहारा	17:26	17:28
02:30	02:32	काँठ	17:10	17:12
03:32	03:40	मुरादाबाद	16:30	16:40
04:06	04:08	रामपुर	15:00	15:02
05:03	05:05	बरेली	14:00	14:02
06:14	06:16	शाहजहाँपुर	13:00	13:02
07:14	07:16	हरदोई	12:55	12:57
07:46	07:48	बालामऊ जं.	12:25	12:27
08:08	08:10	सण्डीला	12:00	12:02
09:25	---	लखनऊ	---	11:30

चलने के दिन: 04330 हरिद्वार से दिनांक 18.06.2025 एवं 20.06.2025 को और **04329 लखनऊ से** दिनांक 19.06.2025 एवं 21.06.2025 को।
स्थान: शयनयान एवं सामान्य

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य सूचना और विस्तृत समय–सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा–हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
1812/2025
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई ऑक्शन सूचना दिनांक: 16.06.2025

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक/फ्रेट, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु **ई–ऑक्शन** से सम्बन्धित सूचना

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ-उ.रे.-मण्डल-वाणिज्य/उ.रे.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	**ATM-LKO-BSB-Gen-39-25-1 (ATM-General)**
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	13.06.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	30.06.2025 at 12:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	30.06.2025 at 12:30 hrs
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	**ATM-LKO-LKO-Gen-43-25-1 (ATM-General)**
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	13.06.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	30.06.2025 at 12:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	30.06.2025 at 12:40 hrs
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	**ATM-LKO-LKO-Gen-42-25-1 (ATM-General)**
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	13.06.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	30.06.2025 at 10:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	30.06.2025 at 12:50 hrs
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	**ATM-LKO-LKO-Gen-36-25-1 (ATM-General)**
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	11.06.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	26.06.2025 at 10:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	26.06.2025 at 10:30 hrs
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	**ATM-LKO-AMG-Gen-22-24-2 (ATM-General)**
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	11.06.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	26.06.2025 at 10:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	26.06.2025 at 10:40 hrs
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	**ATM-LKO-LKO-Gen-35-25-1 (ATM-General)**
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	11.06.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	26.06.2025 at 10:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	26.06.2025 at 10:50 hrs
नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1787/2025

योगी के विजन को क्रियान्वित करते हुए यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) की नई स्कीम

ग्रेटर नोएडा में मेडिकल डिवाइस मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए नई स्कीम लॉन्च

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को 'उत्तम स्वास्थ्य सेवाएं युक्त प्रदेश' बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार ग्रेटर नोएडा में मेडिकल डिवाइस मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए एक नई स्कीम लेकर आयी है। सीएम योगी के विजन को क्रियान्वित करते हुए यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) सेक्टर-28 में 21 प्लॉट्स के आवंटन की स्कीम लायी है जिसके जरिए मेडिकल डिवाइस मैन्युफैक्चरर्स को आमंत्रित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि ग्रेटर नोएडा में निर्माणाधीन मेडिकल डिवाइस पार्क को देश के सबसे बड़े मेडिकल डिवाइस पार्क के तौर पर विकसित किया जा रहा है। ऐसे में, इस स्कीम के जरिए न केवल मेडिकल डिवाइस पार्क में निर्माण इकाई लगाने का मौका मैन्युफैक्चरर्स को मिलेगा बल्कि यह ग्रेटर नोएडा और प्रदेश की इकॉनमी को भी सुदृढ़ करने की दिशा में एक बड़ा कदम

सिद्ध होगा।

खास बात यह है कि इस स्कीम के जरिए कैंसर केयर, रेडियोलॉजी समेत विभिन्न प्रकार के मेडिकल इंप्लांट्स व उपकरणों की निर्माण इकाई स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त होगा। स्कीम के जरिए 1000 स्क्वेयर मीटर के 16 तथा 2100 स्क्वेयर मीटर के 5 प्लॉट्स आवंटन के लिए उपलब्ध हैं तथा इनके प्रीमियम अमाउंट समेत विभिन्न पहलुओं का निर्धारण किया जा चुका है।

मेडिकल डिवाइस पार्क योजना के अंतर्गत यीडा द्वारा लायी गयी मौजूदा स्कीम के जरिए जिन सेक्टर्स को लक्षित किया जा रहा है उनमें कैंसर केयर, रेडियोलॉजी, इमेजिंग, आईवीडी, इंप्लांट व मेडिकल केयर से जुड़े इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेस, कार्डियो रेस्पिरेटरी मेडिकल डिवाइसेस तथा रीनल डिवाइसेस व इंप्लांट (जिनमें कैथेटर समेत विभिन्न उपकरण शामिल हैं) मुख्य हैं। प्रक्रिया के अंतर्गत 1000 स्क्वेयर मीटर के 16 प्लॉट्स के लिए रेट ऑफ अलॉटमेंट 7730 रुपये प्रति वर्ग मीटर निर्धारित है। जबकि प्लॉट की प्रीमियम राशि 77.30 लाख तथा रजिस्ट्रेशन अमाउंट 7.73 लाख निर्धारित है। इसी प्रकार, 2100 वर्ग मीटर के प्लॉट्स के लिए भी रेट ऑफ अलॉटमेंट वही तथा प्रीमियम अमाउंट 1.62 करोड़ तथा रजिस्ट्रेशन अमाउंट 16.23 लाख रुपये निर्धारित है। प्रक्रिया के अंतर्गत आवेदन शुरू हो चुका है और आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 7 जुलाई निर्धारित की गई है। अधिक जानकारी निवेश मित्र और यीडा की आधिकारिक वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि यीडा द्वारा मेडिकल डिवाइस मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए लायी गयी स्कीम कई मायनों में विशिष्ट है। सेक्टर-28 में स्थित यह प्लॉट्स यमुना एक्सप्रेसवे के समीप हैं जहां से जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी काफी नजदीक स्थित हैं। यह प्लॉट्स ग्रेटर नोएडा के प्राइम लोकेशन पर स्थित हैं जहां से इंटरनेशनल फिल्म सिटी, एफ-1 मोटो जीपी ट्रैक, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, डेडिकेटेड एमएसएमई, अपैरल-हैंडीक्राफ्ट व टॉय पार्क भी समीप होंगे, जो इस क्षेत्र की उत्तम कनेक्टिविटी को सुनिश्चित करने के साथ ही वर्ल्ड क्लास एमिनिटीज से युक्त करते हैं। स्कीम के जरिए निर्माण इकाई स्थापित करने वाले उद्यमों को भविष्य में ईस्टर्न पेरिफ़ेरल एक्सप्रेसवे से भी उत्तम कनेक्टिविटी मिलेगी जिससे फ्रेट मूवमेंट समेत विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के संचालन में मदद मिलेगी।

सोपान इन्क्लेव फ़ेज-1 आरडब्ल्यूए को हैंडओवर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। एलडीए ने प्रियदर्शिनी योजना, सीतापुर रोड स्थित सोपान इन्क्लेव अपार्टमेंट फ़ेज-1 का रख रखाव नवगठित रेजीडेंट वेलफ़ेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) को सौंप दिया। मंगलवार को एलडीए के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार की उपस्थिति में आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों ने हैंडओवर पत्र पर हस्ताक्षर किए। एलडीए के उप सचिव माधवेश कुमार ने बताया कि 12,627 वर्गमीटर क्षेत्रफल में बने इस अपार्टमेंट में 244 फ्लैट (2बीएचके और 3बीएचके) हैं, जिनका निर्माण 2018 में पूरा हुआ था। अब तक प्राधिकरण इसका अनुरक्षण करता रहा, लेकिन उपाध्यक्ष के निर्देश पर यह जिम्मेदारी आरडब्ल्यूए को सौंपी गई। इसके लिए आवंटियों के बीच चुनाव कराकर सोपान इन्क्लेव आरडब्ल्यूए का गठन किया गया। मंगलवार को उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार और अपर सचिव सी.पी. त्रिपाठी ने अपार्टमेंट में पहुंच कर आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों के साथ बैठक की। एसोसिएशन की अध्यक्ष रोहिणी जयसवाल और सचिव स्वस्ति अग्रवाल ने हैंडओवर पत्र पर हस्ताक्षर किए। प्रथमेश कुमार ने कहा कि आरडब्ल्यूए के हाथों में अनुरक्षण कार्य आने से आवंटियों की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान होगा, क्योंकि वे स्थानीय मुद्दों को बेहतर समझते हैं।

ओला चालक की हत्या का खुलासा

पिता-पुत्र निकले खूनी, गड़ासे और छुरी से की बेरहमी से हत्या

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रहीमाबाद/लखनऊ। रहीमाबाद पुलिस ने ओला चालक संजय की नृशंस हत्या का सनसनीखेज खुलासा करते हुए मंगलवार को हत्या में शामिल दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। चौंकाने वाली बात यह है कि हत्या करने वाले कोई पेशेवर अपराधी नहीं बल्कि एक पिता-पुत्र की जोड़ी है। पुलिस के अनुसार, मृतक संजय की हत्या में प्रयुक्त एक छुरी, एक गड़ासा और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल यूपी 32 एफएक्स 6745 भी बरामद कर ली गई है। 15/16 जून की रात रहीमाबाद के मवैई कला गांव में रहने वाले ओला चालक संजय की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। मृतक की माँ रामदुलारी ने थाने में तहरीर दी थी, जिसके बाद पुलिस ने अज्ञात हत्यारों के खिलाफ़ मुक़दमा दर्ज कर हत्यारों की तलाश शुरू कर दी थी। हत्यारों की तलाश के दौरान जांच में सामने आया कि हत्या की वजह आरोपी सुनील की पत्नी मीरा को संजय द्वारा प्रेम प्रसंग में अपने साथ रखे था जिसको लेकर आरोपी सुनील और दिव्यांश काफी परेशान रहते थे। जिसके चलते आरोपी लगातार संजय पर नजर रखे हुए थे। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने नायक नगर ताड़ीखाना थाना मड़ियांव निवासी अभियुक्त सुनील कुमार गौतम 44 वर्ष पुत्र स्वः रामचंद और उसका बेटा दिव्यांश 19 वर्ष पुत्र सुनील कुमार गौतम को हरदोई-लखनऊ रोड के जालामऊ मोड़ के पास से धर दबोचा। पूछताछ में दोनों ने हत्या की बात कबूल कर ली। दोनों का कारोबार आलमारी का है और दोनों ने योजनाबद्ध तरीके से इस हत्या को अंजाम दिया। रहीमाबाद इंस्पेक्टर आनंद कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने इस सनसनीखेज हत्या का सफलतापूर्वक अनावरण किया। टीम में शामिल उपनिरीक्षक और कांस्टेबलों ने दिन-रात मेहनत कर केस को सुलझाकर आरोपी को जेल भेज दिया है।

एक और अज़ीम शख्सियत ने इस दुनिया को कहा अलविदा

हजारों साल नर्गिस अपनी बेनूरी पर रोती है
बड़ी मुश्किल से होता है चमन में दीदावर पैदा

वहाब उद्दीन सिद्दीकी

लखनऊ। 11 जून 2025 को मरहूम जलीस अहमद हमीदी इस दुनिया से रुख़सत हो गए। उनकी जिंदगी की शुरुआत 25 मई 1932 को बदायूं शहर से हुई थी। कहते हैं कि इस दुनिया में हर इंसान अपनी आखिरी मंजिल तक का सफ़र तय करने आता है, और उसकी शख्सियत को उसके सफ़र के तरीके से जाना जाता है। आइए, मरहूम जलीस अहमद हमीदी की जिंदगी पर एक नजर डालते हैं और जानते हैं कि लोग उन्हें इतना नेक, ईमानदार, निस्वार्थ और महान इंसान क्यों मानते थे।

जलीस अहमद हमीदी के वालिद (पिता) जनाब मोहन अहमद ने हमेशा शिक्षा को बहुत महत्व दिया। उन्होंने अपने तीनों बेटों को अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से पढ़ाया। उनके बेटों ने भी अपने पिता का नाम रोशन किया। बड़े बेटे मरहूम हबीब हमीदी बदायूं के इस्लामिया कॉलेज के प्रिंसिपल रहे, छोटे बेटे मरहूम जावेद हमीदी लखनऊ दूरदर्शन न्यूज़ से जुड़े रहे, और बीच के बेटे जलीस अहमद हमीदी, जिनका हाल ही में इंतकाल हुआ, लखनऊ के इस्लामिया कॉलेज के प्रिंसिपल रहे। जलीस अहमद हमीदी 1960 में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के एक कामयाब प्रेसिडेंट बने। उस समय प्रेसिडेंट का चुनाव उनकी काबिलियत, विचारधारा और भाषण देने की क्षमता के आधार पर होता था। जलीस अहमद हमीदी उस दौर में ऑल इंडिया बेस्ट ऑरेटर (वक्ता) का खिताब कई बार जीत चुके थे। उनकी काबिलियत का अंदाज़ा इसी से लगाया जा सकता है कि उनके बुलावे पर उस समय के यू.एई के प्रेसिडेंट कर्नल नासिर, भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, और राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद जैसी बड़ी हस्तियां अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी आईं और जलीस अहमद हमीदी के साथ विचारों का आदान-प्रदान किया। जवाहरलाल नेहरू तो जलीस अहमद हमीदी से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने उन्हें कांग्रेस पार्टी जॉइन करने का प्रस्ताव दिया। लेकिन जलीस अहमद हमीदी ने अपने पिता की सलाह पर राजनीति से दूरी बनाए रखी और शिक्षा के क्षेत्र को चुना। शायद यही वजह है कि अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के इतिहास में वे इकलौते यूनियन प्रेसिडेंट रहे, जिन्होंने बाद में राजनीति छोड़कर शिक्षा को अपनाया। जलीस अहमद हमीदी न केवल बायोलॉजी के लेक्चरर और प्रिंसिपल थे, बल्कि एक बेहतरीन शायर भी थे। उन्होंने अपनी शायरी में हमेशा अपने और समाज के हालात बयां किए, न कि शोहरत कमाने के लिए। यही वजह है कि सैकड़ों ग़ज़लें कहने के बावजूद उन्होंने अपनी कोई किताब प्रकाशित नहीं की। फिर भी, उनकी शायरी इतनी लोकप्रिय थी कि राहत इंदौरी, निदा फ़ाज़ली और बशीर बद्र जैसे मशहूर शायर उनके शेर दोहराया किया करते थे। एक मुशायरे में राहत इंदौरी ने कहा, ''मैं नशिस्तों (बैठकों) के शायरों के सामने पढ़ते हुए घबराता हूँ, क्योंकि वही असली शायर होते हैं।'' उनका इशारा जलीस अहमद हमीदी की ओर था। इसके बाद उन्होंने जलीस साहब की इजाजत लेकर अपनी शायरी पढ़ी। जलीस अहमद हमीदी ने न जाने कितने डॉक्टरों को पढ़ाया, जो उन्हें बहुत सम्मान देते थे। पिछले दो साल से उनकी तबीयत खराब थी, और लखनऊ के बलरामपुर अस्पताल में न्यूरो स्पेशलिस्ट डॉ. ए.एन. उस्मानी उनके इलाज में जुटे रहे। खास बात यह है कि डॉ. उस्मानी भी जलीस साहब के शिष्य थे और उन्होंने अपने गुरु के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी। लेकिन इंसान उतनी ही सांसें ले सकता है, जितनी उसके नसीब में लिखी होती हैं।जलीस अहमद हमीदी ने कभी व्यावसायिक कोचिंग सेंटरों में पढ़ाने की इच्छा नहीं दिखाई, भले ही उन्हें बार-बार ऑफर मिले। इसके बजाय, उन्होंने जरूरतमंद बच्चों को अपने घर पर मुफ्त में पढ़ाया, खासकर परीक्षाओं से पहले। जलीस अहमद हमीदी को जानने वाले उन्हें एक ईमानदार, नेक, आत्मसम्मानी और सूफियाना शख्सियत मानते थे। उनकी जिंदगी और काम ने लोगों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी।

अंत में उनके दो शेर, जिन्हें उन्होंने जिया भी:

जलीस जैसे भी गुजरे, गुजार ही लेंगे'
परेशान हम नहीं दो रोजा जिंदगी के लिए'

मैं जब जलीस चाहूँ, साकी से जाम ले लूँ''

''खुद्दारियाँ हैं माना, ये बेबसी नहीं है''

अलविदा जलीस अहमद हमीदी अल्लाह आपको जन्नत में खास मुकाम अता करे। आमीन।

एसीपी (ट्रैफिक) ने बांटे निशुल्क हेलमेट

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बिना हेलमेट के वाहन चलाने वालों के प्रति चलाया गया जागरूकता अभियान

लखनऊ । डीसीपी ट्रैफिक कमलेश दीक्षित के निर्देशन में राजधानी लखनऊ में बिना हेलमेट के वाहन चलाने वालों के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया। वाहन चलाने वाले राहगीर अपने वाहन के साथ सुरक्षित अपने लक्ष्य तक पहुंच सके। इसी क्रम में डीसीपी ट्रैफिक लखनऊ कमलेश दीक्षित के निर्देशन में मंगलवार को आहिमामऊ चौराहा पर एस. के. फाइनेंस कंपनी के सौजन्य से निशुल्क हेलमेट वितरण कैंप का आयोजन किया गया। इस अभियान में बिना हेलमेट के वाहन चलाने वाले लोगों को नि:शुल्क सौ हेलमेट एसीपी इंद्रपाल सिंह के द्वारा बाटे गए और ट्रैफिक नियमों का पालन करने के प्रति जागरूक किया गया। एसीपी इंद्रपाल सिंह ने बताया कि बिना हेलमेट के वाहन न चलाए , हेलमेट पहनने से आपके जीवन की सुरक्षा है। उन्होंने कहा आए दिन दुर्घटनाएं हो रही है गाड़ी चलाने वाले और बैठने वाले दोनों को हेलमेट पहनना चाहिए जिससे उसकी और उसके परिवार की जीवन की सुरक्षा हो सके। लोगों को जागरूक करिए बिना हेलमेट के वाहन ना चलाएं और यातायात नियमों का पालन करें यदि आप हेलमेट पहनेंगे तो आपकी पीढ़ी भी देखकर हेलमेट पहनेगी। इसी क्रम में स्टेट हेड रविंद्र बाजपेई ने बताया कि इस तरह का अभियान समय समय पर चलाते आ रहे है, इससे पहले प्रयागराज महाकुंभ मेले में करीब दो सौ निशुल्क हेलमेट बाटे गए थे, इससे यातायात पुलिसकर्मियों का प्रोत्साहन बढ़ता है और हम ट्रैफिक पुलिस कर्मी के साथ साथ हाइवे पर चलने वाले बिना हेलमेट के लोगों को भी निशुल्क हेलमेट वितरित करते रहते है। इसलिए ट्रैफिक नियमों का पालन करे और सुरक्षित रहे। हेलमेट वितरण आयोजन में एस.के. फाइनेंस की टीम रविंद्र बाजपेई स्टेट हेड एस के फाइनेंस, शहरोज खान जेडएचआर, रविंद्र प्रकाश शुक्ला, नितिन दुबे, आनंद द्विवेदी, रचित शर्मा सहित समस्त स्टाफ ने सहयोग किया। इस मौके पर टीआई शैलेश पांडेय एवं पंकज शर्मा ट्रैफिक पार्क लखनऊ, टीएसआई दीपचंद, डीसीपी पेशकार विकास सिंह, सहित यातायात पुलिसकर्मी और राहगीर सैकड़ों की संख्या में उपस्थित रहे।

परिवहन आयुक्त ने शिकायत का लिया संज्ञान, वैयक्तिक सहायक को हटाया

लखनऊ। परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने लखनऊ में संभागीय परिवहन कार्यालय में वैयक्तिक सहायक पद पर तैनात अरूण यादव का हटा दिया है। अरुण यादव को एक सप्ताह के भीतर मीरजापुर के संभागीय परिवहन कार्यालय में ज्वाइन करने के आदेश दिए गए हैं। बता दें कि भाजपा के अर्जुनगंज मंडल के महामंत्री राजन सिंह ने बीती 13 जून को परिवहन आयुक्त को एक पत्र लिखा था। पत्र में कहा गया था कि समाजवादी पार्टी के नेताओं के संबंधों के दम पर अरूण यादव कई वर्षों से लखनऊ में संभागीय परिवहन कार्यालय में तैनात है और अपनी मनमानी करता आ रहा है। स्थानांतरण नीति के तहत उसका दूसरे जिले में स्थानांतरण नहीं होता है। माना जा रहा है कि भाजपा नेता की शिकायत का ही परिवहन आयुक्त ने संज्ञान लिया है और कई सालों से राजधानी लखनऊ में संभागीय परिवहन कार्यालय में जमे वैयक्तिक सहायक अरूण यादव का स्थानांतरण किया गया है।

अरब गली में नाले की बदहाली से परेशान स्थानीय निवासी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। नगर निगम ज़ोन 6 के अंतर्गत आने वाले न्यू हैदरगंज वार्ड प्रथम के अरब गली मोहल्ले के निवासी लंबे समय से नाले की जर्जर हालत से परेशान हैं। घनी आबादी के बीच से गुजरने वाला यह छोटा नाला स्थानीय लोगों के लिए मुसीबत का सबब बना हुआ है। इस नाले की मानकों के अनुसार सफाई न होने के साथ साथ नाले पर ढके गए पत्थर के ढक्कन जगह जगह टूटे होने के कारण राहगीरों के इसमें गिरकर घायल हो जाने से यहां के स्थानीय निवासियों में काफी रोष है। नियमित रूप से इस छोटे नाले की सफाई न होने के कारण यहाँ बारिश में जलभराव की समस्या गंभीर हो जाती है, जिससे न केवल स्थानीय निवासियों बल्कि आने-जाने वालों को भी खतरा रहता है। लोगों का कहना है कि खुले नाले में पत्थरों की अनियमितता के चलते कई बार दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें लोग गिरकर घायल हो गए। स्थानीय निवासियों ने बताया कि इस नाले की सफाई कभी ठीक से नहीं होती, जिससे बदबू और बीमारियों का डर बना रहता है। कई बार नगर निगम और स्थानीय सभासद से शिकायत की गई, लेकिन समाधान के नाम पर केवल आश्वासन ही मिले। स्थानीय निवासियों का गुस्सा इस बात पर भी है कि नगर निगम के उच्च अधिकारियों के साफ सफाई व जनता को हर मुश्किल से राहत देने के आदेश के बावजूद कोई अधिकारी इस क्षेत्र का जायजा लेने नहीं आया। स्थानीय लोगों ने बताया की यहाँ पर स्थानीय पार्षद द्वारा नाले पर ढकने के लिए पत्थर ढलवा कर रख दिये गए हैं जो की मीना से सिर्फ रखे हुए हैं इनको नाले पर ढकने की ज़हमत नहीं उठाई गई। यहीं मामले की जानकारी लेने के लिए जब संवाददाता द्वारा जोन 6 अभियंत्रण विभाग के अधिशासी अभियंता से संपर्क करने की कोशिश की गई, तो उन्होंने फोन नहीं उठाया। हालांकि, स्थानीय पार्षद प्रतिनिधि विजय कुमार भुर्जी ने बताया कि उनकी पत्नी, जो पार्षद हैं, ने नाले के लिए पत्थर ढलवाए थे। लेकिन नाले की गहराई अधिक होने के कारण उसे ढकने का काम रोक दिया गया। उन्होंने बताया कि नाले की गहराई कम करके चैनल बनाया जाएगा, जिसके बाद पत्थरों से इसे ढका जाएगा। इससे पैसे की बर्बादी भी नहीं होगी। भुर्जी ने कहा कि इसकी फाइल तैयार हो चुकी है और 15-20 दिनों में टेंडर के बाद काम शुरू हो जाएगा, जिससे स्थानीय लोगों को राहत मिलेगी। अब बड़ा सवाल यह उठता है कि कुछ माह पहले ज़ोन 6 अभियंत्रण विभाग का चार्ज संभालने वाले अधिशासी अभियंता को आखिर जनता की यह समस्या क्यों नजर नहीं आ रही हैं। नगर आयुक्त व महापौर द्वारा जनता की समस्याओं को दूर करने के लगातार आदेश दिए जाने के बावजूद भी अधिशासी अभियंता द्वारा जनता की इस समस्या को दूर क्यों नहीं किया जा रहा है।

कारगिल पार्क में सैनिकों की मूर्तियों पर दोबारा लगीं बंदूकें

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। रेसीडेंसी के सामने स्थित ऐतिहासिक कारगिल पार्क में सैनिकों के पुतलों से बंदूकें गायब होने की सोशल मीडिया पर फैली अफवाह का नगर निगम ने खंडन किया है। नगर निगम ने स्पष्ट किया कि मरम्मत और सौंदर्यीकरण कार्य के दौरान सुरक्षा के लिए बंदूकें अस्थायी रूप से हटाई गई थीं, जो अब पुनः स्थापित कर दी गई हैं।

अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद कुमार राव ने बताया कि पार्क के रखरखाव के दौरान केयर टेकर ने बंदूकें सुरक्षित स्थान पर रखवाई थीं ताकि कोई नुकसान न हो। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद सभी बंदूकें सैनिकों के पुतलों पर लगा दी गई हैं। उन्होंने कहा, ''कारगिल पार्क नगर निगम की देखरेख में है और इसकी सफाई, मरम्मत और सौंदर्यीकरण समय-समय पर किया जाता है।'' नगर निगम ने शहरवासियों से कारगिल पार्क जैसे शहीद स्मारकों की गरिमा बनाए रखने और सार्वजनिक संपत्तियों के संरक्षण की अपील की है। यह पार्क देश के वीर शहीदों की स्मृति में बना है, जिसका सम्मान करना सभी का कर्तव्य है। सोशल मीडिया पर फैले भ्रम के बाद नगर निगम की त्वरित कार्रवाई से स्थिति स्पष्ट हो गई है, और पार्क एक बार फिर अपनी पूरी शान के साथ जनता के लिए खुला है।

महिला ने वर्क फ्रॉम होम के नाम पर जालसाजी कर दो लाख रुपये हड़पने का लगाया आरोप

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में महिला ने वर्क फ्रॉम होम के नाम पर खाते से दो लाख रुपए निकालने का आरोप लगाया है। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के दरोगा खेड़ा स्थित काशीराम कॉलोनी निवासी मीरा कुमारी का कहना है कि उनकी पुत्री अंशिका उम्र 16वर्ष इंस्टाग्राम पर वर्क फ्रॉम होम का काम करती है। महिला का आरोप है कि वर्क फ्रॉम होम के खाता धारक द्वारा जालसाजी कर के उसके खाते से 2 ल रूपये अपने खाते और अपने परिवार के खाते में ट्रांसफर कर लिए। जिसकी शिकायत महिला ने साइबर सेल हजरतगंज में दर्ज कराने के साथ-साथ इसकी शिकायत सरोजनीनगर थाने में दर्ज कराई। पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल में जुट गई है।

दुबग्गा में 4000 वर्गमीटर की अवैध कॉलोनी ध्वस्त

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। एलडीए ने अवैध प्लाटिंग के खिलाफ अपनी मुहिम को और तेज करते हुए मंगलवार को दुबग्गा क्षेत्र में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। एलडीए के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर प्रवर्तन जोन-7 की टीम ने हुलुआपुर कठौली में लगभग 4000 वर्गमीटर में फैली अवैध कॉलोनी को ध्वस्त कर दिया।प्रवर्तन जोन-7 के जोनल अधिकारी रवि नंदन सिंह ने बताया कि विनोद व अन्य द्वारा बिना प्राधिकरण की स्वीकृति के इस क्षेत्र में अनाधिकृत रूप से प्लाटिंग का कार्य किया जा रहा था। इस अवैध कॉलोनी में सड़क, नाली और बाउंड्रीवॉल जैसी संरचनाएं विकसित की गई थीं, जो नियमों का उल्लंघन थीं। प्राधिकरण द्वारा इस मामले में विहित न्यायालय में वाद दायर किया गया था, जिसके बाद ध्वस्तीकरण का आदेश जारी हुआ। इस आदेश के चलते एलडीए की प्रवर्तन टीम ने पुलिस बल के सहयोग से मौके पर पहुंचकर कार्रवाई शुरू की। इस दौरान अवैध रूप से बनाई गई सड़क, नाली और बाउंड्रीवॉल को जेसीबी मशीनों की मदद से पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान आसपास के क्षेत्र में सख्त निगरानी रखी गई ताकि कोई व्यवधान न हो। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने कहा, ''अवैध प्लाटिंग और अनधिकृत निर्माण के खिलाफ हमारी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। शहर के नियोजित विकास के लिए नियमों का पालन जरूरी है, और इसे सुनिश्चित करने के लिए प्राधिकरण कठोर कदम उठाएगा।'' स्थानीय लोगों ने इस कार्रवाई का स्वागत किया है, हालांकि कुछ का कहना है कि ऐसी गतिविधियों पर पहले ही अंकुश लगाया जाना चाहिए। एलडीए ने अन्य क्षेत्रों में भी अवैध निर्माणों पर नजर रखने और कार्रवाई करने की बात कही है। यह कार्रवाई शहर में अवैध कॉलोनियों के बढ़ते चलन पर नकेल कसने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

फर्जी कॉल सेंटर गिरोह का पर्दाफाश

सरोजनीनगर, बंथरा थानों की पुलिस व सर्विलांस सेल की टीमों के संयुक्त प्रयास से मिली सफलता 9 शातिर अभियुक्त गिरफ्तार, 2 फरार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के थाना सरोजनीनगर, बंथरा पुलिस एवं सर्विलांस सेल दक्षिणी के संयुक्त टीम ने मंगलवार को अभियान के तहत फर्जी काल सेन्टर चलाकर एयरलाइंस में नौकरी देने के नाम पर आनलाइन धोखाधड़ी करते हुए फर्जी नियुक्ति पत्र तैयार करने व ठगी करने वाले गिरोह का खुलासा किया।

सरोजनीनगर में गिरोह के चार सदस्यों को आउटर रिंग रोड कानपुर अंडर पास के एक बिल्डिंग से गिरफ्तार किया गया। डीसीपी दक्षिणी निपुण अग्रवाल के अनुसार आउटर रिंग रोड दरोगा खेड़ा कानपुर अंडरपास लखनऊ के पास एक बिल्डिंग में काल सेंटर चल रहा था, जिसमें कुछ लोग ऑनलाइन नौकरी के नाम पर ठगी कर रहे है एवं फर्जी नियुक्ति पत्र दे रहे है, जिसमे कई लोग शामिल है तथा इन लोगो से काफी लोग परेशान है। तत्पश्चात संयुक्त पुलिस टीम दरोगाखेडा अन्डरपास के पास स्थित बिल्डिंग में जहाँ मुखबिर द्वारा बताये गये स्काई नेट इंटरप्राइजेज का बोर्ड लगा था पहुंचे तो उस दुकान में एक पुरुष व तीन महिलायें कम्प्यूटर में काम करते हुए तथा अपने अपने मोबाइल से बात करते हुए पाये गये। पुलिस टीम को देखकर अचानक खड़े हो गये और सकपकाने लगे। मौके से पुलिस टीम द्वारा गिरोह के चार जालसाजों को गिरफ्तार करते हुए भारी संख्या में डिजिटल उपकरण बरामद किये गये। कमरे मे डेस्क पर लैपटाप व मोबाइल आदि उपकरण को देखते ही पुलिस बल के द्वारा पूछताछ की गयी तो हीलाहवाली के पश्चात सभी ने बताया कि हम लोगों द्वारा एयरलाइंस में नौकरी दिलाने के नाम पर साइबर ठगी का कार्य किया जाता है।काल सेन्टर चलाकर एयरलाइंस में नियुक्ति हेतु विभिन्न जनपदों व राज्यों के व्यक्तियों से मोबाइल फोन व लैपटाप व व्हाट्सएप के माध्यम से बात करके उनको बहला फुसलाकर धोखाधड़ी करके आनलाइन रुपये वसूल लेते है तथा उनको फर्जी व

कूटरचित नियुक्ति पत्र बनाकर भेज देते है, यदि कोई इसकी ज्यादा जांच पड़ताल करता है तो उसका नम्बर ब्लाक कर देते है। उपरोक्त लोगों द्वारा पडयंत्र रचकर एयर लाइंस में नौकरी देने के नाम पर धोखाधड़ी कर आर्थिक लाभ कमाने के उद्देश्य से कूटरचित नियुक्ति पत्र प्रेषित किये गये है। सरोजनीनगर से अभियुक्त कुलदीप पुत्र स्व0 उमराव सिंह उम्र 40 वर्ष हाल पता दरोगा खेड़ा मूल पता लालगंज रायबरेली, प्रियंका पुत्री मूलचंद कश्यप निवासी सरोजिनी नगर, शालू पुत्री सर्वजीत विश्वकर्मा निवासी बंथरा, आंचल शर्मा पुत्री दीपक शर्मा निवासी सरोजिनी नगर, गिरफ्तार किए गए वहीं संदीप सिंह पुत्र रामविलास सिंह मूल पता लालगंज रायबरेली हाल पता दरोगा खेड़ा व संतोष निवासी अज्ञात वांछित है। वहीं बंथरा के आजाद विहार कॉलोनी के एक मकान से पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। यहां भी अपराधियों का एक जैसा रवैया रहा। अभियुक्त अजय प्रताप सिंह पुत्र रामधार सिंह (53) निवासी सरेनी,रायबरेली हाल पता आजाद विहार कालोनी, संतोष कुमार पुत्र शंभू भारती(31)निवासी प्रांत बिहार, अमित सिंह पुत्र अजय प्रताप सिंह, वैशाली सिंह आरती सिंह पुत्री रामखेलावन सिंह निवासी थाना सरोजिनी नगर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के आपराधिक इतिहास के बारे में डीसीआरबी को रिपोर्ट प्रेषित की गयी। आरोपियों से व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से पूछताछ की गयी तो बताया कि हम लोग आपस मे मिलकर काल सेंटर चलाते है तथा एयरलाइंस में नियुक्ति हेतु लोगो को बहला फुसलाकर धोखाधड़ी करके उनसे रुपये वसूल लेते है तथा उनको नियुक्ति पत्र बनाकर भेज देते है, यदि कोई इसकी ज्यादा जांच पड़ताल करता है तो उसका नम्बर ब्लाक कर देते हैं। पकड़े गये उपरोक्त महिला पुरुषो द्वारा पडयंत्र रचकर एयर लाइंस में नौकरी देने के नाम पर धोखाधड़ी कर आर्थिक लाभ कमाने के उद्देश्य से फर्जी नियुक्ति पत्र प्रेषित किये गये है। आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस द्वारा आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है।

दलहन, तिलहन एवं मोटे अनाज की उत्पादकता बढ़ाने पर दिया जाए जोर: जिलाधिकारी

किसान मक्का का क्षेत्रफल बढ़ायें और फसल विविधता अपनाकर अधिकाधिक उत्पादन से किसानों की आर्थिक स्थिति में होगा सुधार: जिलाधिकारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में करते हुये विभिन्न विभागों के स्टाल/प्रदर्शनी लगाये गये। गोष्ठी में मुख्य विकास अधिकारी निधि बंसल तथा जनपद स्तरीय सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक दयाशंकर श्रीवास्तव कृषि विज्ञान केन्द्र कटिया मानपुर ने खरीफ 2025 में विभिन्न फसलों की बुवाई से पूर्व खेती तैयारी तथा खरीफ फसलों की नर्सरी/बुवाई से लेकर रोग व कीट प्रबन्धन के बारे में किसान भाइयों को तकनीकी तथा व्यवहारिक दोनो प्रकार से जैविक विधि तथा रासायनिक विधि के बारे विस्तृत रूप में समझाया। रसायनिक पेस्टीसाइड के अपेक्षा जैविक विधि से रोग व कीटों के प्रबन्धन की पूर्ण जानकारी प्रदान करते हुये किसान भाइयों से अनुरोध किया गया कि खेत की मृदा को स्वस्थ करने के लिये मित्र कीटों को आमन्त्रित कर जैविक उर्वरकों का ही अधिक से अधिक प्रयोग करें और रसायनिक उर्वरकों पर निर्भरता को छोड़ना होगा। साथ ही किसान भाइयों को बायो एन0पी0के0 बारे में बताते हुये उसका प्रयोग करने का अनुरोध किया गया। जिलाधिकारी महोदय की अनुमति से सिंचाई विभाग के अन्तर्गत नहर व नलकूप विभाग, पशुपालन विभाग, गन्ना विभाग, उद्यान विभाग तथा भूमि सरंक्षण अनुभाग द्वारा अपनी खरीफ 2025 की तैयारी से अवगत कराते हुये किसान भाइयों से परामर्श किया गया।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रतिनिधि द्वारा योजना के बारे में किसान भाइयों को अवगत कराते हुये बताया गया कि यदि किसी किसान भाई की व्यक्तिगत फसल क्षति होती है तो 72 घंटे के अन्दर किसान भाइयों को टोल फ्री नम्बर या फसल बीमा प्रतिनिधि या कृषि विभाग को सूचित किया जाना आवश्यक है।

जिला कृषि अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में खाद व बीज की कोई कमी नहीं है साथ ही किसान भाइयों से अनुरोध किया गया कि संतुलित मात्रा में आवश्यकतानुसार ही रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग करें। उ प कृषि निदेशक महोदय द्वारा अवगत कराया गया कि सोलर पम्प कृषि विभाग द्वारा 60 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराये जा रहे हैं। आप लोग समय पर पंजीकरण कराकर प्राप्त कर सकते हैं जो सिंचाई के लिये अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगा। साथ ही किसान भाइयों से अपने लिये उपयोगी कृषि यन्त्रों 50 प्रतिशत अनुदान पर लेने हेतु समय पर बुकिंग कराने का अनुरोध किया गया।

जिलाधिकारी महोदय द्वारा फसल विविधता अपनाकर श्री अन्न तथा दलहनी व तिलहनी फसलों के क्षेत्रफल को बढ़ाने हेतु किसान भाईयों अपील की गयी। साथ ही बताया गया कि जनपद में स्थापित फैक्ट्रियों में मक्का की बहुत मांग है, किसान भाई यदि उत्पादन बढ़ाते हैं तो भविष्य में अधिक रेट मिलने की सम्भावना है।

बीडीओ विकास सिंह के स्थानान्तरण निरस्त होने पर उठे सवाल सीएम को भेजा पत्र

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। भारतीय किसान मंच प्रदेश उपाध्यक्ष ने खण्ड विकास अधिकारी विकास कुमार सिंह के स्थानान्तरण निरस्त होने पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को पत्र भेजकर आदेशों के पालन किये जाने हेतु आग्रह किया। बताते चले कि पत्र के माध्यम से प्रदेश उपाध्यक्ष ने अवगत कराया कि जनपद में तैनात खण्ड विकास अधिकारी विकास कुमार सिंह का जनपद में 3 वर्ष से अधिक का कार्यकाल पूर्ण होने पर जारी आदेशानुसार नियमो का पालन करते हुए खण्ड विकास अधिकारी विकास कुमार सिंह का स्तानन्तरण पत्रांक सँख्या 2201 (174)/स्था.प्र./2024 दिनांक 24.05.2025को जनपद गोण्डा के लिए सहायक आयुक्त ग्राम्य विकास उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ के द्वारा किया गया। सहायक आयुक्त ग्राम्य विकास उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ के द्वारा दिनांक 02.06.2025पत्रांक संख्या 2342(174) स्था.प्र./2024 जारी पत्रांक के अनुसार खण्ड विकास अधिकारी विकास कुमार सिंह का स्तानन्तरण पूर्व में जारी आदेश को निरस्त कर पुनः सीतापुर कर दिया गया है जोकि नियम विरुद्ध है व जारी आदेशो की अवहेलना है अगर 4 वर्ष पूर्ण होने का बाद भी खण्ड विकास अधिकारी सांठ गांठ का इस्तेमाल कर स्तानन्तरण निरस्त कराने में सफल हो रहे है तो स्तानन्तरण नीति का अर्थ शून्य दिखाई देता है जोकि चिंता का विषय है। प्रदेश उपाध्यक्ष ने पत्र के माध्यम से अन्य गम्भीर आरोप लगाते हुए आगामी पँचायत चुनाव नजदीक है ऐसे में अगर खण्ड विकास अधिकारी विकास कुमार सिंह का पुनः जनपद में स्तानन्तरण होता है तो चुनाव में बाधा उत्पन्न हो सकती है। विकास खण्ड क्षेत्र में विकास योजनाओं में भ्रष्टाचार मुक्त योजना में खण्ड विकास अधिकारी का संरक्षण होने के करण योजना भ्रष्टाचार युक्त होकर भ्रष्टाचारियों को को बढ़ावा मिलेगा। प्रदेश उपाध्यक्ष के द्वारा मुख्यमंत्री से खण्ड विकास अधिकारी विकास कुमार सिंह के स्थानान्तरण निरस्त आदेश को पुनः लागू किये जाने की मांग की गई।

भ्रष्टाचार की चपेट में बेलन्दापुर,योजनाएं बनी मज़ाक

विकास खण्ड मछरेहटा की ग्राम पंचायत बेलन्दापुर बनी भ्रष्टाचार का गढ़

कैनविज टाइम्स संवाददात

सीतापुर/मछरेहटा। गांव की तरक्की और जनता के कल्याण के नाम पर चलाई जा रही सरकारी योजनाएं अब ग्राम पंचायत स्तर पर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती जा रही हैं। योजनाओं का लाभ ज़रूरतमंदों तक नहीं पहुंच रहा, बल्कि कागज़ों में फर्जीवाड़ा कर भारी घोटाले किए जा रहे हैं।ग्राम पंचायत बेलन्दापुर इन दिनों विकास की राह छोड़कर भ्रष्टाचार के अंधे कुएं में गिरती जा रही है। सरकारी योजनाएं सिर्फ कागजों तक सीमित रह गई हैं, जबकि ज़मीनी हकीकत झूठ, घोटाले और लापरवाही की खुली तस्वीर पेश कर रही है।सूत्रों की मानें तो मनरेगा, नल मरम्मत, शौचालय निर्माण , व्हील चेयर , तालाब भरवाई , लाइब्रेरी स्थापना , हैंडपम्प मरम्मत , हैंडपम्प रिबोर जैसी योजनाओं में भारी वित्तीय अनियमितताएं की गई हैं।ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि ग्राम पंचायत में हाईटेक लाइब्रेरी स्थापना के नाम पर 19 फरवरी 2025 को लगभग 154921 रुपयों का भुगतान कराया गया पुनः लाइब्रेरी के नाम पर दिनांक 19 फरवरी 2025 को लगभग 62964 व दिनांक 19 फरवरी 2025 को पुनः इसी मद में लगभग 72003 एवं दिनांक 27 मई 2025 को लगभग 91837 रुपयों का भुगतान कराया गया जिसमें काफी अनिमिताये बर्ती गयी है। ग्रामीणों का कहना है कि उच्च अधिकारियों द्वारा जांच करवा कर उचित करवाई की जाए अब देखना यह है क्या जांच कर उचित की जाती है या हमेशा की तरह भ्रष्टाचारियों को बढ़ावा दिया जाता रहेगा

ग्राम पंचायत बेहमा में स्वास्थ्य सेवाओं का बुरा हाल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खुद बीमार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर कोई भी एलोपैथिक डॉक्टर नियमित रूप से तैनात नहीं है, जिससे हजारों ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिल पा रही हैं

सीतापुर। सिधौली तहसील के विकास खंड पहला की ग्राम पंचायत बेहमा में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। यहां स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर कोई भी एलोपैथिक डॉक्टर नियमित रूप से तैनात नहीं है, जिससे हजारों ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिल पा रही हैं। यह दर्जनों गांवों के मरीजों की देखभाल का दावा करता है, लेकिन वास्तविकता इससे कोसों दूर है। डॉक्टर गायब, मरीज बेहालमंगलवार की सुबह 10:30 बजे जब दैनिक भास्कर डिजिटल ऐप की टीम ने मौके पर जाकर स्थिति का जायज़ा लिया, तो केवल वार्ड ब्वॉय श्रीराम वर्मा, स्टाफ नर्स शिशु यादव और एल.टी. कैलाश श्रीवास्तव उपस्थित मिले। जबकि यहां कम से कम पाँच स्वास्थ्यकर्मियों की तैनाती होनी चाहिए।यहां तैनात एकमात्र होम्योपैथिक डॉक्टर सत्यवीर सिंह ही एलोपैथिक दवाएं भी देते हैं, जबकि यह स्पष्ट रूप से नियमों का उल्लंघन है। उन्होंने बताया कि उन्हें उस दिन सीएचसी पहला में ड्यूटी पर जाना था, इस कारण वे उपस्थित नहीं हो सके। बाकी कर्मियों के संबंध में कोई संतोषजनक जानकारी नहीं दी जा सकी।आपात स्थिति में और बढ़ती है परेशानी ग्रामीणों का कहना है कि रात में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, क्योंकि कोई इमरजेंसी सुविधा उपलब्ध नहीं होती। आपातकालीन मरीजों को या तो प्राइवेट क्लीनिक में जाना पड़ता है या फिर झोलाछाप डॉक्टरों के पास।

स्वच्छता और मूलभूत सुविधाओं का अभाव

अस्पताल परिसर में गंदगी का आलम है। यद्यपि एक आरओ टैंक लगा है, लेकिन पीने के पानी की कोई व्यवस्था नहीं है। मरीजों और स्टाफ को पानी साथ लाना पड़ता है। अस्पताल परिसर में बने आवास भी जर्जर हालत में हैं, जिनमें बड़ी-बड़ी घास उगी है और नियमित सफाई नहीं होती। इससे यहां रहने वाले स्वास्थ्यकर्मियों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता हैयहां जरूरी दवाएं अक्सर उपलब्ध नहीं होतीं। केवल सर्दी, जुकाम, बुखार आदि की सामान्य दवाएं ही मिल पाती हैं। इससे मजबूर होकर ग्रामीण झोलाछाप डॉक्टरों के पास जाते हैं, जो उनकी आर्थिक और स्वास्थ्य दोनों से खिलवाड़ करते हैं।

ग्रामीणों की माँग

रामकृपाल, आलिया (नैगढ़ी), सूबेदार सिंह (बेहमा), रितेश सोनी, बबलू गुप्ता आदि ग्रामीणों ने बताया कि यदि इस पीएचसी पर एक स्थायी एलोपैथिक डॉक्टर की तैनाती हो जाए, तो उन्हें इलाज के लिए इधर-उधर भटकना न पड़े।जब अस्पताल की स्थिति और आवास परिसर की सफाई के विषय में एट्टए पहला के अधीक्षक आनंद कुमार से बात की गई, तो उन्होंने मात्र यह कहा कि ''हम इस पर कार्य करवा रहे हैं'', लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस प्रयास नहीं दिखता।बेहमा का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खुद ''बीमार'' है, जहां न डॉक्टर हैं, न दवा, न साफ-सफाई और न ही व्यवस्था। ऐसी स्थिति में सरकारी योजनाएं और बजट आखिर कहां जा रहे हैं? ग्रामीण जनता कब तक अनदेखी और असुविधा की शिकार होती रहे है

मोहम्मदी सीएचसी में महिला डाक्टर की तानाशाही से बेहाल मरीज के परिजन

महंगी जांच बाहर की दवाएं लिख रहीं महिला डाक्टर पर कार्रवाई की मांग, सीएचसी परिसर में फैली भीषण गंदगी से परेशान मरीज,बदबू से और फैल रही बीमारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर-खीरी। सरकारी अस्पतालों में इलाज की उम्मीद लेकर पहुंचने वाले गरीब मरीजों को किस हद तक उपेक्षा झेलनी पड़ती है,इसकी बानगी मोहम्मदी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में साफ देखने को मिलती है।यहां न डॉक्टर संवेदनशील हैं न व्यवस्था चौकस।मरीजों को फटकार गंदगी और लापरवाह सिस्टम का सामना करना पड़ रहा है।महिला डॉक्टरों का व्यवहार जहां रौबदार और बेरुखा है वहीं स्वास्थ्य केंद्र परिसर गंदगी से अटा पड़ा है।बरवर क्षेत्र के रहने वाले पत्रकार राम लखन सिंह अपनी पत्नी को इलाज के लिए मोहम्मदी सीएचसी लाए थे लेकिन वहां मौजूद महिला डॉक्टर के व्यवहार ने उन्हें असहज कर दिया।राम लखन सिंह का कहना है कि जैसे ही उन्होंने अपनी पत्नी की तबीयत से संबंधित समस्या बताने की कोशिश की डॉक्टर ने उन्हें डांटते हुए कहा यह मेरी कुर्सी है मैं जा रही हूं घर और उन्हें बाहर जाने को कह दिया।राम लखन सिंह का आरोप है कि डॉक्टर ने बिना ठीक से जांच किए वही दवाएं दोबारा लिख दीं जो पहले दी जा चुकी थीं।मरीज की समस्या को न तो ध्यान से सुना गया, न ही कोई नई सलाह दी गई। इस तरह की लापरवाही और बेरुखे व्यवहार को लेकर आमजन में नाराजगी है।

महिला मरीजों और तीमारदारों से बर्ताव में भी लापरवाही

स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद महिला डॉक्टरों पर आरोप है कि वे किसी भी मरीज या उनके साथ आए परिजनों से ढंग से बात नहीं करतीं।यदि कोई तीमारदार मरीज के लिए कुछ कहने की कोशिश करता है, तो उन्हें डांटकर बाहर कर दिया जाता है।यह स्थिति खासकर उन गरीब मरीजों के लिए बेहद कष्टकारी हो जाती है जो सुबह से लाइन में लगे रहते हैं।

स्वास्थ्य केंद्र परिसर में गंदगी का अंबार

मोहम्मदी सीएचसी की बदहाल स्थिति की पोल परिसर की गंदगी खुद बयां कर रही है।मरीजों और उनके परिजनों को खुले में खड़े होने तक में परेशानी होती है। कूड़े-कचरे का अंबार मुख्य द्वार के पास जमा है, जिससे संक्रमण फैलने का खतरा बना हुआ है। स्वास्थ्य केंद्र के आसपास की तस्वीरें यह स्पष्ट करती हैं कि सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है।एक तरफ जहां सूबे के मुखिया और देश के प्रधानमंत्री स्वयं झाड़ू लेकर स्वच्छता अभियान के लिए संदेश दे रहे हैं वहीं परिसर में फैली गंदगी मरीजों को और बीमार कर रहीं हैं।

बिना रजिस्ट्रेशन चल रहे फर्जी अस्पताल, स्वास्थ्य विभाग मौन

मोहम्मदी क्षेत्र में कई ऐसे प्राइवेट अस्पताल संचालित हो रहे हैं जिनके पास न तो एमबीबीएस डॉक्टर हैं और न ही कोई वैध रजिस्ट्रेशन।इसके बावजूद इन अस्पतालों में गंभीर प्रक्रियाएं जैसे डिलीवरी आदि,धड़ल्ले से की जा रही हैं। यह स्थिति सीधे तौर पर मरीजों की जान से खिलवाड़ है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि स्वास्थ्य विभाग की मिलीभगत से यह फर्जीवाड़ा लंबे समय से चल रहा है, लेकिन सीएचसी अधीक्षक व अन्य जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं।न तो निरीक्षण होता है न ही कोई कार्रवाई।फिलहाल पीड़ित राम लखन ने अपनी शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर दर्ज कराकर कार्यवाही की मांग की है।

सीएमओ से संपर्क करने पर जवाब गोलमोल

जब इस पूरे मामले में जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष गुप्ता से संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो उनके पी आर ओ ने फोन उठाकर सिर्फ इतना कहा, ल्ल्मैं अभी बात करा रहा हूं,ङ्क और कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि जिला स्तर पर भी लापरवाही बरती जा रही है।

चारा काटने को लेकर बवाल: पसगवां के बरखेरियाजाट गांव में दो पक्षों में जमकर मारपीट, दोनों ओर से मुकदमा दर्ज

पसगवां, लखीमपुर खीरी। कोतवाली पसगवां क्षेत्र के ग्राम बरखेरियाजाट में रविवार शाम को मामूली कहासुनी ने बड़ा विवाद का रूप ले लिया। खेत से चारा काटने को लेकर शुरू हुई बात में देखते ही देखते दो पक्ष आपस में भिड़ गए और लाठी-डंडे चलने लगे।घटना 16 जून 2025 की शाम करीब 6 बजे की है। पहले पक्ष की ओर से नूरजहां पत्नी शान मोहम्मद ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया कि जब उन्होंने जान मोहम्मद, सईद, हिमायतुल्ला और वाजिद (पत्नी जान मोहम्मद) को चारा काटने से रोका तो इन लोगों ने उन्हें लात-घूंसों और लाठी-डंडों से पीट डाला। शोर सुनकर उनके पति शान मोहम्मद बीच-बचाव को आए तो आरोपियों ने उन्हें भी पीटकर जान से मारने की धमकी दी।वहीं दूसरे पक्ष से जान मोहम्मद पुत्र हिमायतुल्ला ने भी तहरीर दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि शान मोहम्मद ने पुरानी रंजिश के चलते उन्हें गालियां दीं और लात-घूंसे मारे, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। साथ ही जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गया।पसगवां पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।ग्रामीणों में तनाव की स्थिति बनी हुई है, लेकिन फिलहाल माहौल शांत है।

खमरिया में अतिक्रमण और ई-रिक्शा चालकों पर पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई, राहगीरों ने ली राहत की सांस

धौरहरा, खीरी। थाना खमरिया क्षेत्र में अतिक्रमण और अव्यवस्थित ई-रिक्शा संचालन के खिलाफ पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए मंगलवार को ताबड़तोड़ कार्रवाई की। यह अभियान क्षेत्राधिकारी धौरहरा शमशेर बहादुर सिंह और थाना प्रभारी ओपी राय के दिशा-निर्देशन में चलाया गया।कार्रवाई का नेतृत्व कर रहे एसआई सुनील बाबू अवस्थी और कांस्टेबल गौरव मिश्रा ने बाजार क्षेत्र में अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों और रास्ता जाम करने वाले ई-रिक्शा चालकों पर सख्त कार्रवाई करते हुए अवैध कब्जे हटवाए।इस अभियान के बाद बाजार में यातायात सामान्य रहा और आम जनता को आवागमन में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों ने पुलिस की इस पहल की सराहना की और कहा कि पहली बार बाजार खुला और व्यवस्थित नजर आया।थाना प्रभारी ओपी राय ने साफ चेतावनी दी है कि भविष्य में यदि कोई भी व्यक्ति सड़क पर अतिक्रमण करता पाया गया, तो उसके खिलाफ तुरंत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।पुलिस की इस सख्ती से बाजार में अनुशासन और व्यवस्था की उम्मीद जगी है।

पलिया में युवक की संदिग्ध मौत का खुला राज़

पलिया, लखीमपुर खीरी। पलिया कोतवाली क्षेत्र के ग्राम छेदनीपुरवा में 22 वर्षीय युवक निर्मल मौर्य की रहस्यमयी मौत के मामले ने मंगलवार को नया मोड़ ले लिया, जब पुलिस को घटना स्थल के पास से खून से सना हुआ डंडा बरामद हुआ। यह उस 'सांड के हमले' की कहानी पर गंभीर सवाल खड़े करता है, जिसे अब तक पुलिस हादसे का कारण बता रही थी।निर्मल सोमवार रात अपने पड़ोसी सचिन के साथ घर से निकला था। कुछ घंटे बाद उसके मौत की सूचना मिली। सचिन का दावा था कि रास्ते में एक सांड के हमले में निर्मल की जान गई, मगर परिजनों ने इसे साज़िशन हत्या बताया।परिजनों का आरोप है कि पुलिस मामले को दुर्घटना बताकर दबाने की कोशिश कर रही थी। मृतक के पिता की तहरीर के बावजूद पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया, जिससे आक्रोशित होकर परिजनों ने अंतिम संस्कार से इनकार कर दिया।स्थिति तब बदली जब पुलिस को घटनास्थल पर खून से लथपथ डंडा मिला, जिससे परिजनों के शक को बल मिला।थाना प्रभारी पंकज त्रिपाठी ने कहा, ल्लपोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारण की पुष्टि हो सकेगी, खून से सने डंडे की जाच होगी मगर जांच को गंभीरता से लिया जा रहा है।

विष्णु महायज्ञ का हुआ आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ खीरी। ग्राम बांसगांव मे प्रथम विष्णु महायज्ञ का आयोजन गांव के पश्चिम दूर्गा माता मंदिर पर महायज्ञ व विशाल संत सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे तृतीय दिवस के अवसर पर ग्रामीणो ने यज्ञ की परिक्रमा कर पुण्य अर्जित किया।इस अवसर पर कथा ब्यास व सुदीप शुक्ला साध्वी दुर्गा रमा किशोरी जी के मुखावि?दु से राम जन्म की पावन कथा भक्तो को को श्रवण कराते हुये बताया कि एक बार राजा दशरथ को ग्लानि होती है की मेरा अब चौथा पन आ गया है और हमारे कोई भी पुत्र नही है,अब हमारा वंश कैसे चलेगा,तो वह फौरन ही अपने गुरू बशिस्ठ के पास नंगे पैरो गये और उनसे अपनी सारी ब्यथा बताई,तब गुरू ने कहा हे राजन आप धीरज रखे एक नही आपके चार चार पुत्र होगे,अब आप अयोध्या जाकर श्रृंगी श्रृषि को बुलाकर पुत्रेस्ठी यज्ञ कराये। तब राजन ने ऐसा ही किया।और उस यज्ञ से अग्नि देवता प्रकट होकर खीर का कटोरा राजा दशरथ को देते है और कहते है यह प्रसाद बराबर बराबर तीनो रानियो मे दे देना और प्रसाद खाकर तीनो रानिया गर्भवती हो जाती है।इस अवसर पर यज्ञ ब्यबस्थापक कथा ब्यास बैजनाथ,ग्राम प्रधान सोमनाथ मिश्र उर्फ छोटे भैया, संजीव मिश्र रामाधार मिश्र, दिनेश मिश्रा,सोनू मिश्रा,राकेश मिश्रा,प्रमोद तिवारी सुरेश चन्द्र शुक्ला,मुकेश मिश्रा,अमित तिवरी,कुलदीप मिश्रा,दामोदर राज अनूप गौतम,जेपी यादव,बाबू राम गौतम,रामपाल यादव राजेन्द्र यादव अतुल कुमार भार्गव बीनू शुक्ला सहित तमाम ग्रामीण व महिलाऐ मौजूद रही।

डीएम ने की करकरेत्तर की बैठक, दिए निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। मंगलवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में कर-करेत्तर के तहत प्राप्तियो की विभागवार, बिंदुवार मासिक समीक्षा बैठक की, संबंधित को जरूरी निर्देश दिए। डीएम ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रवर्तन की प्रभावी कार्यवाही करते हुए निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत राजस्व वसूली सुनिश्चित की जाय। बैठक का संचालन एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने किया।डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि सभी अधिकारियों को अपने लक्ष्य की कार्ययोजना बनाकर मूर्त रूप देने का निर्देश दिया। निर्देश दिए कि विशेष अभियान चलाकर लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करें। डीएम ने संबंधित अधिकारियों का आह्वान करते हुए कहा कि यह बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही एवं शिथिलता क्षम्य में नहीं होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन विभागीय अधिकारियों के द्वारा अपने राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति नहीं की जाएगी, उनके विरुद्ध कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने निर्देश दिए कि विभागीय तालमेल और समयबद्ध प्रयासों से राजस्व लक्ष्य की पूर्ति की जाए। फील्ड में सक्रिय रहकर विभागीय कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें। वसूली के आंकड़ों की साप्ताहिक समीक्षा की जाएगी, जिसमें प्रगति न दिखाने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। डीएम ने वाणिज्य कर, स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन, आबकारी, परिवहन, विद्युत देय, नगर विकास, मंडी, वन, सिंचाई, खनन, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक लखीमपुर, गोला, विधिक माप विज्ञान के अफसरों से मासिक लक्ष्य की प्रगति, क्रमिक लक्ष्य की प्रगति गत वर्ष की उपलब्धि के सापेक्ष वृद्धि प्रतिशत की गहन समीक्षा कर जरूरी निर्देश दिए। *लंबित वादों का त्वरित निस्तारण करें: डीएम* डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने अटल सभागार में राजस्व विभाग के गत माह की समीक्षा की। उन्होंने राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों के त्वरित एवं गुणवत्तायुक्त निस्तारण को लेकर निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों का त्वरित निस्तारण किया जाए। सभी एसडीएम अपने अधीनस्थ न्यायालयो की स्वयं नियमित रिव्यू करे।

रमियाबेहड़ में जलजीवन मिशन की टंकियों में अटका दम करोड़ों खर्च के बाद भी अधूरी पड़ी पेयजल योजनाएं

ठेकेदारों और कार्यदायी संस्थाओं की लापरवाही से लोग आज भी आर्सेनिक युक्त पानी पीने को मजबूर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

धौरहरा, लखीमपुर खीरी। विकास खंड रमियाबेहड़ जल जीवन मिशन के तहत रमियाबेहड़ विकास खंड में करोड़ों रुपये की लागत से 35 पेयजल टंकियों का निर्माण कराया जा रहा है, ताकि क्षेत्र की करीब ढाई लाख आबादी को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। लेकिन निर्धारित समयावधि बीतने के बावजूद अधिकांश टंकियों का कार्य अधूरा पड़ा है, जिससे योजना की सफलता पर सवाल उठने लगे हैं। सरकारी दस्तावेजों के अनुसार, 35 टंकियों में से केवल 16 टंकियां पूरी तरह निर्मित हुई हैं, जबकि 10 टंकियों का कार्य 80% और 9 टंकियों का मात्र 60% ही कार्य हो पाया है। ग्रामीणों का आरोप है कि लीकेज और अधूरी पाइपलाइन के चलते पूरे गांवों में जल भराव की स्थिति बन रही है। कई गांवों में ट्रायल के दौरान सप्लाई नहीं पहुंच सकी, जैसे कि रामनगर बगहा, मिझरिया।कई जगहों पर बाउंड्री वॉल और नलकूप के कमरे बना कर काम अधूरा छोड़ दिया गया है, जैसे सुजानपुर पंचायत और चचरा ग्राम पंचायत। पाइपलाइनें तय मापदंडों को दरकिनार कर बिछाई गईं, जिससे सड़कों पर गड्ढे और अव्यवस्था फैल रही है। बताते चले कि भगहर पुरवा (चंद्रपुरा गांव) 232.60 लाख की लागत, कार्य जून 2023 तक पूरा होना था, अब भी 90% अधूरा। गौरिया 361.58 लाख की लागत, अगस्त 2022 से निर्माण जारी, लेकिन पानी नसीब नहीं। अभयपुर, 454.59 लाख की लागत, मार्च 2023 से निर्माण शुरू, अब तक कनेक्शन अधूरे। रामनगर बगहा 402.3 लाख की लागत, मुख्य सप्लाई लाइन तक नहीं बिछी। ग्रामीणों का कहना है कि ठेकेदारों और कार्यदायी संस्थाओं की लापरवाही से लोग आज भी आर्सेनिक युक्त पानी पीने को मजबूर हैं। टंकियों की समय पर आपूर्ति न होने से ''हर घर नल'' योजना सिर्फ कागज़ों तक सीमित दिख रही है।जिम्मेदार अधिकारियों और कार्यदायी संस्थाओं से इस स्थिति पर जवाबदेही तय करने की मांग लगातार उठ रही है, मगर फिलहाल सभी पक्ष मौन साधे हुए हैं।

चार लोगों पर दलित उत्पीड़न सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज

महराजगंज,रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के मांझिगांव में बीती रात पुरानी रंजिश को लेकर गांव के ही चार लोगों ने दलित बिरादरी के तीन लोगों को गाली गलौज देते हुए जाति सूचक शब्द का प्रयोग करते हुए लाठी डंडे व फावड़े से जमकर मारा पीटा। जिसमें तीन लोगों को गंभीर चोटें आई है। कोतवाली पुलिस ने चोटहिल का प्राथमिक उपचार कराकर मिली तहरीर के आधार पर चार लोगों के खिलाफ दलित उत्पीड़न गाली गलौज जान से मारने की धमकी जैसी गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली पुलिस को दी गई हुई। तहरीर में प्रार्थी चंद किशोर पुत्र बृजलाल व अंकित पुत्र फूलचंद व वशवंत पुत्र चंद्रभान निवासी ग्राम मांझिगांव थाना महराजगंज ने कहा है कि गांव के ही दबंग प्रतिपक्षीगड़ गिरजा सिंह पुत्र राजा सिंह व हरी करन सिंह पुत्र राजा सिंह अजीत सिंह पुत्र सुरेश सिंह धर्मेंद्र प्रताप सिंह पुत्र रामकुमार सिंह एक राय होकर हमारे घर के पास बनी सीसी रोड पर आए और जाति सूचक गालियां देते हुए लाठी डंडों व फावड़ा से मारा पीटा जिसमें हम लोगों को गंभीर चोटें आई हैं।इंसेट - कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव का कहना है कि घटना की जानकारी मिली है कोतवाली पुलिस की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है जिसकी विवेचना क्षेत्राधिकारी महराजगंज प्रदीप कुमार द्वारा की जा रही है।

सुनीता सिंह बनी ताजुद्दीनपुर गांव की नई कोटेदार ग्रामीणों में हर्ष का माहौल

महराजगंज,रायबरेली। महराजगंज विकासखंड क्षेत्र के ताजुद्दीनपुर गांव मे प्रतिष्ठा का विषय बना सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकान के चुनाव में आखिरकार पूर्व कोटेदार के परिवार से ही सुनीता सिंह ने अपने प्रतिनिधि को 400 से अधिक मतों से परास्त कर सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकान के चुनाव में विजयश्री हासिल की, जैसे ही सुनीता सिंह के चुनाव जीतने की खबर ग्राम वासियों को हुई वैसे ही ग्राम वासी एकत्रित होकर एक दूसरे का मुंह मीठा करा कर बधाई देने लगे। बताते चलें कि ताजुद्दीनपुर सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकान का चुनाव भारी पुलिस बल व विकासखंड के कर्मचारियों की मौजूदगी में संपन्न हुआ। जिसमें दो लोगों ने नामांकन पत्र दाखिल कर सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकान के लिए हर संभव भरसक प्रयास किया। जिसमें पूर्व प्रधान राजू सिंह द्वारा समर्थित प्रत्याशी रघुवीर सिंह को मात्र 85 लोगों का ही समर्थन मिला जबकि सुनीता सिंह पत्नी मनीष उर्फ बड़कऊ सिंह को लगभग 500 मत प्राप्त हुए और सुनीता सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी को चार सौ से अधिक मतों से पराजित किया तथा विकासखंड के अधिकारी व कर्मचारीयों व चंदापुर थाना अध्यक्ष प्रशांत द्विवेदी अपने दलबल के साथ मौजूद रहे। कोतवाली प्रभारी चंदापुर प्रशांत द्विवेदी,एस आई रवि पंवार, चुनाव प्रभारी गणेश कुमार सिंह, पंचायत मंत्री वीरेंद्र पाल यादव, ग्राम प्रधान विनोद कुमार तथा गांव के स सैकड़ो संभ्रांत लोग मौजूद थे। विदित हो कि पूर्व कोटेदार स्वर्गीय कप्तान सिंह की मृत्यु 17 दिसंबर 2024 को हुई थी। इसके बाद यह सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकान मुरैनी ग्राम सभा के कोटेदार अशोक शुक्ला के यहां संबद्ध कर दिया गया था।

नहीं थम रहा मनरेगा मजदूरी हाजिरी का फर्जी खेल

कसमंडा, कमलापुर। विकासखंड कसमंडा के अंतर्गत मनरेगा मजदूरी हाजिरी का फर्जी खेल खेला जा रहा है।कोकनामऊ ,न्योराजपुर दहावा ,मानपारा, गढ़ी करौंदी , कुरसंडा आदि पंचायतों में ऑनलाइन अपलोड की गई फोटो भारी फर्जीवाड़े की गवाही साबित हो रही है। एक ही फोटो प्रत्येक मास्टर रोल पर अपलोड की जा रही है। मास्टर रोल पर उपस्थित फोटो एवं अंकित मजदूरों के नाम में महिला पुरुष का भी जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। इतना ही नहीं कुछ पंचायतों में शाम को 5:00 के बाद ऑनलाइन पोर्टल पर मजदूरों की उपस्थिति अपलोड की जा रही है। कहीं-कहीं पंचायतों में कार्यरत पंचायत मित्र का प्रधान व सचिव से साठ-गांठ न मिल पाने के कारण कार्य मुक्त रखा जाता है। लेकिन प्रतिमाह मानदेय निकाल दिया जाता है। सवाल यह है। भ्रष्टाचार मुक्त सरकार आखिर इस महा भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने में विफल क्यों साबित हो रही है।

शराबी बेटे ने जन्म देने वाली मां की डंडे से पीटकर की हत्या

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। जिले में एक दर्दनाक घटना ने परिवार और समाज को सन्न कर दिया है। खीरों थाना क्षेत्र के ग्राम बैरीसाल खेड़ा स्थित मजरे सेमरी में एक शराबी बेटे ने अपनी ही मां की डंडे से पीट-पीटकर निर्मम हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार आरोपी पुत्र शराब के नशे में घर खाना खाने आया था। तभी उसके और उसकी मां के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ। नशे की हालत में क्रोधित आरोपी बेटे ने डंडा उठा लिया और अपनी मां पर बेरहमी से प्रहार कर दिया। डंडे से की गई मां की पिटाई से वह बुरी तरह से घायल हो गई जब तक परिवार और गाँव वाले उसको अस्पताल ले जाते लेकिन उसकी घर पर ही मृत्यु हो गई थी। घटना के बाद आरोपी बेटा घटनास्थल से फरार हो गया। इस मामले की सूचना पुलिस को मिलते ही खीरों थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लिया और मौके पर कार्रवाई की। जांच में जुटी पुलिस ने आरोपी पुत्र की तलाश शुरू की और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने मृतका के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है ताकि हत्या के सही कारणों और चोटों का पता लगाया जा सके। आरोपी से पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है और घटना के अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है। इस मामले में पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

क्या कहना है लालगंज सीओ का

लालगंज सीओ गिरजा शंकर त्रिपाठी ने बताया रायबरेली। लालगंज सीओ गिरजा शंकर त्रिपाठी ने बताया की खीरो थाना क्षेत्र में एक बुजुर्ग महिला को उसके बेटे ने अपनी माँ पर डंडा उठाकर मारने की कोशिश की लेकिन अचानक डंडा उसकी बुजुर्ग मां के सिर पर लग गया जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई थी। बताया कि उसका बेटा नशे में था तभी घर में मां से कुछ विवाद हुआ और पास में पड़ा एक डंडा उसने उठाया और मारने की कोशिश की और कहीं कर रहा था लेकिन मां के सर पर लग जाने से उसकी घर पर ही मृत्यु हो गई है फिलहाल पुलिस ने उसकी गिरफ्तार कर लिया है।

स्वच्छता मिशन की धज्जियां उड़ा रहा लहरपुर ब्लॉक परिसर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लहरपुर, सीतापुर। लहरपुर ब्लाक की जहां पर ब्लाक परिसर में आए दिन चोरी की वारदातें सामने आ रही है वही सार्वजनिक शौचालय में भी गंदगी देखने को मिल रही है और आसपास कूड़ा फैला हुआ है जिससे ब्लॉक मे आने वाले लोगों को परेशानी हो रही और खुले में शौचालय करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है/ शौचालय की सफाई न होने से बदबू आ रही है मॉडल शौचालय में ताला लगा हुआ है सार्वजनिक शौचालय की स्थिति बेहद बत्तर नजर आ रही है साफ सफाई व्यवस्था जीरो है खुलेआम स्वच्छता मिशन की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं यह स्थिति तब है जब केंद्र और प्रदेश सरकार स्वच्छता अभियान चला रही है लेकिन दूसरी तरफ इसका प्रभाव ब्लॉक के अधिकारियों पर नहीं दिख रहा एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना चल रहा है साफ सफाई के लिए सभी को प्रेरित किया जा रहा है बीते माहपूर्व ब्लॉक परिसर से दो मोटरसाइकिल चोरी हुई थी जिसके संबंध में स्थानीय पत्रकारों के द्वारा खंड विकास अधिकारी से बात की गई वहां पर लगे सीसीटीवी कैमरे को दुरुस्त करवाने के लिए लेकिन अभी तक ब्लॉक की तरफ से इस तरफ ध्यान नहीं दिया गया जबकि ब्लॉक परिसर में सैकड़ो लोगों का आवागमन रहता है। अब देखना यह है कि ब्लॉक परिसर की व्यवस्थाओं को बेहतर से बेहतर करवा पाएंगे या ऐसे ही सरकारी धन का दुरुपयोग होता रहेगा ब्लॉक परिसर में विकास कार्यों मैं भी जमकर घोटाले बाजी की जाती है तस्वीरों में साफ देखा जा रहा है कि किस तरह खंड विकास अधिकारी महोदय के ऑफिस सामने गंदगी का ढेर लगा हुआ है । इस मामले में देखना यह है कि ब्लॉक परिसर के उच्च अधिकारियों के द्वारा इस सफाई व्यवस्था के संबंध में क्या अभियान चलाया जा रहा है। खंड विकाश अधिकारी से कैमरा और सफाई व्यवस्था क़े मामले में जानकारी ली गयी तो उन्होंने बताया की करवाते है।

नहीं थम रही चोरियों की वारदात, मां अन्नपूर्णा मंदिर से डेढ़ लाख की चोरी

पढ़ुआ पुलिस कार्यशैली पर लग रहे प्रश्नचिन्ह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

धौरहरा, लखीमपुर खीरी। कड़े प्रशासनिक दावों और सख्त कानून व्यवस्था के बावजूद चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। ताजा मामला ग्राम पंचायत दुलही, ब्लॉक रमियाबेहड़ थाना पढ़ुआ क्षेत्र के गांव केदारी पुरवा से सामने आया है, जहां अज्ञात चोरों ने मां अन्नपूर्णा मंदिर को निशाना बनाया।जानकारी के अनुसार, बीती रात लगभग 12 बजे दो चोर मंदिर का ताला तोड़कर घुसे और वहां से एक इन्वर्टर की बैटरी और दो दान पेटियां उठा ले गए, जिनमें ग्रामीणों के अनुसार करीब डेढ़ लाख रुपये की नकदी रखी थी।सुबह जब मंदिर में साफ-सफाई के लिए सेवक पहुंचे तो सामान बिखरा पड़ा मिला और कुछ दूरी पर जंगल के किनारे टूटी हुई खाली दान पेटियां बरामद हुईं। इससे गांव में दहशत और रोष का माहौल है।ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं, लेकिन प्रशासन न तो सक्रिय है, न ही सुरक्षा के कोई ठोस इंतजाम किए गए हैं।प्रशासन की सुस्ती और पुलिस की नाकामी को लेकर लोगों में नाराज़गी है। ग्रामीणों ने मांग की है कि जल्द से जल्द चोरों की गिरफ्तारी की जाए और मंदिर की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।इस घटना ने कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सीएम डैशबोर्ड व सीएमआईएस पोर्टल पर प्रदर्शित विकास कार्यों की डीएम ने की समीक्षा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जिले में संचालित विकास कार्यों और योजनाओं की रफ्तार को और तेज करने के उद्देश्य से डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में सीएम डैशबोर्ड व सीएमआईएस पोर्टल पर प्रदर्शित सूचनाओं की गहन समीक्षा की।

उन्होंने विभागवार आंकड़ों की जांच करते हुए संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि सभी योजनाओं की जानकारी समय से और शुद्ध रूप में पोर्टल पर अपडेट की जाए।उन्होंने कहा कि शासन स्तर पर सीधे सीएमआईएस पोर्टल और सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से योजनाओं की निगरानी की जा रही है, ऐसे में किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। डीएम ने निर्देश दिए कि जिन विभागों की प्रगति अपेक्षा के अनुरूप नहीं है, वे तुरंत सुधारात्मक कदम उठाएं और पोर्टल पर अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराएं।डीएम ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक दशा में सीएम डैशबोर्ड पर आंकड़ों को अद्यतन रखा जाय, ताकि जिले की रैंक प्रभावित न होने पाये। समीक्षा के दौरान सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी लोग अपने-अपने विभागों की सीएम डैशबोर्ड से संबंधित कार्यो, योजनाओं की बराबर समीक्षा करते रहें, ताकि सीएम डैशबोर्ड पर विभाग की रैंकिंग खराब न होने पाए, इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। संबंधित विभाग सीएम डैशबोर्ड को गंभीरता से लें। सभी विभाग छोटी से छोटी कमी पर ध्यान देते हुए अपनी रैंकिंग में सुधार लाएं।

सीडीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि सीएम डैशबोर्ड और सीएमआईएस पर डाले गए आंकड़े महज नंबर नहीं, प्रशासन की पारदर्शिता और जवाबदेही का आईना हैं। अधिकारी सुनिश्चित करें कि डाटा अद्यतन और जमीनी हकीकत से मेल खाते हों। उन्होंने स्पष्ट किया कि लापरवाही से न सिर्फ विभाग की रैंकिंग गिरेगी, बल्कि जिले की छवि भी प्रभावित होगी। बैठक मे सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता, एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, पीडी एसएन चौरसिया, डीएसटीओ एकता श्रीवास्तव सहित सभी संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

कैसरगंज मुख्य बाजार स्थित हिंदू अंत्येष्टि स्थल के जीर्णोद्वार के लिए सांसद निधि से हुआ आवंटन

सामाजिक कार्यकर्ताओं और पत्रकारों के अनुरोध पर सांसद करण भूषण सिंह ने हिंदू अंत्येष्टि स्थल जीर्णोद्वार कराने की पहल

दशकों से अतिक्रमण का शिकार व उपेक्षित था कैसरगंज मुख्य बाजार स्थित एकमात्र हिंदू अंत्येष्टि स्थल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कैसरगंज, बहराइच। तहसील मुख्यालय पर स्थित कैसरगंज मुख्य बाजार का एकमात्र हिंदू अंत्येष्टि स्थल उपेक्षा का शिकार था, सामाजिक कार्यकर्ताओं व जागरूक कैसरगंज के स्थानीय निवासियों के कई बार अनुरोध व प्रयासों के बाद भी उक्त शमशान स्थल की दुर्दशा जस की तस बनी रही। आयी गयी सरकारों में कब्रिस्तानों के विकास के लिए बड़े बजट वाले बाउंड्री वाल इत्यादि के लिए लाखों रुपए पानी की तरफ बहायें गए लेकिन एक छोटे से निर्धारित बजट वाले जनआवश्यक हिंदू अंत्येष्टि स्थल के लिए किसी भी जनप्रतिनिधि ने कोई उचित कार्यवाही नहीं की। ऐसी स्थिति में आकस्मिक निधन होने के बाद हिंदू परिवारों को उनके शवदाह करने के लिए कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। कुछ वर्ष पूर्व कैसरगंज के सामाजिक कार्यकर्ताओं के द्वारा जन सहयोग से उक्त अंत्येष्टि स्थल के लिए एक छोटा सा प्रयास किया गया, लेकिन वह उस व्यवस्था में पूर्ण नहीं रहा । इसके बाद कैसरगंज क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ताओं व समाज के हर पहलुओं को ध्यान में रखने वाले जागरूक पत्रकारों ने नवनिर्वाचित कैसरगंज सांसद करण भूषण सिंह को इस समस्या से अवगत कराया, इसके बाद सांसद करण भूषण सिंह ने इसको संज्ञान में आते ही इसके यूपीसूडा द्वारा विकास के लिए तत्काल सहमति दे दी, उक्त सहमति प्रदान करने की स्थिति में यूपीसूडा के जूनियर इंजीनियर संजय कुमार द्वारा आज उक्त अंत्येष्टि स्थल की विकास के क्रम में समाजसेवियों व पत्रकारों के साथ पैमाइश भी कराई गई एवं स्थलीय सत्यापन किया गया। कैसरगंज के जनसामान्य द्वारा माननीय सांसद को कैसरगंज को इस बड़ी समस्या से निजात दिलाने के लिए धन्यवाद भी दिया गया। उक्त अंत्येष्टि स्थल के जीर्णोद्वार के लिए अनवरत प्रयासरत सामाजिक कार्यकर्ताओं में एलआईसी एमबी क्लब मेंबर विनोद जैन, उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के प्रदेश मंत्री मनोज सिंह, बालाजी समिति के बी.पी.मिश्रा, संजय सोनी, सेवा क्लब संस्थापक वी.पी. सिंह, पत्रकार आशुतोष सिंह, सत्यपाल मौर्य, रजीम अहमद, सुनील गुप्ता व सुनील कुमार आदि उपस्थित रहे।

गाज़ी मियां की दरगाह पर आखिरी चौथी की रसूमात के साथ ही प्रसिद्ध जेठ मेला सम्पन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । मशहूर सूफ़ी बुजुर्ग हजरत सैय्यद सालार मसूद गाज़ी (रह0) के आस्ताने पर जेठ माह में एक महीने तक चलने वाले प्रसिद्ध मेला जेठ के अन्तिम रविवार को पूर्व अपर महा अधिवक्ता एवं उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता सैय्यद हुसैन के नेतृत्व में दरगाह प्रबंध समिति के सदस्यों नें साहिबे आस्ताना की मजार पर फूल व चादर पेश क़र देश की उन्नति, विकास, खुश हाली और एकता व भाई चारगी की दुआँय मांग मेले के सकुशल सम्पन्न होने पर सुकराना अदा किया। आखिरी चौथी की सभी रसुमात के पूर्ण होने के साथ ही मेले का समापन हो गया। गौरतलब हो कि जिला प्रशासन द्वारा इस वर्ष मेला लगानें पर प्रतिबंध लगा दिया था जिसके विरोध में प्रबंध समिति नें उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर की थी न्यायालय नें अपने अंतरिम आदेश में कमर्शियल गतिविधियों पर रोक लगाने के साथ ही सीमित संख्या में मजार पर श्रद्धालुओं के आने जाने और अपने धार्मिक कार्यक्रमों को करने की आज्ञा प्रदान की थी। प्रबंध समिति नें आदेश के अनुपालन में झूला, सर्कस, अन्य खेल तमाशे और विशेष क़र मेले में लगने वाली एक भी दुकान को नहीं लगने दी। गाज़ी मियां की दरगाह पर आने वाले श्रद्धालू हर दिन हजारों की संख्या में मजार पर आकर अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित करतें रहे। मेला जेठ की आखिरी चौथी के अवसर पर दूर दराज़ क्षेत्रों सें आने वाले श्रद्धालुओं नें बड़ी संख्या में दरगाह पहुंचकर फातिहा ख्वानी क़र लोगों में लंगर वितरित किया और मजार शरीफ पर फूल व चादर पेश क़र अपनी मन्नतें मांगी। मेला जेठ की आखिरी चौथी पर आने वाले गाज़ी मियां के अकीदत मंदो को इस उमस भरी भीषण गर्मी में क़ोई परेशानी ना हों प्रबंध समिति की ओर सें साफ सफाई पानी आदि की बेहतर व्यवस्था की गई थी शांति व्यवस्था और भीड़ आदि को कंट्रोल करने के लिये जिला व पुलिस प्रशासन की ओर सें मजिस्ट्रेट की तैनाती के साथ ही भारी पुलिस बल को तैनात किया गया था।

मनरेगा के निर्माण कार्यों मे एक ही फोटो को एंगल बदलकर किया जा रहा अपलोड

परसिया रानी और बसभरिया में फर्जी मस्टर रोल पर एक दिन में काम कर रहे कही 41 तो कही 78श्रमिक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। जिले के विकासखंड कटरा बाजार के ग्राम पंचायतों में कराए जाने वाले मनरेगा निर्माण कार्य में पारदर्शिता लाने के लिए शासन प्रशासन के द्वा रा एनएमएमएस पोर्टल शुरू किया गया था। जिस के माध्यम से निर्माण कार्यों की लाइव फोटो और मस्टर रोल मे मजदूरों की उपस्तिथि सहित अन्य जानकारियां अपलोड करने के निर्देश पंचायतों को दिए गए है इसके बाद भी विकासखंड कटरा बाजा र के ग्राम पंचायत परसिया रानी और बसभरिया में कर्मचारियों द्वारा इस व्यवस्था के साथ भी खुलकर खिलवाड़ किया जा रहा है।इससे यह स्पष्ट है कि जिले के कटरा बाजार ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचाय तों में मनरेगा योजना में लूट मची हुई है।यहां की ग्राम पंचायत परसिया रानी और बसभरिया में तो प्रधान के रसूख और पद के नशे के चलते केंद्र सर कार की इस अति महत्वाकांक्षी योजना का बंटाधा र किया जा रहा है।एक दिन में कही 41 तो कही 78 श्रमिकों का मस्टर रोल तैयार कर सरकारी धन की न सिर्फ बंदरबांट की जा रही है,बल्कि योगी स रकार की मंशा पर भी पानी फ़ेरा जा रहा है।सूत्र बता रहें है कि जिले के कटरा बाजार ब्लॉक की ग्राम पंचायत का प्रधान खुद को बीजेपी विधायक और ब्लॉक प्रमुख का करीबी बताता है।जिससे कि वह सत्ता की हनक में वह अपना दबदबा क़ाय म कर क्षेत्र के लोगों के साथ ही अधिकारियों पर भी दबाव बनाने का काम करता है।यही वजह है कि उक्त ग्राम पंचायत में फर्जी मस्टर रोल तैयार कर मनरेगा योजना के तहत तालाब तालाब खुदाई व नाला सफाई का कार्य दिखाकर धन की बंदरबां ट की जा रही है।हद तो यह है कि यहां एक दिन मेंकही 41 तो कही 78 श्रमिकों की हाजिरी लगाई जा रही है,जबकि सूत्र बताते हैं कि धरातल पर सि र्फ नाम मात्र श्रमिक काम करते हैं।इस कारनामे को अंजाम देने के लिए सिर्फ प्रधान ही जिम्मेदार नहीं है,बल्कि ब्लॉक के जिम्मेदार अफसर ब्लॉक प्रमुख की भी इसमें बराबर की हिस्सेदारी है,जो कमीशन के चक्कर में अपना ईमान तक बेच देते हैं।फर्जी मस्टर रोल भर कर सरकारी धन की जम कर बंदरबाट की जा रही है।प्रधान ने गांव में सिर्फ कागजों में विकास की गंगा बहा दी है।बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए परसिया रानी और बसभ रिया प्रधान ने ऐसा जाल बुना कि जिले के विकास भवन में बैठे साहब भी भांप नहीं पाए।आरोप है कि ब्लॉक के बीडीओ ने मातहतों को लूट करने की खुली छूट दे रखी है।ब्लॉक के जिम्मेदार अधि कारी व कर्मचारी भी अपनी नौकरी को दांव पर लगा कर इस लूट में शामिल बताए जाते हैं।इससे स्पष्ट है कि सरपंच सचिव द्वारा अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से एक ही फोटो को बार-बार इस्तेमाल करके हेराफ़ेरी की जा रही है। साथ ही एनएमएमएस ऐप जो पारदर्शिता के लिए बनाया गया था,अब भ्रष्टाचार का जरिया बना लि या है।पंचायतों के निर्माण कार्य की मॉनीटरिंग करने वाले अधिकारी पोर्टल पर दर्ज फोटो व मस्ट र रोल की जांच नहीं करते।जबकि इस तरह का फ र्जीवाड़ा करने में सहयोग कर रहे है,जो प्रश्न चिन्ह है।सबूत होने के बाद भी जिला प्रशासन के अधि कारी कार्रवाई करने को तैयार नहीं हैं।जिससे भी गड़बड़ी करने वालों के हौसले बुलंद है और वह ल गातार मनरेगा योजना मे पलीता लगा रहे हैं।इस संबंध में डीसी मनरेगा जनार्दन यादव का कहना है कि मामले की जांच कराई जाएगी।

क्या कहती हैं सीडीओ

इस संबंध में सीडीओ अंकिता जैन ने बताया कि मामला गंभीर है।मनरेगा योजना के तहत कराए जा रहे कार्यों की जांच कराई जाएगी।जांचोपरांत सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि भ्रष्टा चार को लेकर सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति पर प्रशासन काम कर रहा है।

यूरिया खाद की कालाबाजारी पर भड़के किसान, भाकियू अराजनैतिक ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

गोला गोकर्णनाथ, लखीमपुर खीरी। जिले में यूरिया खाद की भारी कमी और बढ़ती कालाबाजारी को लेकर भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) ने आज मोर्चा खोल दिया। संगठन के जिला अध्यक्ष कुलवंत सिंह जोसन अपने पदाधिकारियों के साथ लखीमपुर खीरी स्थित डीएम कार्यालय पहुंचे और जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।ज्ञापन में जोसन ने आरोप लगाया कि जनपद में यूरिया खाद की भारी किल्लत है।

किसानों को दिनभर सहकारी समितियों (सोसाइटी) में बैठने के बाद भी खाद नहीं मिल रही, जबकि प्राइवेट दुकानों पर 266 रुपए की यूरिया की बोरी 350 से 400 रुपए तक बेची जा रही है।उन्होंने आशंका जताई कि इस कालाबाजारी में कृषि विभाग के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत भी हो सकती है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की समस्याओं को लेकर सजग नहीं दिख रही, जिससे किसानों में भारी नाराज़गी है।ज्ञापन सौंपने के दौरान संगठन के पदाधिकारी धर्मेश सक्सेना, संजय सिंह, मोहम्मद उस्मान, राहुल वर्मा और धर्मेंद्र कुमार भी मौजूद रहे।

मदरसे में फर्जी डिग्री पर नौकरी करने वाले के खिलाफ मंडलायुक्त ने दिए जांच के आदेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। जिले के एक मदरसे में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर 28 वर्षों से शिक्षक पद पर कार्यरत हो ने के सनसनीखेज मामले में मंडलायुक्त शशि भूष ण लाल सुशील ने कड़ी कार्रवाई करते हुए जांच के निर्देश दिए हैं।उन्होंने उप निदेशक पिछड़ा वर्ग क ल्याण को आदेशित किया है कि संबंधित शिक्षक मोहम्मद शहाबुद्दीन के शैक्षिक अभिलेखों की जांच कर साक्ष्य सहित दस दिवस के भीतर रिपोर्ट उपल ब्ध कराना सुनिश्चित करें।श्रीनगर बाबागंज क्षेत्र के ग्राम पूरे राजापुर निवासी अनवर खान ने कमिश्नर को एक शिकायती प्रार्थना पत्र सौंपा।प्रार्थना पत्र में उन्होंने आरोप लगाया कि ग्राम देवरिया अलावल बग्गी रोड स्थित मदरसा दारुल उलूम हबीबुर्रजा में तैनात शिक्षक मोहम्मद शहाबुद्दीन पिछले लगभग 28 वर्षों से फर्जी हाईस्कूल और इंटरमीडिएट अंक तालिकाओं व प्रमाण-पत्रों के आधार पर शिक्षणक र रहे हैं और इसी के जरिए वे अब तक वेतन अवै ध रूप से आहरित कर चुके हैं।शिकायतकर्ता अन वर खान ने बताया कि वर्ष 2024 में उन्होंने इस संबंध में जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को शिकायती पत्र दिया था और शिक्षक के प्रमाण पत्रों के सत्यापन की मांग की थी।लेकिन इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।इसके बाद शिकायत कर्ता ने जिलाधिकारी गोंडा व मुख्य विकास अधि कारी को भी पत्र सौंपा,लेकिन आरोप है कि संबंधि त शिक्षक की पत्रावली अब तक जिलाधिकारी को नहीं सौंपी गई है।यह मामला मंडलायुक्त देवीपाटन शशि भूषण लाल सुशील तक पहुंचा,तो उन्होंने इसे गंभीरता से लेते हुए उप निदेशक पिछड़ा वर्ग क ल्याण को शिकायती पत्र में दर्ज आरोपों की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का स्पष्ट निर्देश दिया है। उन्होंने पत्र में लिखा है कि यह मामला व्यक्तिगत रूप से देखा जाए और संलग्न तथ्यों की साक्ष्य सहित पुष्टि कर दस दिनों में रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए।

जनऔषधि केन्द्र पर सस्ते दामों मिलेंगी दवाएं: डॉ. कुंवर रितेश

दवा का वितरण करते हुए जन औषधि केंद्र के संचालक सचिन अवस्थी, सुगर, बीपी, कोलेस्ट्रॉल, थायराइड, हार्ट सम्बंधित मिल रही दवाएं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जरवल, बहराइच। भारतीय जन औषधि परियोजना के अन्तर्गत जरवल सीएचसी में भारतीय जन औषधि' केंद्र खुल गया हैं,जिससे मरीजों को सस्ते दामों पर दवाइयां मिलने लगी हैं।भारतीय जन औषधि परियोजना के अन्तर्गत मरीजों को सस्ते दामों पर दवा उपलब्ध कराने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मुस्तफाबाद में 'जन औषधि केंद्र' खोल दिया गया है। यहां पर मरीजों को बीपी, शुगर, कोलेस्ट्रॉल, थायराइड, हार्ट समेत अन्य दवाइयां बाजार से काफी कम कीमत पर उपलब्ध हैं।'जन औषधि केंद्र' चला रहे सचिन अवस्थी ने बताया कि केंद्र पर बीपी, शुगर, कोलेस्ट्रॉल, थायराइड, हार्ट से संबंधित दवाइयां बाजार से काफी कम कीमत पर उपलब्ध हैं। एम्लोडिपिन 5एमजी 04 रुपये,एटिनोलाल 50 एमजी 06 रुपये,लोसार्टन 25 एमजी 06 रुपये,एटोरवास्टिन 10एमजी 07 रुपये,क्लोपिडोग्रिल75 एमजी 15 रुपए की दर से उपलब्ध है। जन औषधि केंद्र पर मरीजों को 40 से 70 प्रतिशत कम दामों में दवाइयां मिल रही है।जन औषधि पर दवा खरीद रहे जयसिंहापुर के राम कुमार ने बताया कि बाजार की तुलना में सस्ते दरों पर यहां दवाइयां मिल रही हैं,इससे मरीजों की आर्थिक बचत भी हो रही है।

दस ग्राम स्मैक के साथ नेपाली तस्कर गिरफ्तार

नानपारा, बहराइच। भारत-नेपाल सीमा पर सशस्त्र सीमा बल और स्थानीय पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 10 ग्राम स्मैक के साथ नेपाली तस्कर गिरफ्तार। भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने और मादक पदार्थों की तस्करी पर कड़ी निगरानी रखने के उद्देश्य से कमांडेंट कैलाश चंद रमोला, 59वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के नेतृत्व में एक संयुक्त अभियान चलाया गया । इस अभियान में सीमा चौकी बलाईगांव के प्रभारी पलाश लूथरा, सहायक कमांडेंट और उनके टीम, स्थानीय पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई में भारत-नेपाल सीमा के बॉर्डर पिलर संख्या 664/7 के पास 10 ग्राम स्मैक के साथ एक नेपाली तस्कर को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार तस्कर की पहचान नेपाल के निवासी 28 वर्षीय सुभाष शाही के रूप में हुई है, जो भारत से नेपाल में तस्करी करने का प्रयास कर रहा था । उक्त अभियुक्त के खिलाफ संबंधित धारा के तहत कार्रवाई की गई और जब्त मादक पदार्थ को थाना मोतीपुर, जिला बहराइच को सुपुर्द कर दिया गया । सशस्त्र सीमा बल और स्थानीय पुलिस की यह संयुक्त कार्रवाई यह दर्शाती है कि सुरक्षा एजेंसियां सीमा सुरक्षा को लेकर कितनी गंभीरता से काम कर रही हैं । यह अभियान यह भी साबित करता है कि भारत-नेपाल सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ सतर्कता बढ़ाई जा रही है ।

घाघरा घाट पुल के ज्वाइंटर की मरम्मत कार्य शुरू,पुलिस तैनात

जरवल, बहराइच। लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित घाघरा नदी पर बने पुल के ज्वाइंटर मे दरार आने के बाद, जॉइंटर की मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया गया। जाम न लगे इसके लिए बहराइच पुलिस की ड्यूटी लगाई गई है। वाहनों को वन वे कर के निकाला जा रहा है।बहराइच लखनऊ हाइवे पर घाघराघाट पुल के ज्वाइंटर की मरम्मत मंगलवार को शुरू कर दिया गया है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने मंगलवार 17 जून से पुल के ज्वाइंटर का मरम्मत कार्य शुरू कर दिया है। मरम्मत कार्य के दौरान यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरवलरोड पुलिस को लगाया गया है। पुल के दोनों तरफ वाहनों को वन वे करके निकाला जा रहा है। प्रभारी निरीक्षक जरवलरोड संतोष कुमार सिंह ने बताया बताया कि पुल की मरम्मत के चलते सुरक्षा के लिए पुलिस को तैनात किया गया है। वाहनों को वन वे करके निकाला जा रहा है,जिससे पुल पर जाम न लगे। वही पुल मरम्मत के चलते भारी वाहनों को का मार्ग डायवर्ट किया गया है। बहराइच की तरफ से आने वाले भारी वाहनों को चहलारी घाट होते हुए लखनऊ की तरफ निकाला जा रहा है। वही गोंडा की तरफ से आने वाले भारी वाहनों को अयोध्या की तरफ डायवर्ट किया गया है।

आरटीओ प्रशासन समेत चार अधिकारियों का तबादला राजेश मौर्य बने नए आरटीओ प्रशासन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। जिले के परिवहन विभाग में शासन स्तर पर बड़ा प्रशासनिक फ़ेरबदल किया गया है। आरटीओ प्रशासन उमाशंकर यादव को गोंडा से हटाकर लख नऊ मुख्यालय भेजा गया है।उनकी जगह प्रयागरा ज में तैनात आरटीओ प्रशासन राजेश मौर्य को गों डा की नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।यात्री कर अधि कारी शैलेन्द्र कुमार तिवारी का तबादला सुल्तान पुर किया गया है।वहीं तीन वरिष्ठ सहायकों को भी नई तैनाती दी गई है।इनमें सरफराज अहमद को लखनऊ ट्रांसपोर्ट कार्यालय,जितेंद्र सिंह को सुल्ता नपुर और लवकुश सिंह को अयोध्या आरटीओ का र्यालय भेजा गया है।इन तीनों लिपिकों के खिलाफ शिकायतें प्राप्त हो रही थीं और उनकी तैनाती अव धि भी पूर्ण हो चुकी थी।तबादलों के बाद गोंडा आ रटीओ कार्यालय में अब केवल आठ लिपिक बचे हैं।इनमें से एक वरिष्ठ सहायक विद्या भूषण गुप्ता आरसी फर्जीवाड़े के मामले में निलंबित चल रहे हैं, जबकि वरिष्ठ लिपिक सभाजीत वर्तमान में बस्ती आरटीओ कार्यालय से संबद्ध हैं।गोंडा के एआरटी ओ आरसी भारतीय ने बताया कि नवनियुक्त अधि कारियों ने अब तक कार्यभार नहीं संभाला है।साथ ही,यात्री कर अधिकारी का पद अभी भी रिक्त है। विभाग में कर्मचारियों की कमी होने के कारण का र्यालय के कामकाज और फाइलों के निस्तारण पर प्रतिकूल असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है।नवीन आरटीओ प्रशासन राजेश मौर्य पूर्व में भी गोंडा में एआरटीओ के पद पर कार्य कर चुके हैं। उनकी वापसी से उम्मीद की जा रही चुके है कि विभाग में कुछ हद तक स्थायित्व और गति आ सकेगी।

खराब सड़क को लेकर छात्र पंचायत का अनोखा प्रदर्शन

अव्यवस्था से गुस्साये ग्रामीणों ने सड़क पर धान रोपकर जताया विरोध

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। जिले की मेहनौन विधानसभा क्षेत्र की सबसे जर्जर सड़कों में से एक बाबागंज-इटियाथोक मार्ग को लेकर युवाओं का गुस्सा सड़क पर फूट पड़ा,रा ष्ट्रीय छात्र पंचायत के नेतृत्व में सोमवार को सैकड़ोंयुवाओं ने रमवापुर चौराहे पर गड्डों से भरी सड़क में धान की रोपाई कर विरोध दर्ज कराया है।स्थानी य लोगों का कहना है कि बीजेपी विधायक के प्रया सों से इस सड़क की तीन बार स्वीकृति मिल चुकी है,लेकिन हर बार टेंडर प्रक्रिया में अड़चनें डालकर उसे निरस्त कर दिया जाता है।जनप्रतिनिधियों औ र अधिकारियों के बीच चल रही खींचतान के कार ण पिछले तीन वर्षों से सड़क निर्माण अधर में लट का है।बॉक्स राशन नहीं,सड़क चाहिए' के लगे नारेप्रदर्शन के दौरान युवाओं ने ह्लराशन नहीं सड़क चा हिए'' और ''भ्रष्टाचार बंद करोह्व जैसे नारों से अफस रशाही और सिस्टम को घेरा।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि अधिकारी सड़क बनाने से ज्यादा कमीशन खाने में रुचि रखते हैं।राष्ट्रीय छात्र पंचाय त के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवम पांडेय ने कहा कि बीस किलोमीटर लंबी यह सड़क बरसात के बाद पूरी त रह तालाब में तब्दील हो गई है।पिछले 11 वर्षों से स्थानीय लोग इसी बदहाल रास्ते पर चलने को मज बूर हैं।बॉक्स सड़क पर चलने में डर लगता है,लौटूंगा या नहीं'स्थानीय निवासी उमंग मिश्रा और अमित सिंह ने कहा कि हालत इतनी खराब है कि बाजार जाते वक्त यही डर बना रहता है कि लौटकर घर सही सलामत आ पाऊंगा या नहीं।सड़क पूरी तरह खेत में बदल चुकी है,गड्ढे अब गायब हो चुके हैं।वही प्रद र्शन में रंजीत पांडेय,दीनानाथ वर्मा, राजेश मौर्या समेत कई छात्र और स्थानीय लोग शामिल रहे। सभी की मांग थी कि जल्द से जल्द सड़क निर्माण कार्य शुरू कराया जाए, वरना यह आंदोलन उग्ररू प ले सकता है।

डा. हैनीमेन चैरिटेबल ट्रस्ट के जिला अध्यक्ष बने डॉक्टर चेतन आनंद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कैसरगंज, बहराइच। जनपद के नगर पंचायत जरवल के निवासी डॉक्टर चेतन आनंद को डॉक्टर हैनीमैन चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन द्वारा जनपदीय शाखा बहराइच ट्रस्ट का जिलाध्यक्ष के द्वारा मनोनीत किया। ट्रस्ट के चेयरमैन द्वारा डॉक्टर चेतन आनंद का होम्योपैथी के प्रचार प्रसार को देखते हुए उनको यह दायित्व दिया गया है , डॉक्टर चेतन आनंद होम्योपैथी से अच्छी रुचि रखते हैं और जीवाजी कॉलेज ग्वालियर से बी.एच.एम.एस. की उपाधि प्राप्त की है। उनके इस अध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर डॉक्टर प्रमोद मौर्या , डॉक्टर सौरभ गुप्ता ने उन्हें बधाई दी और खुशी जताई कि होमियोपैथ का प्रचार प्रसार में बढ़ावा मिलेगा ।

मिहीपुरवा में 15 कुंतल प्रतिबंधित थाई मांगुर मछली बरामद

बहराइच । प्रतिबंधित थाई मांगुर मछली के व्यापार को रोकने एवं विभिन्न माध्यमों से मिल रही शिकायतों पर जिलाधिकारी मोनिका रानी द्वारा प्राप्त निर्देश के क्रम में मत्स्य विभाग व पुलिस की संयुक्त टीमें गठित की गई हैं। इसी क्रम में सहायक निदेशक मत्स्य बहराइच डा जितेंद्र कुमार शुक्ल के नेतृत्व में जलिम नागर पुल के पास सुबह 3 बजे चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस शक की बिना पर एक पिकप को रोक कर तलाशी ली गई। इस दौरान पिकप से 2 लाख कीमत की 15 कुंतल प्रतिबंधित थाई मांगुर मछली बरामद हुई। पिकप चालक ने बताया कि वह उक्त मछली को उत्तराखंड से लाया है और नानपारा ले जा रहा है। इस पर पकड़ी गई प्रतिबंधित थाई मांगुर मछली को गड्ढा खुदवाकर नामक डालकर बिनिस्टिकरण करा दिया गया, जिसकी फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी भी कराई गई। सहायक निदेशक मत्स्य ने बताया कि ग्रीन ट्रिब्यूनल और भारत सरकार ने वर्ष 2000 में विदेशी थाई मांगुर मछली को प्रतिबंधित कर दिया था। उन्होंने बताया कि इस मछली के खाने से कैंसर, डायबिटीज, हृदय रोग जैसी बीमारियां जनित होती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि प्रतिबंधित मछली विक्रेताओं की सूचना यदि किसी को मिलती है तो वह विभाग को सूचित करे। उसका नाम गोपनीय रहेगा। इस कार्यवाही में कृष्ण कुमार सिंह उप निरीक्षक, राहुल गुप्ता उप निरीक्षक, सूरज सिंह, चद्रकांत एवं मत्स्य विभाग के कर्मी शामिल रहे।

कांग्रेस ने सदर विधानसभा में किया संविधान बचाओ सम्मेलन का आयोजन

सदर विधानसभा प्रभारी शादाब खान एडवोकेट द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जुटे दिग्गज कांग्रेसी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा । कंाग्रेस पार्टी द्वारा संपूर्णानंद टाउन हाल में सदर विधानसभा का संविधान बचाओ सम्मेलन का आयोजित किया गया।कार्यक्रम के सदर विधा नसभा प्रभारी शादाब खान व मुख्य अतिथि शहर कोऑर्डिनेटर कुलदीप चौधरी रहे।अध्यक्षता जिलाध्यक्ष पूर्व विधायक राम प्रताप सिंह ने की।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि शहर कोऑर्डिनेटर कुलदीप चौधरी ने कहा कि जिस तरीके से दलितों,महिलाओं और कमजोर तबके पर अत्याचार बढ़ा है, ऐसा कभी नहीं हुआ। सरकार लोकतंत्र का गला घोंटने का काम कर रही है और संविधान को समाप्त करना चाहती है, लेकिन उसकी इस सोच, मंसूबे को कंाग्रेस कभी कामयाब नहीं होने देगी।कंाग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के पूर्व जिलाध्यक्ष जैनुल आब्दीन खान ने प्रदेश सरकार के नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि संविधान की रक्षा की गारंटी कंाग्रेस पार्टी ने ली है। हम सबकी जिम्मेदारी है कि इस मुहिम में कंधे से कंधा मिलाकर चलें। उन्होंने कहा कि भाजपा संविधान को खत्म कर मनु स्मृति को स्थापित करना चाहती है लेकिन राहुल गांधी, प्रियंका गांधी के नेतृत्व में कंाग्रेस पार्टी ऐसा हरगिज नहीं होने देगी। इसके लिए चाहे जो कुर्बानी देनी पड़े। पूर्व कंाग्रेस जिलाध्यक्ष प्रमोद मिश्र ने अपने संबोधन की शुरूआत इन पंक्तियों से की। उन्होंने कहा कि 'होरी के घर मस्ती आए चाह यही है, निर्भय हो किसान मुस्काए चाह यही है, आम आदमी बुलडोजर की इस कुश्ती में, लोकतंत्र विजयी हो जाए चाह यही है।' प्रमोद मिश्रा ने आगे कहा कि वर्तमान सरकार कदम-कदम पर संविधान का मखौल उड़ा रही है। किसान के रास्ते में कंक्रीट की दीवार और भाले गाड़े जा रहे हैं।

नौजवान को नौकरी मांगने पर लाठी मिलती है। दलितों को अपमानित करने के साथ ही महिलाओं पर अत्याचार हो रहा है। जीरो टॉलरेंस की बात करने वाली सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। अपने अध्यक्षीय उदबोधन में कंाग्रेस जिलाध्यक्ष पूर्व विधायक राम प्रताप सिंह ने कहा कि विधायक, सांसद सभी कमीशनखोरी में व्यस्त हैं। जनता त्राहिमाम कर रही है।कंाग्रेस पार्टी और उसके नेता राहुल गांधी सड़क से लेकर संसद तक जनता की आवाज उठा रहे हैं।कमीशन तय न होने पर मंत्री, विधायक टेंडर निरस्त करवा रहे हैं और सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की बात कर रही है। उन्होंने कहा कि संविधान की रक्षा करना सिर्फ कंाग्रेस की ही जिम्मेदारी नहीं है बल्कि हम सभी को भी अपनी जिम्मेदारियों का अहसास करना होगा। कार्यक्रम को प्रमुख रूप से शहर अध्यक्ष शाहिद अली कुरेशी, सेवादल अध्यक्ष प्रद्युम्न शुक्ला, अल्पसंख्यक कंाग्रेस अध्यक्ष सगीर खान, हनुमान प्रसाद, युवा कंाग्रेस के प्रदेश सचिव अभिषेक तिवारी नीरज, इरशाद हुसैन आदि ने भी सम्बोधित किया।इस अवसर पर शिवकुमार दुबे, कार्यक्रम के आयोजक सदर विधानसभा प्रभारी शादाब खान एडवोकेट, बेबी मिश्रा, आशा मिश्रा एडवोकेट, सुभाष पांडेय एडवोकेट, संतोष ओझा एडवोकेट, सैयद महबूब अहमद एडवोकेट, अरविंद शुक्ला, अविनाश मिश्रा, वाजिद अली, अजय रस्तोगी, केटी तिवारी, राम सिंह, राकेश सिंह राणा सहित तमाम कंाग्रेस जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अब्दुल मुजीब ने किया।

डीएम ने निर्माणाधीन गौशाला की परखी गुणवत्ता

तहसील में बाढ़ कक्ष का किया निरीक्षण दिए आवश्यक निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत हरसिंहपुर में निर्माणाधीन गौशाला का औचक निरीक्षण किया है।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गौशाला को मॉडल गौशाला बनाने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को अवशेष कार्यों को पूर्ण कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान गौशाला में विद्युत कनेक्शन कराने हेतु निर्देशित किया। इसके साथ ही गौशाला में मिट्टी का कार्य कराते हुए समतलीकरण का कार्य कराया जाये। इसके साथ ही गौशाला को हैण्डओवर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता में गोवंश का संरक्षण कराना है।इसके उपरान्त उन्होंने तहसील परिसर में बाढ़ कक्ष का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बाढ़ से बचाव हेतु की गई तैयारियों तथा लगाए गए अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी के सम्बन्ध में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने बाढ़ से प्रभावित ग्रामों एवं प्रधानों के सम्बन्ध में जानकारी ली। इस मौके पर अजीत प्रताप सिंह उप जिलाधिकारी, एजाज अहमद अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे हैं।

दुधवा टाइगर रिजर्व पर्यटकों के लिए पांच माह तक बंद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अब नवंबर में होगा बाघों का दीदार

पीलीभीत। देश और दुनिया में मशहूर मिनी गोवा के नाम से चुका स्पॉट अब बंद हो गया है।जंगल की बेहद खूबसूरती और बाघों की निराली दुनिया से सुर्खियों में रहने वाले पीलीभीत टाइगर रिजर्व रविवार शाम से पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया।जंगल के राजा और दुर्लभ जीवों का दीदार करने का मौका अब पांच महीने बाद मिलेगा।अब यह चूक 15 नवंबर को दोबारा खुलेगा।सीजन के आखिरी दिन जंगल सफारी का लुत्फ उठाने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचे।किसी ने कैमरे में बाघ की झलक कैद की तो कोई हाथी की झुंड देख रोमांचित हो उठा।

दुधवा टाइगर रिजर्व में हर साल 15 नवंबर से 15 जून तक पर्यटन सीजन चलता है।भारी संख्या देश-विदेश से यहां पर्यटक पहुंचते हैं।इस बार भी दुधवा और किशनपुर रेंज में पर्यटकों को बाघ,गैंडा,हाथी,पाढ़ा,बारहसिंगा,अजगर और भालू तक का पर्यटकों ने खूब दीदार किया।खास बात यह रही कि इस बार पर्यटकों को रेड कोरल जैसे बेहद दुर्लभ सांप भी देखने को मिले।

पिछले सालों की तुलना में इस बार मौसम ने भी खूब साथ दिया।बारिश या अन्य कारणों से एक भी दिन पार्क बंद नहीं करना पड़ा।पार्क प्रशासन ने व्यवस्था बेहतर बनाए रखी और भ्रमण के लिए आने वाले पर्यटकों को सुगमता से सफारी का मौका मिला।शनिवार को पर्यटकों को अंतिम सफारी कराई गई।रविवार शाम को पार्क के सभी द्वार बंद कर दिए गए हैं। अब यह 15 नवंबर को ही खुलेगा।

अंतिम सप्ताह में पर्यटकों की संख्या में बेहद बढ़ोतरी देखी गयी।स्कूली बच्चों के साथ-साथ परिवार और प्रकृति प्रेमी जंगल सफारी का भरपूर आनंद उठाते हुए नजर आए। कई पर्यटकों को खुले में बाघ टहलते और भालू क्रीड़ा करते दिखे। वन्यजीवों को पास से देखने का अनुभव पर्यटकों के लिए अविस्मरणीय बन गया।

15 जून से 15 नवंबर तक दुधवा रिजर्व बंद रहेगा।इस दौरान मानसून की वजह से जंगलों में हरियाली और दलदली इलाकों की वृद्धि होती है, जिससे पर्यटक सफारी नहीं कर सकते। साथ ही यह समय वन्यजीवों के प्राकृतिक जीवन में खलल न पहुंचाने के लिए भी बेहद अहम माना जाता है।

जेल गये बजरंग दल के कार्यकर्ता पर मेडिकल संचालक को धमकाने का आरोप

पूरनपुर (कैनविज टाइम्स संवाददाता)। आठ दिन बीत जाने के बाद बजरंग दल के कार्यकर्ता जीत सिंह पर कोतवाली रोड पर स्थित मेडिकल स्टोर संचालक सलमान के पिता मोहम्मद सईद खान पुत्र अजायब खान निवासी सिरसा ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र मे गम्भीर आरोप लगाते हुए कहा कि जीत सिंह अपने चार पांच साथियों के साथ अक्सर उसके मेडिकल स्टोर से फ्री में दवाई ले जाता था। जब इस बात का विरोध किया तो उसने मेरे साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। जिससे मैं डर गया पुलिस ने जॉच कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए हैं।

जटपुरा खेत से लापता युवक जंगल में बधा मिला

पूरनपुर(कैनविज टाइम्स संवाददाता)। कोतवाली क्षेत्र के गांव जटपुरा का रहने वाला एजाज पुत्र छोटे शाह गुरुवार की रात जंगल के किनारे अपने गन्ने की सिंचाई करने गया था। शुक्रवार सुबह एजाज के घर न लौटने पर परिजन उसे देखने खेत पर पहुंचे। एजाज शाह खेत पर नहीं मिला। परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताते हुए पड़ोसी खेत स्वामी के खिलाफ तहरीर दी थी। उसके बाद ग्रामीण और वन विभाग की टीम ने खेत के अलावा जंगल में युवक को खोजा लेकिन उसका पता नहीं चल सका था। शनिवार की सुबह वनकर्मी ने परिजनों को फोन पर सूचना दी कि हरीपुर के जंगल में मुख्य मार्ग के किनारे एजाज शाह पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही परिजन पहुंच गए। इस दौरान एजाज शाह बेहोशी अवस्था में पड़ा हुआ था। उसके कपड़ों से हाथ पर बंधे हुए थे। परिजन उसे लेकर सीएचसी पहुंचे थे। जहां डॉक्टर ने उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया था। मंगलवार दोपहर एक बजे परिजनों ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस ने एजाज़ के बयान दर्ज करने के बाद भी कौई कार्रवाई नही की है। जबकि आरोपियों के खिलाफ नामजद तहरीर पुलिस को दी गई थी। पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लेकर छोड़ दिया है इस बात की चर्चा गांव में हो रही है।

अवैध रेत का खनन वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

पूरनपुर(कैनविज टाइम्स संवाददाता)। तहसील क्षेत्र के हजारा थाना के गांव नहरोसा में शारदा नदी से रात के अधेरे में रेत खनन कर गांव में ही स्कूल के पास में ढेर लगाया जा रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद अवैध रेत खनन को लेकर क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है और अवैध खनन को लेकर प्रशासन भी सक्रिय नहीं दिख रहा है। जिसके चलते खनन माफियाओं के होसले बुलंद हैं और बेधड़क होकर खनन का कारोबार कर रहे हैं।जिसका वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रहा है।

नाम बदलकर कर ली दूसरी शादी मुकदमा दर्ज

पूरनपुर(कैनविज टाइम्स संवाददाता)। बिलसंडा थाना क्षेत्र के गांव मार की रहने वाली गरिमा अवस्थी का विवाह 17 जून 2016 को सेहरामऊ थाना क्षेत्र के गांव हमीरपुर निवासी सौरभ शुक्ला के साथ हुआ था। शादी के कुछ दिन बाद ही पति सौरभ के अलावा ससुर श्रीकांत शुक्ला, सास वंदना शुक्ला दहेज के लिए उसे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगे। दहेज न मिलने पर जान से मारकर दूसरा विवाह करने की धमकी दी गई। 9 मई 2021 को ससुरालियों ने उसे पीटकर घर से निकाल दिया था। तब से वह अपनी बेटी के साथ मायके में ही रह रही है। मामले में पति, ससुर और सास के खिलाफ न्यायालय में मुकदमा बिचाराधीन है। 29 अप्रैल 2025 को पति सौरभ शुक्ला ने शाहजहांपुर जनपद के थाना पुवाया के गांव सिरकड़ी की रहने वाली पंछी देवी से अपना नाम पवन मिश्रा रखकर दूसरा विवाह कर लिया। विवाह में सास, ससुर के अलावा पंछी देवी के पिता सुरेश चंद्र दीक्षित, रिश्तेदार दुष्यंत मिश्रा, पवन मिश्रा, शितेश तिवारी का पूरा सहयोग रहा। जानकारी लगने के बाद विवाहिता अपने पिता के साथ ससुराल पहुंची। इस पर पति, सास, ससुर और पंछी देवी ने उसके साथ गाली गलौज की। विरोध करने पर उसके पिता अरविंद अवस्थी को जान से मारने की धमकी दी। मामले में 3 जून 2025 को थाने में शिकायत की गई की गई थी लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। एसपी के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया हैं।

टेंपो पलटने से एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल

पूरनपुर(कैनविज टाइम्स संवाददाता)।। कोतवाली क्षेत्र के गांव जेठापुर कला की रहने वाली मालती, राम बेटी, रूबी, प्रेमलता, माया, सेजल, पूनम व पूनम की बहन लीलावती, राजीव और छोटी सहित लगभग टेंपो में 15 लोग सवार थे।धान की रोपाई कर सभी लोग कढैर चौरा से टेंपो में सवार होकर घर बापस जेठापुर कला लौट रहे थे। तभी अनियंत्रित होकर टेंपो हाइवे पर पलट गया। टेंपो में सवार सभी लोग घायल हो गए। जिसमें राजीव पुत्र राजपाल गंभीर रूप से घायल हो गया जिससे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टर ने उपचार के बाद राजीव को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल आरसेटी सेंटर ने मशरूम का प्रारंभ किया प्रशिक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। विकास भवन में स्थित बड़ौदा स्वरोजगार संस्थान आरसेटी पीलीभीत द्वारा मरौरी ब्लॉक के गांव सिसईया में मशरूम उत्पादन का एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया।यह कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं और स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान आरसेटी के निदेशक रवि कुमार द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया है।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मशरूम उत्पादन एक लाभदायक कृषि उद्यम है।जिसमें कम लागत और कम जगह में अच्छी कमाई की जा सकती है।यह प्रशिक्षण कार्यक्रम युवाओं को न केवल मशरूम उगाने की तकनीकी एवं जानकारी प्रदान करेगा साथ ही बल्कि उन्हें बाजार से जोड़ने और अपने उत्पादों की बिक्री करने में भी सहायता करेगा।निदेशक आरसेटी ने बताया कि यह 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम है। जिसमें 35 प्रशिक्षु भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षुओं को मशरूम की विभिन्न किस्मों, कम्पोस्ट तैयार करने,बीज बोने,रखरखाव,कटाई और विपणन की पूरी प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाएगा। प्रशिक्षण पूरी तरह से निःशुल्क है।और इसमें भोजन एवं नाश्ते की सुविधा भी प्रदान की जा रही है।

आरसेटी का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों में कौशल विकास के माध्यम से गरीबी उन्मूलन और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।जो ग्रामीण युवाओं को उद्यमी बनने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मदद करेगा।प्रशिक्षण के सफल समापन के बाद, आरसेटी प्रशिक्षुओं को बैंकों से ऋण प्राप्त करने और अपना स्वयं का मशरूम उत्पादन व्यवसाय शुरू करने में सहायता प्रदान करेगा। इस अवसर पर आरसेटी की सीनियर फैकल्टी फ़िज़ा खानम,वित्तीय साक्षरता एवं ऋण परामर्श दाता जगदीश कुमार उपस्थित रहे हैं।

जिलाधिकारी ने किसान सहकारी चीनी मिल का किया निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने दि किसान सहकारी चीनी मिल पूरनपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चीनी मिल में चल रहे मरम्मत एवं अनुरक्षण कार्यों को देखा एवं समय से समस्त मरम्मत कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अवगत कराया गया कि वर्तमान मे चीनी मिल मे दिसमेन्टलिंग का कार्य पूरा कर लिया गया है। निरीक्षण के समय चीनी मिल हेतु जो सामान बाहर से आना है उनके सम्बन्ध में जानकारी ली हैं।उक्त के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि उक्त सामान हेतु आर्डर जारी किये जा चुके है। चीनी मिल को समय से चलाने हेतु कार्य प्रगति पर है।निरीक्षण के दौरान जिला गन्ना अधिकारी ने अवगत कराया कि पिछले वर्ष चीनी मिल 05 दिसम्बर 2024 को संचालित की गई थी तथा चीनी मिल द्वारा 16.22 लाख कुं गन्ना पेराई की गयी एवं 28 फरवरी 2025 को चीनी मिल अपने आवंटित क्षेत्र का गन्ना पेरने के बाद बंद हुई। जिलाधिकारी ने चीनी मिल के संचालक मण्डल से चीनी मिल को बेहतर तरीके से संचालक किये जाने पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि गन्ना किसानों के हित सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि किसानो को गन्ना क्रय केन्द्रो एवं मिल गेट पर बेहतर सुविधाएं दी जाये।निरीक्षण के दौरान अजीत प्रताप सिंह उप जिलाधिकारी पूरनपुर,आर के भार्गव जिला गन्ना अधिकारी, प्रधान प्रबंधक,मुख्य अभियंता, मुख्य गन्ना अधिकारी व अन्य उपस्थित रहे हैं।

इंटर कालेज को इंग्लिश मीडियम की मिली मान्यता

जयसिंहपुर/सुल्तानपुर। श्री आद्याशंकर मिश्र मेमोरियल राजू पब्लिक इंटर कॉलेज, गदनपुर धूंधूं को शासन द्वारा कक्षा छह से 12 तक इंग्लिश मीडियम की मान्यता प्राप्त हुई है। कालेज को हाईस्कूल स्तर पर सभी विषय व इंटर स्तर पर आर्ट व साइंस वर्ग के साथ कालेज को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा हिंदी मीडियम की मान्यता पहले ही मिल चुकी थी। अब इसी वर्ग व विषय में इंग्लिश मीडियम की मान्यता मिलने पर मंगलवार को कालेज में बैठक कर खुशी का इजहार किया गया। प्रधानाचार्य विभूति दुबे ने कॉलेज की इस उपलब्धि पर प्रबंधक नवनीत मिश्र का आभार जताया। उन्होंने कहा कि इंग्लिश मीडियम की मान्यता मिलने से बच्चों के साथ अभिभावकों व क्षेत्रीय लोगों में खुशी का माहौल है। ग्राम प्रधान सहाबुद्दीन ने कहा कि हमारे क्षेत्र में इंग्लिश मीडियम स्कूलों की कमी थी राजू पब्लिक इंटर कालेज में इंग्लिश मीडियम की मान्यता होने से क्षेत्र के बच्चों को बेहतर पढ़ाई का अवसर मिलेगा। इससे क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

आईएएस की नौकरी दिलाने के नाम पर 38 लाख की ठगी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अधिवक्ता समेत सात के खिलाफ केस दर्ज, भारत सरकार की सरकारी मुहर लगाकर दिया था ज्वाइनिंग लेटर,पिता पुत्र हैं इस केस के मास्टर माइंड, अधिवक्ता बजरंग द्विवेदी बैंक के है विधिक सलाहकार व बार एसोसिएशन के सदस्य

बजरंग द्विवेदी

प्रणव द्विवेदी

सुल्तानपुर। आईएएस की नौकरी दिलाने का झांसा देकर 38 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। एसपी ने शिकायत की जांच कराकर करीब दस दिन बाद नगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है।

मामला कोतवाली नगर के लक्ष्मणपुर मोहल्ले के निवासी प्रांजल त्रिपाठी ने आईएएस की परीक्षा का ई एडमिट कार्ड देने, इंटरव्यू शैडयूल व ज्वाइनिंग लेटर आदि देने का आरोप थाना कूरेभार के पिपरी साईं नाथपुर निवासी प्रणव दुबे व इनके पिता अधिवक्ता बजरंग द्विवेदी, मनीष दुबे, आशीष दुबे, राज मिश्रा, श्रेयांश अग्रहरि व पराग डेयरी विकास भवन के दीपक पटेल पर लगाया था। सभी कागजात कूट रचित नकली थे। नौकरी के एवज में करीब 38 लाख रु आनलाइन खाते में लिए जाने की बात पीड़ित ने कही थी। जिस पर एसपी कुंवर अनुपम सिंह ने विस्तृत जांच कराई। विदित रहे मुख्य आरोपी बजरंग द्विवेदी अधिवक्ता होने के साथ ही बार एसोसिएशन की कार्यकारिणी के सदस्य व दो दो बैंको के विधिक सलाहकार है। आगे गहनता से जांच हुई तो इन आरोपियों के और भी कारनामे सामने आ सकते है। आरोपों की पुष्टि होने पर सीओ नगर प्रशांत सिंह ने नगर कोतवाल को मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया। तहरीर के अनुसार नगर कोतवाल धीरज कुमार ने सभी आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी, कूटरचित दस्तावेज तैयार करने और धमकी देने समेत कई गंभीर धाराओ में मुकदमा दर्ज कर लिया गया हैं। नगर कोतवाल धीरज कुमार ने मुकदमा दर्ज होने की पुष्टि की है। आरोपियों की तलाश सरगर्मी से की जा रही है। अपर पुलिस अधीक्षक अखंड प्रताप सिंह ने बताया कि कोतवाली नगर में एक व्यक्ति की तहरीर पर आईएएस बनाने के नाम पर 38 लाख की ठगी का मुकदमा दर्ज हुआ है। इसमें विवेचना प्रचलित है। प्रथम दृश्या मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। बाकी इसमें जो भी साक्ष्य मिलेंगे उसके हिसाब से कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा है कि कोई गिरोह शामिल है ऐसा प्रतीत हो रहा है।

सर्राफा की दुकान से जेवरात चोरी करने वाला शातिर चोर गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। थाना इन्हौना पुलिस एवं स्वाट सर्विलांस टीम द्वारा ज्वैलरी की दुकान से ज्वैलरी देखने के बहाने चोरी करने वाला अन्तर्जनपदीय शातिर चोर गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है जिसके कब्जे से सत्तावन ग्राम जेवर व पिघली हुई पीली धातु बरामद किया है जिसकी कीमत लगभग साढ़े पांच लाख रुपया बताई जाती है।क्षेत्र के कस्बा इन्हौना निवासी योगेश गुप्ता ने बीती बारह जून को थाना इन्हौना पर लिखित सूचना दी गयी कि ग्यारह जून को शाम करीब आठ बजे एक व्यक्ति उनकी दुकान पर ज्वैलरी खरीदने आया था एवं तीन लाख पचास हजार रुपये की ज्वैलरी खरीदकर रख दिया तथा रुपये लाकर सामान ले जाने की बात कहकर रुपये लेने चला गया।रुपये लेने जाते समय चेन जेब में रखकर चला गया तथा वापस नहीं आया बाकी सामान दुकान पर रखा है।उक्त सूचना पर थाना इन्हौना पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद मुकदमा दर्ज किया था।थाना इन्हौना एवं स्वाट/सर्विलांस की संयुक्त टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि इन्हौना में ज्वैलरी की दुकान में चोरी करने वाला व्यक्ति जो सीसीटीवी फुटेज में व्यक्ति दिखाई दे रहा है वह थाना क्षेत्र में ही मौजूद है।मुखबिर की सूचना पर थाना इन्हौना एवं स्वाट सर्विलांस की संयुक्त टीम द्वारा मुखबिर के बताये गये स्थान पर पहुंच कर सीसीटीवी फुटेज से पहचान कर एक व्यक्ति को पकड़ लिया गया। पुलिस द्वारा की गई पूंछतांछ में पकड़े गये व्यक्ति ने अपना नाम सौरभ सिंह पुत्र सुरेश सिंह निवासी ग्राम दियरा बाजार थाना मोतीगरपुर जनपद सुलतानपुर हाल पता सेक्टर बारह राहुल विहार कालोनी द्वितीय प्लाट नम्बर के ए 391एस एफ वन थाना विजयनगर जनपद गाजियाबाद बताया। युवक के पास से बरामद बैग की तलाशी लेने पर उसमें सफ़ेद प्लास्टिक की छह पन्नियों में पीली धातु बरामद हुई, जिसके संबंध में पूछने पर बताया कि उसने विभिन्न जनपदों से ज्वैलरी की दुकानों से सोने के गहने जिसमें ज्यादातर सोने की चेन चोरी की है जिन्हें लखनऊ के टंच मार्केट में जाकर पिघलाकर रख लिया है। बरामद उक्त पन्नियों में रखी पीली धातु का वजन करने पर कुल 57.35 ग्राम पाया गया। पुलिस टीम द्वारा पकड़े गये युवक ने पहली पन्नी में रखी पीली धातु इन्हौना बाजार से एक ज्वैलरी की दुकान के साथ ही अमेठी, प्रतापगढ़, गोण्डा कोतवाली नगर, बस्ती और छठवीं पन्नी में रखी पीली धातु बाराबंकी की एक ज्वैलरी की दुकान से चोरी किया था।इस सम्बंध में थानाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने बताया कि गिरफ्तार युवक एक शातिर चोर है जो सीधे साधे व पुराने लोगों की ज्वैलरी की दुकान को निशाना बनाता था। ज्वैलरी की दुकान पर जाकर आभूषण खरीदने के बहाने सामान देखता था और मौका पाकर आभूषण चोरी से अपने जेब में रख कर चला जाता था। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार युवक के विरुद्ध जनपद अमेठी के अतिरिक्त जनपद गाजियाबाद, बाराबंकी, बस्ती, प्रतापगढ़, गोण्डा में लूट व चोरी के कुल सात अभियोग पंजीकृत हैं।

सीएम उद्यमी योजना के तहत बिना ब्याज के ऑटो लोन का वितरण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। आरडीएस ऑटोमोबाइल अमहट सुल्तानपुर में मंगलवार को उत्तर प्रदेश सीएम उद्यमी योजना के तहत बिना ब्याज के ऑटो लोन वितरित किया गया। क्षेत्रीय प्रबंधक महेश कुमार झा ने तीन उद्यमियों को चाबी देकर इस योजना के तहत बिना ब्याज के ऑटो लोन प्रदान किया।

मुख्य अतिथि': क्षेत्रीय प्रबंधक महेश कुमार झा ने बताया कि उत्तर प्रदेश सीएम उद्यमी योजना इस समय सबसे अच्छी योजना है, जो 18 से 40 वर्ष के लोगों को उद्योग करने हेतु उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक द्वारा समर्थित है। बिना ब्याज के ऑटो लोन प्रदान किया गया, जिससे युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। डीआरएम रवि श्रीवास्तव, जिला उपयुक्त नेहा सिंह, उद्योग विभाग एमएसएमई अरुण कुमार सिंह, ग्रामीण बैंक के सहायक प्रबंधक नंदन जी, आरडीएस ऑटोमोबाइल की प्रबंधिका और ऑटोमोबाइल से संबंधित सभी स्टाफ उपस्थित रहे। अतुल ऑटो के इंडिया हेड मनोज जोशी ने बताया कि 5 साल की गारंटी है अतुल ऑटो लिमिटेड की गाड़ियां बिना फ्यूल के और बिना किसी एक्स्ट्रा चार्ज के 5 साल की गारंटी प्रदान करती हैं। एक बार चार्ज करने पर 200 किलोमीटर से अधिक की रेंज देती है। गाड़ी में डबल बैटरी लिथियम की दी गई है, जो मॉडर्न और इंटरनेशनल टेक्नोलॉजी पर आधारित हैउत्तर प्रदेश सरकार और भारत सरकार की योजनाओं का समर्थन': उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक द्वारा भरपूर सहयोग मिलेगा। युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं और उन्हें अपने व्यवसाय को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

ताबड़तोड़ छापे में लहन, नकली शराब व भट्ठियां की गई नष्ट

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक की सख्ती के चलते अवैध शराब माफियाओं के विरूद्ध जंग जारी है,उप आबकारी आयुक्त के निर्देश और जिला आबकारी अधिकारी राजेश कुमार तिवारी के नेतृत्व में क्षेत्र-1 के निरीक्षक संजय कुमार मिश्रा की ताबड़तोड़ कार्यवाही में बल्लीपुर, पांचोपीरन बकरामंडी, बसौडी, अंगनाकोल आदि स्थानों पर 87 लीटर अवैध शराब, 750 किलो लहन, शराब की भठ्ठिया एवं उपकरण को नष्ट करते हुएं मौके से चार लोगों को गिरफ्तार किया। जिसमें श्रीराम निषाद को थाना गोसाईगंज के सुपुर्द करते हुए जेल भेजने की कार्यवाही की। निरीक्षक संजय कुमार मिश्र मय हमराही संकेत राय, ओमवीर, अंकित शर्मा के साथ क्षेत्र-1 के कबाड़ियों आर ओ प्लांट को भी चेक किया। निरीक्षक श्री मिश्र ने लांइसेंसी दुकानों की भी जांच की। लांइसेंसियों के यहां बोतल, पौवा व बीयर की बोतलो पर लगे क्यूआर कोड को स्कैन किया एवं लांइसेंसियों को निर्देशित करते हुए कहाकि नए सत्र में शराब की दुकाने आबकारी नियमों के अंतर्गत ही चलाए। अनियमितता पाने पर कड़ी कार्यवाई की जाएगी, आबकारी निरीक्षक संजय कुमार मिश्र ने कहाकि अवैध शराब के कारोबार में लिप्त पाए जाने पर आबकारी अधिनियम के अंतर्गत कठोर कार्यवाही की जाएगी साथ ही निरीक्षक श्री मिश्र ने लोगों से अपील करते हुए कहाकि अवैध अड्डी से निर्मित शराब जानलेवा हो सकती है, इसके सेवन से स्वास्थ पर दुष्प्रभाव पड़ता है। आबकारी टीम ने मौजूद लोगों को जागरूक करते हुए कहा की आपके क्षेत्र में यदि कोई भी ब्यक्ति नकली शराब के कारोबार में लिप्त है, तो आपलोग विभाग में सूचना दे,आपका नाम गुप्त रखा जाएगा, और शराब कारोबारियों पर प्रभावी कार्यवाही की जाएगी।

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को मशीन संचालन को लेकर ट्रेनिंग दिलायी जाय : डीएम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। जिलाधिकारी संजय चौहान ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा संचालित टेक होम राशन इकाई में पोषाहार उत्पादन, वितरण एवं भुगतान को लेकर अधिकारियों तथा समूह की महिलाओं के साथ बैठक कर सभी इकाइयों पर उत्पादन बढ़ाने का निर्देश दिया। बताते चलें कि जनपद में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संरक्षित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा संचालित टेक होम राशन इकाई जनपद में चार जगह संचालित है जिसमें आस्था प्रेरणा लघु उद्योग जगदीशपुर, जागृति माइक्रो इंटरप्राइजेज गौरीगंज, संगम प्रेरणा माइक्रो इंटरप्राइजेज शुकुल बाजार तथा हौसला माइक्रो इंटरप्राइजेज मुसाफिरखाना द्वारा पोषाहार उत्पादन किया जा रहा है इन इकाइयों द्वारा छह माह से तीन वर्ष तक के बच्चों के लिए आटा बेसन हलवा,तीन वर्ष से छह माह तक के बच्चों के लिए आटा बेसन बर्फी प्रीमिक्स, दलिया मूंग दाल खिचड़ी, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के लिए आटा बेसन बर्फी प्रीमिक्स, दलिया मूंग दाल खिचड़ी तथा छह माह से तीन वर्ष तक के बच्चों के लिए ऊर्जा युक्त हलवा का उत्पादन किया जाता है। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी इकाइयों पर पोषाहार उत्पादन की समीक्षा किया तथा उपस्थित अधिकारियों एवं समूह की महिलाओं को सभी इकाइयों पर उत्पादन बढ़ाने का निर्देश दिया। बैठक में उन्होंने पोषाहार इकाई के लंबित भुगतान के बारे में जानकारी ली तथा लंबित भुगतान को शीघ्र करने का निर्देश दिया। डीसी एनआरएलएम प्रवीणा शुक्ला ने बताया कि कभी कभी शासन स्तर से धनराशि विलम्ब से प्राप्त होती है जिसके कारण भुगतान में विलंब होता है।

आपकी जेब में स्मार्टफोन रूपी 'परजीवी'

आज स्मार्टफोन हमारी दिनचर्या का एक अभिन्न हिस्सा बन चुका है। इस छोटे से उपकरण ने हमारे दैनिक जीवन को काफी सुविधाजनक बनाया है। लेकिन हर चमकती चीज सोना नहीं होती! एक हालिया अध्ययन के अनुसार, यह केवल एक मददगार डिवाइस भर नहीं रह गया है, यह एक ऐसे 'परजीवी' का रूप ले चुका है, जो हमारा समय, ध्यान और मानसिक शांति चुपके से चूस लेता है। स्मार्टफोन के इस दोहरे चरित्र और उसके परजीवी रूप पर दो आस्ट्रेलियाई विज्ञानियों राचेल एल. ब्राउन और राब ब्रूक्स ने 'आस्ट्रेलियन जर्नल आफ फिलासफी' में एक शोधपरक आलेख लिखा है। इस लेख में उन्होंने यह तर्क दिया है कि स्मार्टफोन समाज के लिए विशिष्ट प्रकार के जोखिम की वजह बनते हैं, जो परजीविता के दृष्टिकोण से देखने पर और भी जाहिर हो जाता है। लेखकों के अनुसार, 'जूं, पिस्सू और टेपवर्म मानव के विकास क्रम में हमारे साथी रहे हैं। फिर भी, आधुनिक युग का सबसे बड़ा परजीवी खून चूसने वाला कोई जीव नहीं है। यह अपनी लत लगाने वाली वस्तु है। इसका मेजबान आज हर इंसान बन चुका है। यह टेक कंपनियों व उनके विज्ञापनदाताओं के हित में है। वर्ष 1921 में प्रख्यात विचारक क्रिशचियन लुइस लैंग ने चेताते हुए कहा था, ''तकनीक एक उपयोगी नौकर है, लेकिन एक खतरनाक मालिक है।'' उन्होंने यह बात तब कही थी जब न तो कंप्यूटर आम उपयोग में थे, न ही इंटरनेट की कोई कल्पना की गई थी। आज उनकी यह बात पहले से कहीं अधिक सटीक प्रतीत होती है। आज लैपटाप, टैबलेट और स्मार्टफोन जैसे उपकरण हमारी दिनचर्या में इस तरह घुल-मिल चुके हैं। कि इनसे दूरी बना पाना लगभग असंभव लगता है। हम इनके गुलाम बन गए हैं। स्क्रीन बार-बार देखे बिना हमें चैन नहीं मिलता। इसका खामियाजा हमें कई रूपों में भुगतना पड़ता है- अनिद्रा, सामाजिक संबंधों की गहराई में कमी और मानसिक स्थिति में चिड़चिड़ापन जैसी समस्याएं उभरना । डिजिटल जुड़ाव ने हमारे असली जीवन से दूरी पैदा कर दी है। जैसे-जैसे स्मार्टफोन हमारी दिनचर्या का हिस्सा बनते गए, उनमें प्रयुक्त एप्स भी यूजर्स की आवश्यकताओं के बजाय विज्ञापनदाताओं के हितों की सेवा में लगने लगे। इन्हें इस तरह डेवलप किया गया है। कि वे हमारे व्यवहार को प्रभावित करें, हमें लगातार स्क्राल करते रहने, विज्ञापनों पर ध्यान देने और उनमें उलझे रहने के लिए बाध्य करें। यह तकनीकी हस्तक्षेप खुले रूप में नहीं, बल्कि बहुत ही सूक्ष्म ढंग से होता है। हमारा आकर्षण किसी संयोग का नतीजा नहीं होता, बल्कि इसके पीछे एक पूरी प्रणाली काम कर रही होती है जो हमारे व्यवहार का अनुमान लगाकर हमें उसी दिशा में प्रेरित करती है। जरूरत यह समझने की है कि तकनीक हमारे लिए बनी है, हम उसके लिए नहीं ।

स्मार्टफोन के इस दोहरे चरित्र और उसके परजीवी रूप पर दो आस्ट्रेलियाई विज्ञानियों राचेल एल. ब्राउन और राब ब्रूक्स ने 'आस्ट्रेलियन जर्नल आफ फिलासफी' में एक शोधपरक आलेख लिखा है। इस लेख में उन्होंने यह तर्क दिया है कि स्मार्टफोन समाज के लिए विशिष्ट प्रकार के जोखिम की वजह बनते हैं, जो परजीविता के दृष्टिकोण से देखने पर और भी जाहिर हो जाता है। लेखकों के अनुसार, 'जूं, पिस्सू और टेपवर्म मानव के विकास क्रम में हमारे साथी रहे हैं।

ईरान-इजरायल युद्ध से दुनिया के सामने नई चुनौती

इजरायल ने ईरान के 'परमाणु कार्यक्रम ठिकानों' पर अचानक हमला करके न सिर्फ दुनिया को चौंका दिया है बल्कि पश्चिमी एशिया के पूरे क्षेत्र को अनिश्चितता, भय, अशांति एवं संकट के भंवर में डाल दिया है। ईरान जवाबी कार्रवाई करते हुए इजरायल को करारा जवाब दे रहा है। जहां इस्राइल इन हमलों को अपने अस्तित्व को बचाने की कार्रवाई बता रहा है, वहीं ईरान जवाबी कार्रवाई कर शीघ्र बदला लेने की बात कर रहा है। लेकिन इन दो राष्ट्रों के संघर्ष एवं युद्ध में समूची दुनिया पीस रही है। एक और युद्ध से दुनिया में विकास का रथ थमेगा, महंगाई बढ़ेगी, तेल के दाम आसमान छूने लगेंगे, व्यापक जनहानि होगी। युद्ध कभी भी किसी के हित में नहीं होता, आखिर समझौते के लिये टेबल पर बैठना ही होता है, तो पहले ही टेबल पर क्यों न बैठा जाये? विनाश एवं सर्वनाथ करने के बाद युद्ध विराम करना कैसे बुद्धिमत्ता है? इजरायल ने ईरान के खिलाफ अपनी कार्रवाई को ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है, जो बताता है कि यह अपने आप में महज एक कार्रवाई नहीं बल्कि नया सिलसिला हो सकता है। हमलों का व्यापक एवं विनाशकारी रूप भी इसकी गंभीरता को स्पष्ट कर देता है। कम से कम छह राउंड में किए गए हवाई हमलों के तहत ईरान के परमाणु कार्यक्रम ठिकानों को निशाना बनाया गया। यही नहीं, ईरान के सबसे बड़े सैन्य अधिकारी इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स के चीफ हुसैन सलामी के भी मारे जाने की खबर है। ईरान ने तो जवाबी कार्रवाई का इरादा जता ही दिया है, खुद इजरायल सरकार ने भी अपने नागरिकों से अगले कुछ दिन घरों के अंदर रहने और खाने-पीने का सामान इकट्ठा कर लेने को कहा है। इजरायली कार्रवाई के वैश्विक दुष्प्रभावों का संकेत इसी एक तथ्य से मिल जाता है कि पहले हमले के कुछ घंटों के अंदर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें 13 प्रतिशत बढ़ गईं। दुनिया के शैयर बाजार धराशायी हो गये हैं। इसमें दो राय नहीं कि इजरायल लंबे समय से कहता रहा है कि ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से हर हाल में रोका जाए और जरूरी हो तो उसके लिए बल प्रयोग से भी हिचका न जाए। उसका कहना है कि ईरान इस स्थिति में आ गया था कि कुछ दिनों के अंदर 15 परमाणु बम बना सकता था। एक भयानक संशय का वातावरण बना हुआ है। पहले रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमाम, कुछ समय भारत-पाक और अब इजरायल-ईरान के बीच युद्ध की स्थितियां बनना विश्व युद्ध की संकटपूर्ण स्थितियों को बल दे रही है। संशय से भरा हुआ आदमी प्रेम एवं मानवीयता से खाली होता है। पारस्परिक स्नेह, सद्भाव, सौहार्द और विश्वास के अभाव में उसका संदेहशील मन सदैव युद्ध, हिंसा, सुरक्षा के साधन जुटाने में संलग्न रहता है। उसका मन कभी निर्भय नहीं होता, वृत्तियां शान्त नहीं होतीं, संग्रह उसके सुख, संतोष और शांति को सुरसा बन लील जाता है। जिसने परमाणु-शस्त्रों के निर्माण और फैलाव से विश्व को तनाव और संत्रास का वातावरण दिया, अनिश्चय और असमंजस की विकट स्थिति दी, उसने विश्व शांति के धरातल छिन लिया है। इन विनाशकारी स्थितियों में मानवीय सहृदयता, सहिष्णुता और सह-अस्तित्व की भावना को कैसे अक्षुण्ण रखा जा सकता है? अभय का वातावरण, शुभ की कामना और मंगल का फैलाव कर तीसरी दुनिया को विकास के समुचित अवसर और साधन देने की संभावनाएं कैसे बलशाली बन सकती है? मनुष्य के भयभीत मन को युद्ध की विभीषिका से मुक्ति देना वर्तमान की बड़ी जरूरत है। क्योंकि वर्तमान युद्ध की जटिल से जटिलतर होती परिस्थितियों को देखें तो यह पश्चिम एशिया से लेकर दक्षिण एशिया और समग्र वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बहुत खतरनाक समय है। यदि अन्य देश भी इस संघर्ष में खेमेबाजी का शिकार होकर जुड़ते गए तो यह खतरा कई गुना बढ़ जाएगा। अच्छी बात यही है कि अभी तक तो ऐसा कुछ नहीं हुआ है। भारत के लिए बेहतर यही होगा कि शांति एवं कूटनीतिक विकल्पों की वकालत करता रहे, लेकिन उसे

ईरान जवाबी कार्रवाई करते हुए इजरायल को करारा जवाब दे रहा है। जहां इस्राइल इन हमलों को अपने अस्तित्व को बचाने की कार्रवाई बता रहा है, वहीं ईरान जवाबी कार्रवाई कर शीघ्र बदला लेने की बात कर रहा है। लेकिन इन दो राष्ट्रों के संघर्ष एवं युद्ध में समूची दुनिया पीस रही है। एक और युद्ध से दुनिया में विकास का रथ थमेगा, महंगाई बढ़ेगी, तेल के दाम आसमान छूने लगेंगे, व्यापक जनहानि होगी। युद्ध कभी भी किसी के हित में नहीं होता, आखिर समझौते के लिये टेबल पर बैठना ही होता है, तो पहले ही टेबल पर क्यों न बैठा जाये? विनाश एवं सर्वनाथ करने के बाद युद्ध विराम करना कैसे बुद्धिमत्ता है? इजरायल ने ईरान के खिलाफ अपनी कार्रवाई को ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है, जो बताता है कि यह अपने आप में महज एक कार्रवाई नहीं बल्कि नया सिलसिला हो सकता है। हमलों का व्यापक एवं विनाशकारी रूप भी इसकी गंभीरता को स्पष्ट कर देता है। कम से कम छह राउंड में किए गए हवाई हमलों के तहत ईरान के परमाणु कार्यक्रम ठिकानों को निशाना बनाया गया। यही नहीं, ईरान के सबसे बड़े सैन्य अधिकारी इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स के चीफ हुसैन सलामी के भी मारे जाने की खबर है। ईरान ने तो जवाबी कार्रवाई का इरादा जता ही दिया है, खुद इजरायल सरकार ने भी अपने नागरिकों से अगले कुछ दिन घरों के अंदर रहने और खाने-पीने का सामान इकट्ठा कर लेने को कहा है। इजरायली कार्रवाई के वैश्विक दुष्प्रभावों का संकेत इसी एक तथ्य से मिल जाता है कि पहले हमले के कुछ घंटों के अंदर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें 13 प्रतिशत बढ़ गईं। दुनिया के शैयर बाजार धराशायी हो गये हैं।

खुद भी किसी भी प्रकार की स्थितियों के लिए तैयार रहना होगा। दुनिया में पहले से ही काफी उथल पुथल मची हुई है। अरब देश संघर्ष लंबा खिंचने पर क्या रूख अख्तियार करते हैं। मुस्लिम देशों की जनता में यह सोच पहले से है कि यहूदी सरकार मुस्लिमों पर अत्याचार कर रही है। ऐसे में उनके लिए भी अपनी जनता की भावनाओं को नियंत्रित करना आसान नहीं होगा। वहीं इजरायल के सामने भी एक बड़ी चुनौती है कि अगर उसने संघर्ष शुरू किया है तो वह ईरान के खतरे को हमेशा के लिए खत्म करे। ऐसे में इजरायल का सैन्य अभियान लंबा चल सकता है। वह लक्ष्य हासिल होने तक युद्ध को जारी रख सकता है। इसके लिए ईरान की सत्ता में बदलाव या राजनीतिक नेतृत्व को खत्म करना होगा। यहां अमेरिका का समर्थन अहम होगा। बेहतर होगा दुनिया को भारी नुकसान से बचाने के लिये पूतिन एवं ट्रंप युद्ध की आग बुझाने की कोशिश करें। उनका आपस का दोस्ताना संवाद फिलहाल दुनिया के लिये अकेली उम्मीद की किरण है, हालांकि यूरोपीय संघ को और विशेषतः चीन कुछ हद तक यह अच्छा नहीं लगेगा। लेकिन युद्ध के अंधेरों एवं शांति के उजालों के लिये यही एक रास्ता है। ईरान पर इजरायल के हमले ने पहले से युद्धरत एवं अस्थिर दुनिया को अधिक वैश्विक संघर्ष की ओर ढकेल दिया है। ईरान भी अपनी पूरी क्षमता के साथ इजरायल पर मिसाइलों से हमला कर रहा है। उधर, इजरायल इस बात पर अड़ा है कि जब तक वह ईरान की परमाणु बम बनाने की क्षमता और मिसाइलों के जखीरे को खत्म नहीं कर देता है तब तक हमले जारी रहेंगे। अगर यह संघर्ष लंबा खिंचता है तो सिर्फ दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा। आगे चलकर इसमें अमेरिका, चीन और रूस जैसी बड़ी शक्तियां शामिल हो सकती हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध से दुनिया पहले ही दो खेमों में बंटी दिख रही है। ईरान ऐसी जगह पर हैं, जहां से वह बहुत सीमित संसाधनों के साथ समुद्र से होने वाले वैश्विक व्यापार को बाधित कर सकता है। इससे ग्लोबल सप्लाई चेन चरमरा सकती है, विश्व व्यापार ठप्प हो सकता है और विश्व में तेल आपूर्ति का संकट पैदा हो सकता है। इजरायल ईरान को अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता है। खासकर उसे लगता है कि अगर ईरान ने परमाणु बम बना लिया तो उसके लिए बहुत बड़ा खतरा पैदा हो जाएगा। यह खतरा इजरायल के साथ अन्य देशों के लिये भी होगा। इसलिए इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू कह रहे हैं कि हम ईरान को परमाणु बम नहीं बनाने देंगे। जो आपरेशन शुरु किया है, उसे लक्ष्य हासिल होने तक जारी रखेंगे। ईरान का परमाणु शक्ति बनना एक बड़ा खतरा है, इस बड़े खतरे को समाप्त करना ही ऑपरेशन राइजिंग लायन का लक्ष्य है। इसी समय अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आना भी इजरायल के बेहतर मौका लेकर आया और यहां अमेरिका का समर्थन अहम हो गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिये कहा है कि ईरान ने परमाणु कार्यक्रम पर समझौते के लिये अंतर्राष्ट्रीय प्रस्ताव को बार-बार खारिज किया है। बहरहाल, इस घटनाक्रम से मध्यपूर्व में इजरायल-ईरान के बीच सीधे युद्ध की आशंका बढ़ गई है। कहा जा रहा है कि इजरायल और हमास, हिजबुल्ला व हूती विद्रोहियों के बीच पहले से जारी संघर्ष से संवेदनशील बने इलाके में पूर्ण युद्ध की आशंका बढ़ गई है। इजरायल और ईरान के बीच सैन्य तनाव बढ़ने से वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं, तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो इसके जटिल परिणाम सामने आते हैं और सभी जीवन-निर्वाह की चीजों के दाम बढ़ जाते हैं। जिससे भारतीय रूपया कमजोर होने, मुद्रास्फीति बढ़ने और देश की वित्तीय स्थिति पर दबाव पड़ने का खतरा भी है। भारत अपनी जरूरतों का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है, ऐसी घटनाओं का महंगाई से लेकर व्यापार संतुलन, रोजगार से लेकर जीवन-निर्वाह तक के महत्वपूर्ण संकेतकों पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष भारत के हितों को चोट पहुंचाने वाला है। आर्थिक हित के साथ दोनों देशों के साथ भारत के सामरिक तथा रणनीतिक हित भी जुड़े हुए हैं। भारत को संतुलित रवैया अपनाना होगा, क्योंकि ईरान हमारा पुराना मित्र है, जो कश्मीर मुद्दे को लेकर इस्लामिक देशों के संगठन तक भारत का साथ देता रहा है। इजरायल हमारा महत्वपूर्ण सामरिक एवं नवाचार साझेदार है। किसी के भी पक्ष में झुकाव दुविधा को ओर बढ़ायेगा। **– ललित गर्ग**

पवन ऊर्ज़ा क्षेत्र और तीन प्रमुख चुनौतियां

मुकुंद

देश में बिना बाधा के बिजली आपूर्ति में पवन ऊर्ज़ा का महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। इस दिशा में मोदी सरकार पूरी ईमानदारी से प्रयासरत है। सरकार मानती है कि इस क्षेत्र में कई चुनौतियां हैं। इनसे पार पाने के बाद ही स्थिति में क्रांतिकारी परिवर्तन आ सकता है। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्ज़ामंत्री प्रह्लाद जोशी ने 15 जून को बेंगलुरु में वैश्विक पवन ऊर्ज़ा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में पवन ऊर्ज़ा क्षेत्र के लिए तीन चुनौतियों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सबसे पहले, हमें 24 घंटे बिजली और ग्रिड स्थिरता प्रदान करने के लिए पवन को सौर और भंडारण (बीईएसएस) के साथ जोड़ना होगा। दूसरा, शुल्क प्रतिस्पर्धी होना चाहिए। 3.90 रुपये प्रति यूनिट की दर बहुत अधिक है। हमें लागत कम करने के लिए मिलकर काम करना होगा। तीसरा, घरेलू विनिर्माण को और अधिक कुशल बनना होगा। साथ ही अपने लक्ष्यों को पूरा करने के साथ निर्यात को प्रोत्साहन भी देना होगा। वैश्विक पवन ऊर्ज़ा दिवस पर आयोजित सम्मेलन के संदर्भ में भारत सरकार के पत्र एवं सूचना कार्यालय (पीआईबी) की विज्ञप्ति में कहा गया है कि केंद्र सरकार के निरंतर नीतिगत समर्थन से पवन ऊर्ज़ा क्षेत्र ने पर्याप्त वृद्धि प्रदर्शित की है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्ज़ा मंत्रालय के तत्वावधान में बेंगलुरु में आयोजित कार्यक्रम में केंद्र और राज्य सरकार के प्राधिकरणों, डिस्कॉम, सीपीएसयू, पवन उद्योग, शिक्षाविदों, प्रमुख विचारकों, प्रमुख हितधारकों आदि की भागीदारी से देश में पवन ऊर्ज़ा विकास की प्रगति सहित प्रमुख पहलुओं पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में पवन स्वतंत्र विद्युत उत्पादक संघ (डब्ल्यूआईपीपीए), भारतीय पवन टरबाइन निर्माता संघ (आईडब्ल्यूटीएमए) और भारतीय पवन ऊर्ज़ा संघ (आईडब्ल्यूपीए) का भी सहयोग रहा। केंद्रीयमंत्री जोशी ने कार्यक्रम में मौजूद हितधारकों को संबोधित किया। उन्होंने सभी को आश्वस्त किया कि पवन ऊर्ज़ा नवीकरणीय ऊर्ज़ा क्षेत्र के लिए भारत की रणनीति के केंद्र में है। जोशी ने कहा कि वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने के लिए भारत को ऊर्ज़ा की अधिक आवश्यकता है, चाहे वह सौर ऊर्ज़ा हो, पवन ऊर्ज़ा हो या ऊर्ज़ा का कोई अन्य स्वरूप हो। कार्यक्रम में जोशी ने यह कहकर चिंता कम की कि भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य महत्वाकांक्षी और स्पष्ट हैं। वर्ष 2030 तक हमारी बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत हिस्सा गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से होगा। वर्ष 2070 तक भारत शून्य कार्बन उत्सर्जन वाला देश बन जाएगा। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के में पवन ऊर्ज़ा की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी। पवन ऊर्ज़ा अक्षय ऊर्ज़ा रणनीति का घटक नहीं है, लेकिन यह इसके दिल में है और आत्मनिर्भर भारत के केंद्र में है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमें 'विनिर्माण के लिए अक्षय ऊर्ज़ा और घरेलू खपत के लिए पारंपरिक ऊर्ज़ा' का एक दृष्टिकोण दिया है। हम उसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण अक्षय ऊर्ज़ा उत्पादन, भंडारण और उपयोग के महत्व पर बल देता है, ताकि जब भारत निकट भविष्य में वैश्विक विनिर्माण केंद्र बन जाए, तो वह अक्षय ऊर्ज़ा स्रोतों के माध्यम से विनिर्माण क्षेत्र की ऊर्ज़ा मांगों को पूरा करने में सक्षम हो सके। जोशी ने कहा कि भारत में अक्षय ऊर्ज़ा क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, क्योंकि इसकी विश्व स्तर पर चौथी सबसे बड़ी पवन ऊर्ज़ा स्थापित क्षमता है और यह तीसरा सबसे बड़ा अक्षय ऊर्ज़ा उत्पादक है। उन्होंने कहा कि किसी ने नहीं सोचा था कि भारत 10 वर्ष में अक्षय ऊर्ज़ा का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक बन जाएगा, लेकिन आज यह एक वास्तविकता है। सरकार इस क्षेत्र को पूरी गंभीरता से सहायता प्रदान कर रही है। इस वर्ष अक्षय ऊर्ज़ा बजट में 53 प्रतिशत यानी 26,549 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। इसमें से एक बड़ा हिस्सा पवन ऊर्ज़ा को दिया गया है। उन्होंने कहा कि नवीकरणीय ऊर्ज़ा उपयोग की ओर संक्रमण अपरिहार्य है। राज्यों को इस संक्रमण का नेतृत्व करना चाहिए। भूमि की उपलब्धता और पारेषण में देरी को दूर करना होगा। यह संकोच का समय नहीं है, यह कार्यान्वयन का समय है। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि भारत 225 किलोवाट से लेकर 5.2 मेगावाट तक की क्षमता वाले पवन टर्बाइनों का निर्माण कर रहा है। इसमें 14 कंपनियां 33 मॉडल तैयार कर रही हैं। यह टर्बाइन हमारी घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करते हैं और वैश्विक स्तर पर लागत-प्रतिस्पर्धी भी हैं।

सेहत मंत्र

अंजीर को भिगोकर खाने से मिलते ज्यादा फायदे

आयुर्वेद में अंजीर को गुणों का खजाना माना जाता है। अंजीर सेहत के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट, फाइबर, विटामिन और मिनरल्स भरपूर मात्रा में होता है। वहीं यह सभी पोषक तत्व बीमारियों से बचने में सहायता करता है। आयुर्वेद के हिसाब से भिगोए हुए अंजीर का सेवन करने से शरीर की गंदगी साफ होती है। कब्ज की समस्या से राहत मिलती है और एनर्जी बढ़ती है। वहीं रोजाना अंजीर का सेवन करने से हड्डियां मजबूत होती है और स्किन में ग्लो भी आता है। जब आप अंजीर पानी में भिगोकर खाते हैं, तो इसके फायदे भी अधिक बढ़ जाते हैं। वहीं इसके फायदे को दोगुना करना चाहते हैं, तो इसको दूध में भिगोकर खा सकते हैं। दूध में अंजीर भिगोकर खाने से शरीर को अधिक पोषण मिलता है। क्योंकि दूध में प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन डी पाया जाता है। जोकि हमारी हड्डियों और दांतों के लिए बहुत जरूरी है। तो आइए जानते हैं अंजीर भिगोकर खाने से शरीर को क्या-क्या फायदे मिलते हैं। अंजीर में मौजूद फाइबर और छोटे बीज आंतों की सफाई में सहायता करता है। इसको रातभर दूध में भिगाकर खाने से कब्ज और अपच की समस्या दूर होती है। अंजीर में मौजूद फाइबर मल को नरम बनाता है और आंतों के स्वस्थ काजकाम को बढ़ावा देता है। दूध और अंजीर का सेवन करने से हड्डियां मजबूत बनती हैं। अंजीर में कैल्शियम और मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में पाई जाती है। वहीं दूध में कैल्शियम पाया जाता है, जो हड्डियां मजबूत बनाता है। दूध और अंजीर का कॉम्बिनेशन ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं को रोकने में मदद करता है। अंजीर में एंटीऑक्सिडेंट्स और फाइबर मौजूद होता है, जोकि बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल करता है। इससे हार्ट से जुड़ी बीमारियों का खतरा भी काफी हद तक कम हो जाता है।

धर्म मंत्र

बलूचिस्तान के हिंगलाज मंदिर में लगती है भक्तों की भारी भीड़

भारत और पाकिस्तान तनाव के बीच बलूचिस्तान की आजादी को लेकर मांग काफी तेज हो गई है। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में सनातन धर्म से जुड़ा हिंगलाज मंदिर है। जो काफी समय से महत्वपूर्ण तीर्थ स्थान बना हुआ है। इस मंदिर में सबसे ज्यादा बलूचिस्तान के हिंदू आते हैं। बता दें कि हिंगलाज मंदिर 51 पवित्र शक्तिपीठों में से एक है। बलूचिस्तान में स्थित हिंगलाज मंदिर हिंदू धर्म के लिए सबसे पवित्र स्थल है। इस मंदिर में जो भी आकर पूजा करता है, उसके सभी पाप धुल जाते हैं। इस मंदिर को हिंगलाज मंदिर, हिंगुला देवी और नानी मंदिर के नाम से जाना जाता है। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस फ़ेमस मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं। हिंगलाज मंदिर पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में स्थित हिंगोल नेशनल पार्क में है। यह मंदिर पाकिस्तान में मौजूद तीन शक्तिपीठों में से एक है। बाकी के दो शक्तिपीठ शिवाहरकराय और शारदा पीठ हैं। हर साल वसंत ऋतु में यहां पाकिस्तान का एक बड़ा हिंदू त्योहार मनाया जाता है। जिसको हिंगलाज यात्रा कहा जाता है। इस यात्रा में करीब 1 लाख से ज्यादा भक्त शामिल होते हैं। इस यात्रा में भक्त सैकड़ों सीढ़ियां चढ़कर प्राचीन मंदिर तक पहुंचते हैं। जोकि हिंगोल नदी के किनारे बसा है। मंदिर पहुंच कर भक्त नारियल और गुलाब की पंखुड़ियां चढ़ाते हैं। इस दौरान श्रद्धालु हिंगलाज माता के दर्शन कर पाते हैं।

पर्यटन

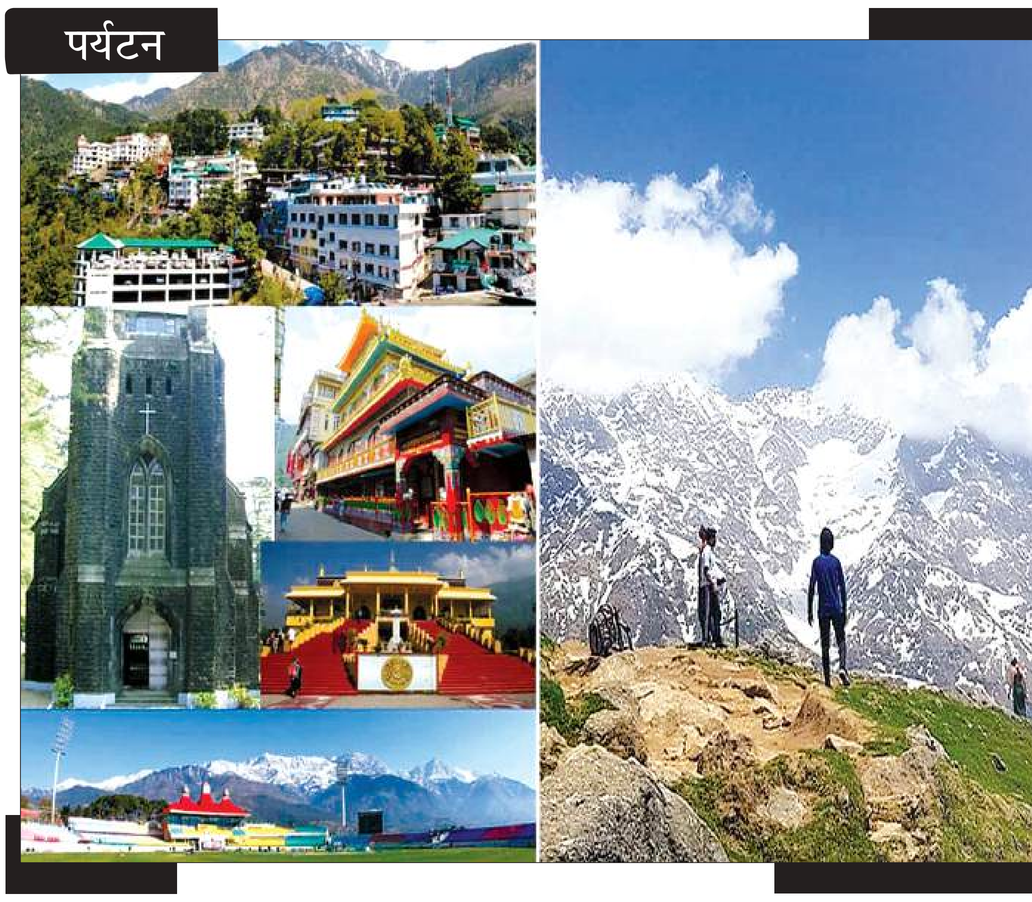

धर्मशाला और मैक्लोडगंज पर्यटनः तिब्बती संस्कृति और हिमालयी सौंदर्य का अद्भुत संगम

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में स्थित धर्मशाला और मैक्लोडगंज उत्तर भारत के सबसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में गिने जाते हैं। ये स्थान न केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरता, शांत वातावरण और बर्फ से ढकी पहाड़ियों के लिए जाने जाते हैं, बल्कि तिब्बती संस्कृति, बौद्ध धर्म और अध्यात्मिकता के प्रमुख केंद्र भी हैं। धर्मशाला को 'छोटा ल्हासा' भी कहा जाता है क्योंकि यह तिब्बती शरणार्थियों का प्रमुख निवास स्थान है। धर्मशाला दो भागों में बँटा हुआ है – अपर धर्मशाला (मैक्लोडगंज) और लोअर धर्मशाला। यहाँ का मौसम साल भर सुहावना बना रहता है और यहाँ की हरियाली, ऊँची पहाड़ियाँ, देवदार और चीड़ के वृक्ष इसे स्वर्ग जैसा अनुभव देते हैं। एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियमः समुद्र तल से लगभग 1457 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह स्टेडियम दुनिया के सबसे सुंदर क्रिकेट स्टेडियमों में से एक है। कांगड़ा आर्ट म्यूज़ियमः यहाँ आप पहाड़ी चित्रकला, तिब्बती और बौद्ध वस्तुओं का संग्रह देख सकते हैं। त्सुगलाखांग कॉम्प्लेक्सः यह दलाई लामा का निवास और आधिकारिक मठ है, जहाँ लोग बौद्ध धर्म और ध्यान की गहराइयों को अनुभव कर सकते हैं। मैक्लोडगंजः तिब्बती जीवनशैली और प्रकृति का संगम धर्मशाला से लगभग 10 किमी दूर स्थित मैक्लोडगंज तिब्बती संस्कृति और बौद्ध दर्शन का प्रमुख केंद्र है। यह छोटा सा कस्बा विदेशी पर्यटकों, ध्यान-साधकों, योगाभ्यासियों और पर्वतारोहण प्रेमियों के बीच बेहद लोकप्रिय है। नामग्याल मठः यह दलाई लामा का निजी मठ है और ध्यान-प्रेमियों के लिए विशेष स्थान है। भागसूनाग मंदिर और झरनाः यह प्राचीन मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और पास ही स्थित झरना एक सुंदर प्राकृतिक स्थल है। त्रियुंड ट्रेकः यह एक मध्यम स्तर का ट्रेक है जहाँ से धौलाधार की पर्वतमालाएँ बेहद निकट से दिखती हैं। यह ट्रेकिंग प्रेमियों के लिए स्वर्ग समान है।

संजय सेतु ज्वाइंट में दरार यातायात अवरुद्ध,भारी जाम

ओवरलोड वाहन दुश्वारियों की जड़, मौन स्वीकृति?

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। घाघरा नदी पर स्थित संजय सेतु का मरम्मत कार्य चल रहा है। आज मंगलवार को लखनऊ बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर भीषण जाम की स्थिति उत्पन्न हुई।पुल के ज्वॉइंट में दरार आने के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के निर्देश पर मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया जिससे सुबह से ही करीब एक किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया।इस जाम में स्कूली छात्र यात्री स्थानीय निवासी और व्यापारी घंटों फंसे रहे जिससे भारी असुविधा का सामना करना पड़ा।स्थानीय लोगों के अनुसार संजय सेतु की स्थिति लगातार जर्जर होती जा रही है।पुल के जॉइंट में दरारें आना अब सामान्य हो चला है।यह पुल न केवल लखनऊ बहराइच मार्ग का मुख्य मार्ग है बल्कि नेपाल से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संपर्क मार्ग भी है।भारी वाहनों की नियमित आवाजाही के कारण इस पुल पर अत्यधिक दबाव बना रहता है।हालांकि सरकार ने दो वर्ष पूर्व ही इस पुल के चौड़ीकरण और नए फोरलेन पुल के निर्माण को स्वीकृति दे दी थी लेकिन अभी तक जमीन पर कोई ठोस कार्य शुरू नहीं हुआ है इससे क्षेत्रवासियों में गहरा असंतोष व्याप्त है।राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के जूनियर सिविल इंजीनियर मनोज चौहान ने जानकारी दी कि पुल के दरारों को माइक्रो कंक्रीट और स्टील जाल की सहायता से भरा जा रहा है।यह कार्य अगले तीन दिनों तक चलेगा जिससे फिलहाल पुल की स्थिति कुछ हद तक स्थिर रहेगी।हालांकि स्थानीय व्यापारी छात्र यात्री और परिवहन से जुड़े लोग इस अस्थायी समाधान से संतुष्ट नहीं हैं।उनका कहना है कि बार-बार की मरम्मत अब नाकाफी साबित हो रही है।यदि शीघ्र ही नए पुल का निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।रामनगर से गोंडा और बहराइच की ओर जाने वाली सड़क ओवरलोडिंग के कारण एक ओर धंस चुकी है जिसे केवल पैचवर्क द्वारा ठीक किया गया है।वर्ष 2017 में बनी सड़क भी ओवरलोडिंग के कारण बैठ चुकी है ऐसे में सत्तर और अस्सी के दशक में बना संजय सेतु जर्जर हो जाना कोई आश्चर्य की बात नहीं है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि संबंधित जिलों के आरआरटीओ द्वारा ओवरलोड ट्रकों की अनदेखी की जा रही है और चर्चा है कि संबंधित अधिकारियों को नियमित रूप से सुविधा शुल्क भी प्राप्त होता है।जाम में फंसे बहराइच गोंडा बलरामपुर और श्रावस्ती जनपदों के यात्रियों ने सरकार के प्रति नाराजगी जताते हुए कहा कि यदि समय रहते समाधान नहीं हुआ तो आने वाले चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।यात्रियों ने यह भी सवाल उठाया कि जब बाराबंकी से रूपैडिहा तक सड़क का चौड़ीकरण नहीं हुआ है तो तीन-तीन जगहों पर टोल प्लाजा बनाकर सरकार द्वारा अरबों रुपए की वसूली किस आधार पर की जा रही है।आरोप यह भी है कि शहाबपुर टोल प्लाजा पर ओवरलोड वाहनों को अलग से शुल्क लेकर पास कर दिया जाता है।साथ ही कानपुर उन्नाव रायबरेली व अयोध्या की ओर से आने वाले भारी ट्रकों को वैकल्पिक मार्गों जैसे कोटवा सड़क सफदरगंज बदोसराय आदि से होकर रामनगर भेजा जा रहा है जिससे क्षेत्र की सड़कों पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है।स्थानीय नागरिकों व्यापारियों और यात्रियों ने सरकार और प्रशासन से आग्रह किया है कि संजय सेतु के लिए वैकल्पिक और दीर्घकालिक समाधान शीघ्र सुनिश्चित किया जाए ताकि क्षेत्र में सुरक्षित सुगम और टिकाऊ यातायात व्यवस्था कायम रह सके।

सतनामी धागा से प्रणय सूत्र में बंधा कंपल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। ग्राम पंचायत जरौली स्थित समर्थ साहेब पियारे दास कुटीधाम में मंगलवार को दहेज रहित विवाह संपन्न हुआ। वर वधू को आशीर्वाद स्वरूप साहेब की चादर और धागा प्रदान किया गया ।

जरौली गांव निवासी रमापति रावत पिछले कुछ महीने से अपनी पुत्री के हाथ पीले करने की कोशिश में लगे थे ।इसको लेकर वह गांव में स्थित बाबा पियारे दास धाम के महंत से मिले ।महंत की प्रेरणा से उन्होंने खेमापुर बस्तौली गांव के दिलीप कुमार के साथ अपनी पुत्री सुनीता का रिश्ता पक्का किया ।मंगलवार को बाबा पियारे दास के दरबार में दोनों का दहेज रहित विवाह संपन्न हुआ ।यहां के पुजारी हनुमान दास ने बताया कि वर और कन्या ने स्वजनों की मौजूदगी में बाबा साहेब के दरबार में मत्था टेका और बंदगी करते हुए एक दूसरे के जीवन साथी बन गए ।

नहर कटी, मेंथा फसल डूबी, जिम्मेदार अंजान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

निन्दूरा बाराबंकी। लोक निर्माण व सिंचाई विभाग की लापरवाही चलते सरौरा नहर रविवार देर रात में कट गई। कोई 50 बीघा से अधिक मेंथा फसल और धान की नर्सरी जलमग्न हुई। लेकिन जिम्मेदार अधिकारी अभी तक अंजान बने है। किसानों का कहना है कि मेंथा की फसल अब खेत में ही सड़ने लगी है। विकास खण्ड निन्दूरा क्षेत्र में सीतापुर जनपद से निकली सरौरा नहर से छोटी बड़ी करीब दो दर्जन नहरों में पानी जाता है रविवार की देर रात ग्राम पंचायत जमुआ गांव के सामने नजर की दाहिनी पटरी कट गई, जिससे सैकड़ो बीघा खेतों में पानी भर गया। किसान हुकुम सिंह, नसीम ,रामपाल आदि दर्जनों किसानों की मेंथा फसल व धान की नर्सरी नष्ट हो गई है लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने अभी तक किसानों की का हाल चाल जानना मुनासिफ नहीं समझा है। इस संबंध सरौरा नहर के सीतापुर जेई ने बताया कि रविवार की देर रात नहर कटी थी जानकारी होने पर तत्काल नहर बंद कराई गई थी। नहर कटने का कारण अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया।

क्या कहते हैं ग्रामीण -

जमुआ गांव निवासी राकेश कुमार, सौरभ, विनोद, अंकित, राहुल ,वींरेंद्र आदि लोगों का कहना है कि नहर पर पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा पुल निर्माण कार्य करने की प्रक्रिया शुरू की गई है जिसके चलते पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा पानी निकास के लिए डाइवर्जन जेसीबी द्वारा बनाया गया था जिसके चलते मिट्टी का कसाव नहीं हुआ, जिसके चलते नहर कट गई और किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया।

बड़े बकायदारों ने जोड़ा कनेक्शन, मुकदमा दर्ज

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। बकायेदारों द्वारा पुनः बिजली कनेक्शन जोड़ने पर बकायेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर आधा दर्जन उपभोक्ताओं के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है।अवर अभियंता राज मौर्य के नेतृत्व में चल रहे विद्युत चेकिंग अभियान में बकायेदारों के कनेक्शन काटे जा रहे हैं।विभाग ने बकाया राशि जमा करने के लिए गांव गांव में कैंप लगाए हैं। कई उपभोक्ता बिना बकाया जमा किए ही अवैध रूप से केबल जोड़कर बिजली का उपयोग कर रहे थे। मंगलवार को 6 ऐसे उपभोक्ताओं के खिलाफ धारा 138बी के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। इन उपभोक्ताओं में महमूदाबाद के रामकुमार डूडी के श्री केशन श्याम फूलमती भगौती केवलापुर के स्वर्गीय प्यारेलाल के नाम से कनेक्शन शामिल हैं। स्वर्गीय प्यारेलाल के कनेक्शन का उपयोग उनके पुत्र कर रहे थे। अवर अभियंता राज मौर्य ने बताया कि बकाया राशि जमा करने पर ही कनेक्शन जोड़ने की अनुमति दी जाएगी। विभाग बड़े बकायेदारों पर विशेष नजर रख रहा है और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

हादसे में बाइक सवार की दर्दनाक मौत

निन्दूरा बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। घुंघटेर कोतवाली क्षेत्र के चौधरी पुर गांव निवासी आशाराम 45 वर्ष सोमवार को लखनऊ जनपद के महिगवां स्थित एक रिश्तेदारी से देर रात्रि घर वापस आ रहा था। बजगहनी मार्ग पर रामनगर गांव के निकट आशाराम की बाइक बीच गड्ढे में अनियंत्रित होकर पलट गई।आशाराम गंभीर रूप से घायल हो गया।इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घुंघटेर पहुंचाया , जहां डॉक्टरों ने घायल को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम हेतु भेजा।

जगमगा उठा मंदिर , गौरवान्वित गौरव

बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। सिद्धौर ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत साल्हाभारी गांव में स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर एवं शिव मंदिर परिसर अब रात्रि में भी प्रकाशमय नजर आ रहे हैं। यह संभव हो पाया है सपा ब्लॉक अध्यक्ष जितेंद्र कुमार वर्मा के सतत प्रयासों से जिनके अनुरोध पर जैदपुर सपा विधायक गौरव रावत द्वारा मंदिर परिसर में हाईमास्ट लाइट लगवाई गई। हाईमास्ट लाइट के चालू होते ही मंदिर परिसर में चारों ओर रोशनी फैल गई, जिससे ग्रामीणों में हर्ष का माहौल है। देर शाम तक मंदिर में आने वाले श्रद्धालु अब सुरक्षित और रोशनी भरे वातावरण में पूजा-अर्चना कर पा रहे हैं।

दो दिन बाद नदी में मिला शव

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। सरयू नदी में तीन दिन पहले डूबे युवक का शव मंगलवार को कमियार गांव के निकट नदी में बरामद हुआ। ज्ञातव्य है कि गोंडा जनपद के करनैलगंज थाना क्षेत्र के गौरा बाजार गांव निवासी हरीराम यादव का 18 वर्षीय पुत्र राज यादव रविवार को सरयू नदी में नहाते समय डूब गया था। टिकैतनगर थाना प्रभारी निरीक्षक रत्नेश पांडेय ने शव को बाहर निकलवाया। पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजा।

मवेशी चराने गए बुजुर्ग का शव संदिग्ध परिस्थितियों में नदी में मिला

रामसनेहीघाट बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। असन्द्रा थाना क्षेत्र के पूरे छत्रधारी मजरे टिकरा बबुवान गांव में उस समय सनसनी फैल गई, जब मंगलवार सुबह एक बुजुर्ग का शव गोमती नदी में उतराता हुआ मिला। मृतक की पहचान गांव निवासी 70 वर्षीय केशकुमार पाठक पुत्र रामपदारथ के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, केशकुमार पाठक सोमवार दोपहर लगभग दो से तीन बजे के बीच मवेशी चराने के लिए घर से निकले थे। देर शाम तक वापस न लौटने पर परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की। खोज के दौरान नदी किनारे उनके कपड़े व चप्पल पड़े मिले, जिससे परिजन अनहोनी की आशंका में घबरा उठे। सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को असन्द्रा कोतवाली में लिखित सूचना देने की सलाह दी। वहीं ग्रामीणों और परिजनों ने रातभर नदी व आसपास के क्षेत्रों में तलाश जारी रखी। मंगलवार सुबह लगभग सात बजे ग्रामीणों ने नदी में शव को तैरते देखा। सूचना पाकर कोतवाली प्रभारी आलोक मणि त्रिपाठी मौके पर पहुंचे और शव को बाहर निकालवाया। परिजनों की सहमति पर शव का पंचनामा कर उन्हें सौंप दिया गया। इस हृदयविदारक घटना से गांव में शोक की लहर है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

प्रेम की सकभरी राह पर 'खुरपा' बना खून का हथियार!

प्रेमिका की बेरहमी से हत्या कर भागा प्रेमी, 48 घंटे में चढ़ा पुलिस के हत्थे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामसनेहीघाट बाराबंकी जहां भरोसा होना था, वहीं कत्ल हुआ। जहां रिश्ता पनपा था, वहीं खून की होली खेल दी गई। ग्राम बाबा का पुरवा के जंगल में 14 जून को मिली महिला की लाश ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी थी। अब इस खौफनाक मर्डर मिस्ट्री का खुलासा हुआ है ऽ और कहानी में है प्यार, शक, धोखा और कत्ल का खुरपा!

सिर और गर्दन पर किए खुरपे से जानलेवा वार : 35 वर्षीय शांति देवी पत्नी सतीश की लाश जंगल में मिली थी, सिर और गर्दन पर गहरे जख्मों के निशान। पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने साफ किया कि यह मामला सीधे-सीधे हत्या का है। और अब सामने आया है कि शांति देवी का अपने रिश्तेदार बृजेश यादव से 'स्पेशल कनेक्शन' था – जो कत्ल में तब्दील हो गया।

दवा के बहाने निकली, मौत के मुंह में पहुंची : 12 जून को शांति देवी घर से निकली थी – कहकर कि ''दवा लेने जा रही हूं'' – लेकिन रास्ते में मिली बृजेश से, जिसने शक और बहस के बाद खुरपा निकाला और उसकी जान ले ली। रिश्ते के नाम पर भरोसा तोड़ते हुए उसने जंगल में लाश फेंक दी।

पुलिस की फुर्ती और टेक्नोलॉजी ने किया चमत्कार : एसपी अर्पित विजयवर्गीय की अगुवाई में रामसनेहीघाट पुलिस, स्वॉट और सर्विलांस टीम ने 48 घंटे में केस सुलझा दिया। जेठबनी रोड से आरोपी को धर दबोचा और उसी की निशानदेही पर आलाकत्ल खुरपा बरामद कर लिया।

सवालों के घेरे में रिश्ते और भरोसा : यह कोई आम मर्डर नहीं। ये घटना बताती है कि कैसे रिश्तों की आड़ में पलता है शक, और कैसे प्यार से ज्यादा खतरनाक हो सकता है संदेह। जिसने घर का माना था, उसी ने जान ली – और हथियार था एक मामूली सा खुरपा, जिसने पूरी कहानी को खौफनाक बना दिया।

गोवंश तस्कर ने पुलिस पर झोंका फायर, पुलिस ने दो को दबोचा

पुलिस मुठभेड़ में दो घायल, 18 गोवंश बरामद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी । सफदरगंज पुलिस ने गोवंश तस्करी के एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मंगलवार तड़के करीब 4 बजे एक डीसीएम वाहन को रोकने का प्रयास किया।आरोपी भागने लगे और परसा तिराहे के पास कच्ची सड़क पर वाहन फंस गया। आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी के पैर में गोली लग गई। जिसके बाद पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में मुठभेड़ में घायल जय प्रकाश तिवारी और अंजनी कुमार (दोनों सूर्यपुर खपरैला, सफदरगंज निवासी) तथा असलम बंजारा (मतौली, लखीमपुर निवासी) शामिल हैं।डीसीएम (ठध 41 एट्ठ 0192) से 20 गोवंश बरामद किए गए। इनमें से दो पशु मृत पाए गए। आरोपियों से एक तमंचा .315 बोर, एक जिंदा और दो खोखा कारतूस भी बरामद हुए। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह गिरोह बाराबंकी और अन्य जिलों से गोवंश को बिहार व अन्य राज्यों में ले जाता था।जीवित 18 पशुओं को सिरौली गौसपुर ब्लॉक क्षेत्र की बिरौली गांव स्थित गौशाला में रखवाया गया। मृत पशुओं का पशु चिकित्सक से पोस्टमार्टम कराने के बाद दफनाया गया। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार की सुबह सफदरगंज पुलिस डीसीएम में 20 पशु लाए थे जिसमें से 18 जीवित पशुओं को गौशाला में रखे गए। दो मृत पशुओं को पोस्टमार्टम के बाद दफना दिया गया।पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ गोवध निवारण अधिनियम, आर्म्स एक्ट और पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है।

विपक्ष का एजेंडा परिवारवाद तुष्टिकरण : धर्मपाल सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने मंगलवार को कहा कि विपक्ष का एजेंडा जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टिकरण का है जबकि उनकी पार्टी की नीति सबको सुरक्षा, सबको सम्मान, सबको समान अवसर और सबकी खुशहाली है।

आजमगढ़ एवं लालगंज में अनुसूचित जाति कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में श्री सिंह ने कहा कि सपा, कांग्रेस सहित सभी विपक्षी पार्टियां लगातार दुष्प्रचार करके जनता को भ्रमित करने का काम कर रहे है। विपक्ष का एजेंडा जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टिकरण का है। जिसे देश की जनता नकार चुकी है और यही कारण है कि विपक्षी पार्टियां अब झूठ, दुष्प्रचार के एजेंडे के साथ देश में भ्रम फैला रहे है। उन्होंने कहा कि एक एक कार्यकर्ता को हर घर तक पहुंचकर विपक्ष के झूठ, फरेब का पर्दाफाश करना है। जन जन तक सत्य पहुंचना है।

उन्होने कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहेब के अपमान में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। कांग्रेस ने बाबा साहेब को चुनाव हरवाया। जब बाबा साहेब का निधन हुआ तो उनका अन्तिम संस्कार दिल्ली में नही होने दिया। कांग्रेस के लोग हाथ में संविधान लेकर के धूमते है लेकिन कभी संविधान व बाबासाहेब आंबेडकर का सम्मान नहीं करते। कांग्रेस ने लम्बे समय तक देश में शासन किया लेकिन बाबा साहेब को भारत रत्न का सम्मान भाजपा समर्थित सरकार में मिला।

भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस ने जम्मू कश्मीर में बाबासाहेब के संविधान को लागू होने नहीं दिया। जम्मू कश्मीर में डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने एक देश में दोहरी नीति का विरोध करते हुए अपना बलिदान दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अनुच्छेद 370 समाप्त कर जम्मू कश्मीर में बाबा साहेब के संविधान को लागू करने का काम किया और इसके साथ ही अनुसूचित जातियों को आरक्षण का लाभ भी मिलना प्रारंभ हुआ। जिस आरक्षण को कांग्रेस ने अनुच्छेद 370 लगाकर रोक दिया था।

श्री सिंह ने कहा कि श्रद्धेयअटल बिहारी वाजपेई ने सर्व शिक्षा अभियान प्रारंभ करके सबके लिए शिक्षा सुनिश्चित की। प्रधानमंत्री मोदी ने सफाई कर्मियों के पैर धोकर संदेश दिया कि देश में हर व्यक्ति और हर काम का पूरा सम्मान है। बाबासाहेब के सम्मान में श्रद्धेय अटल जी ने संसद के अन्दर बाबासाहेब की प्रतिमा लगाने का काम किया। श्री मोदी ने बाबा साहेब से जुड़े स्थानों को पंच तीर्थ के रूप में विकसित करके सच्चे अर्थों में कृतज्ञ श्रद्धांजलि अर्पित की है। भाजपा की सरकार में बाबासाहेब का संविधान मजबूत हुआ है और इसके साथ ही सरकार की प्रत्येक योजना बाबा साहेब की नीतियों के आधार पर बिना पक्षपात के सबको घर, पढ़ाई, राशन, ईलाज, शुद्ध पेयजल जैसी सुविधाएं निःशुल्क जनता तक पहुंचा रही है। इसका सबसे अधिक लाभ अनुसूचित वर्ग को हुआ है।

व्हाट्सएप लिंक पर क्लिक करते ही मोबाइल हुआ हैक, ग्रुपों में फैलाई गई अश्लीलता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामसनेहीघाट बाराबंकी । असंद्रा थाना क्षेत्र में व्हाट्सएप हैकिंग के माध्यम से ग्रुपों में अश्लील सामग्री वायरल किए जाने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। ताजा मामले में किठैया गांव निवासी शिवेंद्र प्रताप सिंह सहित कई लोगों के मोबाइल हैक कर अज्ञात साइबर अपराधियों ने व्हाट्सएप ग्रुपों पर आपत्तिजनक फोटो व वीडियो साझा कर दिए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिवेंद्र प्रताप सिंह ने असंद्रा थाने में तहरीर देकर बताया कि सोमवार को उनके मोबाइल पर एक अज्ञात लिंक आया, जिस पर क्लिक करने के बाद उनका व्हाट्सएप हैक हो गया। इसके बाद उनके नंबर से विभिन्न ग्रुपों में अश्लील तस्वीरें प्रसारित की जाने लगीं। जब उन्हें परिचितों के माध्यम से इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने तत्काल उन सामग्री को ग्रुपों से हटाया। इसी प्रकार दुल्लापुर निवासी उमेश कुमार पुत्र हरिश्चंद्र, पूरे समधी टिकरा निवासी सरोज पुत्र माता प्रसाद, तथा इमलिहा किठैया निवासी शुभम पांडे पुत्र जितेंद्र सहित अन्य लोगों ने भी अपने मोबाइल हैक होने व अश्लील सामग्री प्रसारित किए जाने की शिकायत पुलिस को दी है। सभी पीड़ितों ने मामले की गंभीरता को देखते हुए असंद्रा पुलिस से तत्काल साइबर जाँच कर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

मोबाइल हैंक, सकते में उपभोक्ता

निंदूरा बराबंकी। घुंघटेर थाना क्षेत्र के भद्रास निवासी विपिन कुमार ने पुलिस अधीक्षक को दिए शिकायती पत्र में बताया कि रविवार दोपहर को उसका मोबाइल किसी ने हैक कर लिया। हैकर ने उनका व्हट्सएप, ईमेल आदि खुद से चलाने लगा। इसके साथ ही उनके कई परिचितों को व्हाट्सएप के माध्यम से अश्लील फोटो व वीडियो भेजने लगा। उनके परिचितों ने फोन करके उसे इसकी जानकारी दी। उन्हें अंदेशा है कि हैकर ने उनके मोबाइल से निजी डाटा व बैंकिंग संबंधित जानकारी भी चुरा ली होगी। उन्होंने साइबर सेल से कार्रवाई की मांग की है। विपिन कुमार ने बताया कि साइबर सेल ने मोबाइल सही करके दिया तबसे सही चल रहा है।

आईसीसी चार दिवसीय टेस्ट के लिए तैयार, भारत ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड पांच दिनी मैच ही खेलेंगे: रिपोर्ट

एजेंसी

लंदन। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) 2027-29 के विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र में छोटे देशों के लिए चार दिवसीय टेस्ट मैचों को मंजूरी देने के लिए तैयार है, लेकिन भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड तब भी परंपरागत रूप से चले आ रहे पांच दिवसीय मैच खेल सकते हैं। यहां एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। मैचों की संख्या एक दिन कम करने का कदम एक महत्वपूर्ण बदलाव होगा और इससे छोटे देशों को अधिक टेस्ट और लंबी अवधि की श्रृंखलाएं खेलने में मदद मिलेगी। 'द गार्डियन' समाचार पत्र की एक रिपोर्ट में कहा गया है, ''पिछले सप्ताह लॉर्ड्स में डब्ल्यूटीसी फाइनल के दौरान चर्चा में आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने 2027-29 के डब्ल्यूटीसी चक्र के लिए चार दिवसीय टेस्ट के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया था। इसमें कहा गया है, ''इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और भारत को तब भी एशेज, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी और एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए पांच दिवसीय मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेलने की अनुमति होगी। एंडरसन तेंदुलकर ट्रॉफी की शुरुआत शुक्रवार को हेडिंग्ले में इंग्लैंड और भारत के बीच पहले टेस्ट मैच के साथ होगी। आईसीसी ने पहली बार 2017 में द्विपक्षीय मुकाबलों के लिए चार दिवसीय टेस्ट को मंजूरी दी थी। इंग्लैंड ने 2019 और 2023 में आयरलैंड के खिलाफ चार दिवसीय टेस्ट के बाद पिछले महीने ट्रेंट ब्रिज में जिम्बाब्वे के खिलाफ भी चार दिवसीय टेस्ट मैच खेला था। रिपोर्ट के अनुसार, ''कई छोटे देश समय और लागत के कारण टेस्ट मैचों की मेजबानी करने में दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं, लेकिन चार दिवसीय टेस्ट मैच शुरू होने से तीन टेस्ट मैचों की पूरी श्रृंखला तीन सप्ताह से भी कम समय में खेली जा सकेगी। इसमें कहा गया है, ''समय को बर्बाद करने से बचने के लिए चार दिवसीय टेस्ट मैचों में खेल के समय को 90 ओवर प्रतिदिन से बढ़ाकर न्यूनतम 98 ओवर कर दिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है, ''पिछले सप्ताह लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रोमांचक फाइनल में विश्व चैंपियन बनने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका के नीरस कार्यक्रम ने इस मुद्दे को और उजागर किया और इसके बाद बदलाव की जरूरत महसूस की गई। हालांकि 2025-27 की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप पांच दिवसीय मैचों के मौजूदा प्रारूप के तहत ही खेली जाएगी।

स्मृति मंधाना वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में फिर शीर्ष पहुंची

एजेंसी

दुबई। भारत की उप कप्तान स्मृति मंधाना मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में 2019 के बाद पहली बार शीर्ष स्थान पर पहुंच गयीं। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट ने ताजा अपडेट में 19 रेटिंग अंक गंवाये जिसका फायदा भारतीय बल्लेबाज को मिला। मंधाना के कुल 727 रेटिंग अंक हैं। उनके बाद इंग्लैंड की कप्तान नताली साइवर-ब्रंट 719 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वोलवार्ट अब 719 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। मंधाना के बाद इस सूची में अगली दो भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स और कप्तान हरमनप्रीत कौर हैं, जो क्रमशः 14वें और 15वें स्थान पर हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच इस महीने के आखिर में पांच टी-20 और तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला खेली जाएगी। मंधाना हाल के दिनों में वनडे बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष 10 में शामिल रही हैं, लेकिन बाएं हाथ की यह बल्लेबाज 2019 की शुरुआत से शीर्ष स्थान पर नहीं पहुंच पाई थी। भारतीय सलामी बल्लेबाज हाल ही में शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने कोलंबो में श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली गई त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में शतक बनाया था। इससे उन्हें अपनी रैंकिंग में सुधार करने में मदद मिली। मंधाना टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की सूची में भी चौथे स्थान पर हैं।

संक्षिप्त समाचार

बुमराह सटीक गेंदबाजी करने के मामले में मैकग्रा के समान हैं: ब्रॉड

मुंबई। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड का मानना है कि भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की बल्लेबाजों को चकमा देने की क्षमता और गेंदबाजी में उनका बेहतरीन संतुलन उन्हें ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ग्लेन मैकग्रा के समक्ष खड़ा करती है तथा इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला में उनके प्रदर्शन पर सभी की निगाहें टिकी रहेगी। ब्रॉड ने विश्व क्रिकेट में सबसे संतुलित गेंदबाजी रन अप के मामले में बुमराह की तुलना ऑस्ट्रेलिया के महान तेज गेंदबाज मैकग्रा से की। ब्रॉड ने पॉडकास्ट 'फॉर द लव ऑफ क्रिकेट' में कहा, ''वह (बुमराह) जब गेंद करने के लिए दौड़ते हैं तो आप सोचते हैं कि यह 70 मील प्रति घंटे की रफ्तार होगी लेकिन वह आपको 90 मील प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद करते हैं जिससे आप सही अनुमान नहीं लगा पाते हैं।'' उन्होंने जोस बटलर के साथ इस पॉडकास्ट में कहा, '' जब मैंने शोएब अख्तर का सामना किया, तो वह सौ मील प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ते थे और सौ मील प्रति घंटे की रफ्तार से ही गेंदबाजी करते थे। टेस्ट क्रिकेट में 604 विकेट लेने के बाद 2023 में संन्यास की घोषणा करने ब्रॉड ने कहा, ''बुमराह का रन अप बेहद संतुलित है और वह कभी इस बिगड़ने नहीं देते। मैंने जिन गेंदबाजों को देखा है उनमें ग्लेन मैकग्रा का रन अप बेहद संतुलित था। बुमराह भी उन्हीं की तरह हैं। बुमराह के श्रृंखला के सभी पांच टेस्ट मैचों में खेलने की उम्मीद नहीं है, जिसकी पुष्टि भारतीय चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कार्यभार प्रबंधन के तहत की है। ब्रॉड ने कहा कि अगर बुमराह शुक्रवार से लीड्स में शुरू होने वाली श्रृंखला के सभी पांच मैचों में खेलते हैं तो वह ढेर सारे विकेट लेंगे। उन्होंने कहा, ''निश्चित रूप से उन पर सभी की निगाह टिकी रहेगी। इंग्लैंड कभी नहीं चाहेगा कि वह सभी पांच टेस्ट मैच में खेले। अगर ऐसा होता है तो वह ढेर सारे विकेट लेगा। ऑस्ट्रेलिया में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था। बटलर ने कहा कि इंग्लैंड दौरे पर आई भारतीय टीम में बुमराह से बड़ा कोई सुपरस्टार नहीं है। उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि भारत की इस टीम में जसप्रीत बुमराह से बड़ा कोई स्टार है। उनका रन-अप अनोखा है, उनका एक्शन अनोखा है। वह किसी अन्य गेंदबाज की तुलना में बल्लेबाज के करीब एक फुट या उससे भी थोड़ा ज़्यादा नज़दीक से गेंद फेंकते हैं, इसलिए गेंद उनकी वास्तविक गति से भी ज़्यादा तेज़ लगती है।

भारत को एक महत्वपूर्ण बाजार के रूप में देखते हैं: गूगल इंडिया प्रमुख

नयी दिल्ली। गूगल इंडिया की 'कंट्री मैनेजर' एवं उपाध्यक्ष प्रीति लोबाना ने कहा कि भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था के तेजी से विस्तार ने देश की स्थिति को एक ''शक्तिशाली देश'' के रूप में मजबूत किया है। गूगल इंडिया की नवनियुक्त शीर्ष कार्यकारी ने इस बात पर जोर दिया कि विश्वास और सुरक्षा पर विशेष ध्यान देना कृत्रिम मेधा (एआई) युग में गति को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। प्रीति लोबाना ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा कि अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी '' एंड्रॉयड या प्ले स्टोर के मामले में समृद्ध, संपन्न डिजिटल परिवेश के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि गूगल ''प्रतिस्पर्धा'' को ''डिजिटल परिवेश को समृद्ध'' बनाने के साधन के रूप में देखता है। लोबाना ने देश में सर्च दिग्गज कंपनी के खिलाफ 'एंटीट्रस्ट' मामलों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, लेकिन कहा कि कंपनी जिस भी देश में काम करती है, वहां के स्थानीय कानूनों का अनुपालन करती है। इनमें प्ले स्टोर को एंड्रॉयड टीवी ओएस के साथ जोड़ना (जिसे गूगल ने 20 करोड़ रुपये का भुगतान करके सुलझाया) या प्ले स्टोर नीतियों से जुड़े मामले शामिल हैं। उन्होंने कहा, '' हम सरकार और अन्य नियामक संस्थाओं के साथ मिलकर काम करेंगे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हम इसका अनुपालन कर रहे हैं। लोबाना ने माना कि कृत्रिम मेधा जैसी नई प्रौद्योगिकियां रचनात्मक क्षमता को उन्मुक्त कर रही हैं, लेकिन साथ ही 'डीपफ़ेक' से जुड़ी चुनौतियों को भी सामने ला रही हैं। 'डीपफ़ेक' में एआई का उपयोग करके किसी का ऐसा वीडियो या तस्वीरें बनाई जाती हैं जो एकदम असली प्रतीत होती हैं लेकिन वास्तव में वह फर्जी या नकली होती हैं। लोबाना ने कहा कि गूगल भारत को एक महत्वपूर्ण बाजार के रूप में देखता है। उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में यह देश 1000 अमेरिकी डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। कंपनी को उम्मीद है कि वह विज्ञापन, क्लाउड प्रौद्योगिकी और उन्नत एआई में अपनी विशेषज्ञता का लाभ उठाकर देश की आर्थिक वृद्धि में योगदान कर सकेगी। लोबाना ने कहा, '' गूगल भारत को एक महत्वपूर्ण बाजार के रूप में देखता है। हम यहां गहराई से जुड़े हुए हैं, पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से डिजिटल अर्थव्यवस्था समय के साथ विकसित हुई है, उसमें भारत एक मजबूत खिलाड़ी बन गया है। गूगल इंडिया की 'कंट्री मैनेजर' ने इस बात पर जोर दिया कि विश्वास और सुरक्षा इसकी निरंतर सफलता के लिए महत्वपूर्ण होगी।

मारुति सुजुकी को वित्त वर्ष 2023-31 तक रेलवे के जरिये वाहनों की आपूर्ति 35 प्रतिशत बढ़ाने की उम्मीद

नयी दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेउची ने मंगलवार को कहा कि कंपनी को उम्मीद है कि 2030-31 तक रेलवे के माध्यम से वाहनों की आपूर्ति 35 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी। ताकेउची ने कहा कि मारुति सुजुकी 2013 में 'ऑटोमोबाइल-फ्रेट-ट्रेन-ऑपरेटर लाइसेंस' हासिल करने वाली भारत की पहली कंपनी थी। तब से, हमने रेलवे के जरिये 25 लाख से अधिक यात्री वाहनों को भेजा है। एमएसआईएल के सीईओ ताकेउची ने कहा, '' हमने रेलवे के जरिये वाहनों की आवाजाही को व्यवस्थित रूप से बढ़ाया है, जो वित्त वर्ष 2014-15 में करीब पांच प्रतिशत था, और पिछले वर्ष 2024-25 में 24 प्रतिशत हो गया है।'' उन्होंने कहा कि कंपनी मानेसर में नई सुविधा के साथ इसे और बढ़ाएगी। ताकेउची ने कहा, '' एक बार जब यह पूरी तरह से चालू हो जाएगा, तो हम सालाना 4.5 लाख वाहन भेज सकेंगे। इससे वित्त वर्ष 2030-31 तक रेलवे के जरिये वाहनों की आपूर्ति 35 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी। पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान के तहत पंजीकृत मानेसर 'रेलवे साइडिंग' को हरियाणा में सोनीपत से पलवल तक चलने वाले 126 किलोमीटर लंबे हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर (एचओआरसी) के हिस्से के रूप में विकसित किया गया है। इस परियोजना को एक संयुक्त उद्यम फर्म हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचओआरसीएल) द्वारा क्रियान्वित किया गया है। संयुक्त उद्यम के तहत, एमएसआईएल ने एचओआरसी के विकास में 325 करोड़ रुपये का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। इसके अतिरिक्त एमएसआईएल ने आंतरिक यार्ड विकास पर लगभग 127 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जिससे इसका कुल निवेश 452 करोड़ रुपये हो गया है। कार बाजार की अग्रणी कंपनी ने साथ ही बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2014-15 से अभी तक भारतीय रेलवे के जरिये करीब 25 लाख वाहन भेजे गए हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय रेलवे के जरिये सर्वाधिक 5.18 लाख वाहन भेजे गए।

कप्तान के रूप में रोहित शर्मा और विराट कोहली का मिश्रण हैं शुभमन गिल: जोस बटलर

एजेंसी

मुंबई। जोस बटलर का मानना है कि भारत के नये टेस्ट कप्तान शुभमन गिल कप्तान के रूप में रोहित शर्मा और विराट कोहली का मिश्रण हैं लेकिन जब वह शुक्रवार से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रही पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में राष्ट्रीय टीम की अगुआई करेंगे तो मैदान पर वह पूरी स्वच्छंद होकर टीम का नेतृत्व करेंगे। इंग्लैंड की सीमित ओवरों की टीम के पूर्व कप्तान बटलर इस वर्ष इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गिल की कप्तानी में खेले थे। उन्होंने कहा कि इस 25 वर्षीय खिलाड़ी को कप्तानी की भूमिका और अपनी बल्लेबाजी के बीच संतुलन बनाना होगा। बटलर ने इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के साथ अपने पॉडकास्ट 'फॉर द लव ऑफ क्रिकेट' पर कहा, ''वह वास्तव में प्रभावशाली खिलाड़ी है। जब वह बोलते हैं तो काफी शांत और संतुलित रहते हैं। मुझे लगता है कि मैदान पर खुद के लिए चुनौती पेश करते हैं। उनमें काफी जुनून होता है। मुझे लगता है कि कप्तान के रूप में वह कोहली और रोहित का मिश्रण होंगे। उन्होंने कहा, ''कोहली वास्तव में बहुत आक्रामक थे। उन्होंने भारतीय टीम को पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने उसे मुकाबले के लिए तैयार किया। रोहित थोड़े अलग थे। थोड़े शांत और संयमित, लेकिन उनमें गजब का जुझारूपन था। बटलर ने कहा, ''गिल ने इन दोनों से काफी कुछ सीखा है लेकिन वह मैदान पर पूरी तरह से अलग नजर आएंगे। बटलर ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में भारत की कप्तानी करना देश में 'तीसरे या चौथे सबसे प्रभावशाली व्यक्ति' होने जैसा है। उन्होंने कहा, ''गिल ने बल्लेबाजी और कप्तानी को अलग-अलग करने की बात की। इसलिए जब वह बल्लेबाजी करते हैं तो वह सिर्फ बल्लेबाज बने रहना चाहते हैं। इसके बाद वह अपने कप्तानी कौशल पर काम करेंगे और दोनों भूमिकाओं को अलग-अलग तरह से निभाने का प्रयास करेंगे। बटलर ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि हम इन लोगों के स्टारडम के स्तर को समझ सकते हैं। आप इसे आईपीएल में देखते हैं। वे इस स्टारडम में जीते हैं। मुझे लगता है कि भारतीय टेस्ट कप्तान भारत में प्रधानमंत्री के बाद तीसरा या चौथा सबसे प्रभावशाली व्यक्ति है। इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है।

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज सिद्धार्थ कौल ने बिग बैश लीग के लिए अपना पंजीकरण कराया

मेलबर्न। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज सिद्धार्थ कौल ने ऑस्ट्रेलिया में खेले जाने वाली पुरूषों की बिग बैश लीग (बीबीएल) ड्राफ्ट के लिए अपना पंजीकरण कराया है जबकि भारत के 15 अन्य खिलाड़ियों ने महिला टूर्नामेंट (डब्ल्यूबीबीएल) के लिए पंजीकरण कराया है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पिछले साल नवंबर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने से पहले भारत के लिए तीन वनडे और इतने ही टी20 मैच खेलने वाले कौल गुरुवार को यहां होने वाले बीबीएल ड्राफ्ट के लिए खुद को पंजीकृत कराने वाले एकमात्र भारतीय पुरुष खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन दुनिया भर के उन 600 से अधिक खिलाड़ियों में से एक हैं जिन्होंने लीग के लिए खुद को पंजीकृत किया है।

महिला विश्व कप के बाद वनडे को अलविदा कहेंगी सोफी डिवाइन, टी20 करियर रहेगा जारी

एजेंसी

वेलिंगटन/नई दिल्ली। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान सोफी डिवाइन ने घोषणा की है कि वह इस वर्ष भारत और श्रीलंका में होने वाले 50 ओवर के महिला विश्व कप के बाद वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लेंगी। हालांकि, वह टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) के साथ कैजुअल (चयनित) अनुबंध के तहत उपलब्ध रहेंगी। 35 वर्षीय डिवाइन ने यह घोषणा न्यूजीलैंड की 17 सदस्यीय महिला अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची जारी होने से ठीक एक दिन पहले की है। चूंकि वह अब केंद्रीय अनुबंध का हिस्सा नहीं होंगी, इसलिए विश्व कप के बाद एक नई वनडे कप्तान की नियुक्ति की जाएगी। डिवाइन ने 2006 में 17 साल की उम्र में वनडे डेब्यू किया था और करीब 19 वर्षों तक न्यूजीलैंड की एक प्रमुख ऑलराउंडर के रूप में शानदार प्रदर्शन किया। वह न्यूजीलैंड के लिए सबसे अधिक वनडे खेलने वाली खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं और वनडे में सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ियों में चौथे स्थान पर हैं। लेकिन संभावना है कि विश्व कप के दौरान वह 4000 रन का आंकड़ा पार कर डेबी हॉकलि को पीछे छोड़ते हुए तीसरे स्थान पर पहुंच जाएंगी। उनके नाम 8 वनडे शतक हैं, जो न्यूजीलैंड की महिलाओं में सुजी बेट्स के बाद दूसरा सर्वोच्च आंकड़ा है। साथ ही, वह 100 से अधिक विकेट लेने वाली दो न्यूजीलैंड महिला खिलाड़ियों में शामिल हैं, और इस सूची में भी ली ताहुहु के बाद दूसरे स्थान पर हैं। डिवाइन ने एक बयान में कहा, ''मुझे लगता है कि यह सही समय है धीरे-धीरे पीछे हटने का। एनजेडसी का सहयोग पाकर मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं। इससे मुझे टीम के साथ जुड़े रहने का मौका भी मिलेगा। उन्होंने आगे कहा, ''यह मेरे लिए जरूरी है कि सभी जानें कि मैं पूरी तरह समर्पित हूं और विश्व कप तक इस टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रतिबद्ध हूं। इस युवा टीम के भविष्य को लेकर मैं उत्साहित हूं और आने वाले 6S9 महीनों में अपनी भूमिका निभाने को लेकर तैयार हूं। एनजेडसी की महिला हाई परफॉर्मेंस प्रमुख लिज़ ग्रीन ने कहा, ''सोफी ने व्हाइट फर्न्स के लिए लगभग दो दशक तक सेवा दी है। हम उनके निर्णय का पूरी तरह समर्थन करते हैं और यह समझौता उनके और टीम दोनों के लिए सकारात्मक है।''

तीन सुपर ओवर के रोमांच के बाद नीदरलैंड्स ने नेपाल को हराया, टी20 क्रिकेट में रचा इतिहास

एजेंसी

ग्लासगो। नीदरलैंड्स और नेपाल के बीच सोमवार को खेले गए टी20 मुकाबले में दर्शकों को रोमांच की पराकाष्ठा देखने को मिली, जब मैच लगातार तीन सुपर ओवर तक चला। यह किसी भी पुरुष पेशेवर टी20 या लिस्ट ए मुकाबले में पहली बार हुआ है। अंततः नीदरलैंड्स ने यह रोमांचक मुकाबला जीतकर नया कीर्तिमान स्थापित किया। 152 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही नेपाल को अंतिम ओवर में 16 रनों की जरूरत थी। नंदन यादव ने काइल क्लेन की गेंदों पर 4, 2, 2, और फिर एक और चौका लगाकर मुकाबला पहले सुपर ओवर तक खींच दिया। पहले सुपर ओवर में नीदरलैंड्स की ओर से डेनियल डोरम ने गेंदबाजी की। कुशल भुर्तेल ने दो छक्के और एक चौका लगाकर 19 रन बना डाले। जवाब में माइकल लेविट ने पहली ही गेंद पर छक्का जड़ा, इसके बाद मैक्स ओ'डाउड ने अंतिम दो गेंदों पर 6 और 4 जड़कर मुकाबले को दूसरे सुपर ओवर तक पहुंचा दिया। दूसरे सुपर ओवर में नीदरलैंड्स ने 17 रन बनाए। नेपाल की ओर से रोहित पौडेल ने पहली गेंद पर छक्का लगाया, और फिर दीपेन्द्र सिंह ऐरी ने चौका जड़कर समीकरण आखिरी गेंद पर 7 रन का बना दिया। ऐरी ने काइल क्लेन की गेंद को काउ कॉर्नर पर छक्के के लिए भेजकर तीसरा सुपर ओवर तय कर दिया। तीसरे सुपर ओवर में नीदरलैंड्स के ऑफस्पिनर जैक लायन-कैशे ने कमाल कर दिखाया। उन्होंने पौडेल और रूपेश सिंह को आउट कर नेपाल को खाता भी नहीं खोलने दिया। इसके बाद लेविट ने संदीप लामिछाने की गेंद पर लंबा छक्का जड़कर नीदरलैंड्स को ऐतिहासिक जीत दिलाई। पहले बल्लेबाजी करते हुए नीदरलैंड्स ने 152/7 रन बनाए। टीज़ी निडामानुरु ने 35 और विक्रमजीत सिंह ने 30 रन बनाए। नेपाल की ओर से संदीप लामिछाने ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट मात्र 18 रन देकर झटके, जबकि नंदन यादव ने 2 विकेट लिए।

कोयला मंत्रालय ने अब तक कुल 200 कोयला ब्लॉक आवंटित किए

मरवाटोला-II ब्लॉक सिंघल बिजनेस प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया

एजेंसी

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय ने मंगलवार को घोषणा की कि उसने अब तक कुल 200 कोयला ब्लॉक आवंटित किए हैं, जो भारत के कोयला क्षेत्र में क्रांति लाने और राष्ट्रीय ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए चल रहे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। मरवाटोला-ऋकोयला ब्लॉक के लिए ऐतिहासिक आवंटन आदेश सिंघल बिजनेस प्राइवेट लिमिटेड को जारी किया गया है। कोयला मंत्रालय के मुताबिक मध्य प्रदेश में सिंघल बिजनेस प्राइवेट लिमिटेड को मारवाटोला-ऋ कोयला ब्लॉक का आवंटन क्षेत्रीय सुधारों, निजी भागीदारी को बढ़ावा देने और कोयला उत्पादन में राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता को मजबूत करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। पिछले कई वर्षों में मंत्रालय ने वाणिज्यिक कोयला खनन के आगमन और एकल-खिड़की निकासी प्रणाली की शुरुआत से लेकर डिजिटल निगरानी और शासन उपकरणों को अपनाने तक कई परिवर्तनकारी सुधार किए हैं। इन उपायों ने सामूहिक रूप से कोयला क्षेत्र के परिचालन परिदृश्य को फिर से परिभाषित किया है। निजी उद्यम के लिए नए अवसर खोले हैं और संसाधन विकास के लिए अधिक पारदर्शी, जवाबदेह तथा भविष्य के लिए तैयार ढांचा सुनिश्चित किया है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी की बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के कीमत में आज गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 1,050 रुपये से लेकर 1,140 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। भाव में कमजोरी आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,00,370 रुपये से लेकर 1,00,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 92,000 रुपये से लेकर 92,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के विपरीत चांदी के भाव में आज 100 रुपये की मामूली तेजी आई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,10,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 92,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,00,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,00,420 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,00,370 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 92,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

समाज में टकराव पैदा करने की राजनीति कर रही है कांग्रेस : भाजपा

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस पर जाति आधारित जनगणना के मुद्दे पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया है और कहा है कि विपक्षी पार्टी का मुख्य उद्देश्य इस मुद्दे पर जातियों के बीच टकराव पैदा करना और परिवारवादी राजनीति को पोषित करना है।

भाजपा प्रवक्ता एवं सांसद डॉ सुधांशु त्रिवेदी ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय पर संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उनकी पार्टी का उद्देश्य सभी का सम्मान और पिछड़ी जातियों का उत्थान है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने जनगणना कराने का फैसला किया है और इसमें सामाजिक-आर्थिक और जाति गणना भी करायी जायेगी। इसके बावजूद इस विषय में कांग्रेस पार्टी सरकार की स्थिति के बारे में लोगों को सोची समझी राजनीति के तहत गुमराह कर रही है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि इतने वर्षों तक सत्ता में रही कांग्रेस को जनगणना के तकनीकी पहलूओं, संवैधानिक और कानूनी ढांचे को समझना चाहिए। उन्होंने कहा, उन्हें (कांग्रेस को) पता होना चाहिए कि जाति जनगणना कराना केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है, राज्यों के नहीं। तो, वे (राज्यों में) किस तरह की 'जनगणना' की बात कर रहे हैं? उन्होंने कहा कि राज्यों को केवल सर्वे करने की अनुमति है, वे आधिकारिक रूप से जनगणना नहीं करा सकते। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस तेलंगाना का उदाहरण तो दे रही है, लेकिन उन्हें यह समझना चाहिए कि वहां जो किया जा रहा है, वह सर्वे है, जनगणना नहीं। उन्होंने कहा कि धुंधली दृष्टि या शायद जानबूझकर

विकृत दृष्टिकोण के कारण कांग्रेस स्पष्ट बात भी समझने में असमर्थ है। कैबिनेट ने जनगणना कराने का निर्णय लिया और इसके बाद जारी प्रेस विज्ञप्ति में स्पष्ट रुप से कहा गया कि जनगणना के साथ सामाजिक, आर्थिक मूल्यांकन होगा।

उन्होंने कहा, ह्ल स्वतंत्र भारत के इतिहास में जाति गणना पहली बार होगी। लेकिन वह (कांग्रेस) पार्टी, जिसने 1951 में स्वतंत्र भारत में जातिगण जनगणना को रुकवाने का काम किया था, जिन्होंने पिछड़ों के हक को मारने के लिए काका कालेलकर समिति की रिपोर्ट को नहीं लागू होने दिया था, वे आज अचानक जो कहने का प्रयास कर रहे हैं और लिखे को नहीं पढ़ पा रहे हैं, तो उनकी राजनीति की असलियत सामने आ जाती है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, ह्ल भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार का विचार है- सबका विश्वास, सबका प्रयास। इसलिए हमारी सरकार जिस विषय को लेकर सामाजिक और आर्थिक सर्वेक्षण और जातिगण जनगणना करवाना चाह रही है, उसका उद्देश्य है- सभी जातियों की पहचान, सभी जातियों का सम्मान और पिछड़े छोर पर खड़ी जातियों का उत्थान। लेकिन कांग्रेस और इंडिया गठबंधन का उद्देश्य है– केवल अपने-अपने परिवार का उत्थान और सभी जातियों में घमासान। देश में ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) के सबसे ज़्यादा मंत्री किसी सरकार में रहे हैं, तो वह मोदी सरकार है। मैं पूछना चाहता हूं कि तेलंगाना सरकार में कितने ओबीसी मंत्री हैं? 2014 में मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार में कितने ओबीसी मंत्री थे? बमुश्किल दो या तीन। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा 'परिवार पहले' की नीति पर चलती आयी है। और अब, जब वे जनता का भरोसा खोते जा रहे हैं, तो वे असली मुद्दों को संबोधित करने के बजाय लोगों को गुमराह करने का सहारा ले रहे हैं। उन्होंने कहा, जातिगत जनगणना की अधिसूचना केंद्र सरकार जारी करती है आप (कांग्रेस) किस राज्य की अधिसूचना को दिखा रहे हैं। राज्य सिर्फ सर्वेक्षण कर सकती है। सर्वेक्षण को अधिसूचित करने की प्रक्रिया अलग है।

शाह ने धामी को सभी प्रस्तावों पर सकारात्मक कार्रवाई का दिया आश्वासन

एजेंसी

नयी दिल्ली/देहरादून। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की ओर से पेश सभी प्रस्तावों पर सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

श्री धामी ने नयी दिल्ली में मंगलवार को श्री शाह से भेंट कर, राज्य के समग्र विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। उन्होंने साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में बढ़ती चुनौतियों के दृष्टिगत, केंद्रीय मंत्री से देहरादून में 'साइबर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' की स्थापना के लिए 63.60 करोड़ रुपये की धनराशि की स्वीकृति का अनुरोध किया है। यह सेंटर डिजिटल अपराधों की रोकथाम, विशेषज्ञ प्रशिक्षण, साइबर फोरेंसिक और आधुनिक संसाधनों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

श्री धामी ने राज्य की विद्युत अधोसंरचना को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली क्षति पर चर्चा करते हुए विद्युत उत्पादन, पारेषण एवं वितरण परिसंपत्तियों को एनडीआरएफ/एसडीआरएफ के तहत क्षतिपूर्ति के दायरे में लाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इससे राज्य का आपदा प्रबंधन तंत्र और अधिक प्रभावी व सशक्त होगा। उन्होंने सितारगंज केंद्रीय कारागार के विस्तार के प्रस्ताव पर 150.16 करोड़ रुपये की लागत से शीघ्र स्वीकृति देने का भी अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से सफलतापूर्वक आयोजित उत्तराखंड ग्लोबल इनवेस्टर समिट-2023 का उल्लेख करते हुए बताया कि राज्य ने 3.50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसे गर्व का विषय बताते हुए उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री को अवगत कराया कि इसे उत्सव के रूप में मनाते हुए 'उत्तराखण्ड निवेश उत्सव' का आयोजन प्रस्तावित है, जिसे पंतनगर-रुद्रपुर के औद्योगिक क्षेत्र में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने श्री शाह को इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया।

भाषा के मामले में कोई देश भारत जितना समृद्ध नहीं: उपराष्ट्रपति

पुडुचेरी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि भारत दुनिया का महत्वाकांक्षी राष्ट्र है और वह भाषा के मुद्दे पर बंटवारा बर्दाश्त नहीं कर सकता। उपराष्ट्रपति पुडुचेरी में पांडिचेरी विश्वविद्यालय में बोल रहे थे। उन्होंने किसी का नाम लिए बिना इस बात पर दुख जताया कि भाषाओं का विरोध हो रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में अभूतपूर्व विकास के परिणामस्वरूप भारत दुनिया का सबसे महत्वाकांक्षी राष्ट्र है, हम भाषाओं को लेकर कैसे विभाजित हो सकते हैं। भाषा के मामले में दुनिया का कोई भी देश भारत जितना समृद्ध नहीं है। संस्कृत का वैश्विक महत्व है और इसके साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, ओडिया, मराठी, पाली, प्राकृत, बंगाली और असमिया सहित 11 शास्त्रीय भाषाएँ हैं। उन्होंने कहा कि संसद में सदस्यों को 22 भाषाओं में चर्चा की अनुमति है। हमारी भाषाएँ समावेशिता का संकेत देती हैं। सनातन महान उद्देश्य के लिए एकजुट होना सिखाता है।

असंगठित क्षेत्र के 50 लाख श्रमिकों को सहायता

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार की श्रम कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत बीडी, फिल्म निर्माण और खनन क्षेत्र के 50 लाख से अधिक असंगठित श्रमिकों को लाभ मिल रहा है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने मंगलवार को यहां बताया कि श्रम कल्याण महानिदेशालय के माध्यम से देश भर में असंगठित श्रमिकों, विशेष रूप से बीड़ी, फिल्म क्षेत्रों और खनन श्रमिकों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं लागू की जाती हैं। इनमें 50 लाख से अधिक श्रमिकों और उनके परिवारों को सीधा लाभ मिलता है। मंत्रालय के अनुसार इनका योजनाओं का मुख्य उद्देश्य दूरदराज और हाशिए के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता और आवास सहायता प्रदान करना है। शिक्षा संबंधित योजना में बीड़ी, फिल्म क्षेत्र और गैर–कोयला खदान श्रमिकों के बच्चों के लिए एक हजार रुपये से 25 हजार रुपये तक की वार्षिक छात्रवृत्ति दी जाती है। स्वास्थ्य योजना में बाह्य रोगी सेवाएं, हृदय रोग, गुर्दा प्रत्यारोपण, कैंसर, टीबी और छोटी सर्जरी जैसी गंभीर बीमारियों के लिए विशेष उपचार के खर्च शामिल हैं। छोटी सर्जरी के लिए 30 हजार रुपये से लेकर कैंसर के इलाज के लिए 7.5 लाख रुपये तक दिए जाते है।

आरोग्य मंदिरों में गुणवत्तापूर्ण इलाज मिलेगा: इंद्राज

नयी दिल्ली। दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने मंगलवार को कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में दिल्ली वासियों को घर के नजदीक गुणवत्तापूर्ण इलाज मिलेगा। श्री इन्द्राज ने आज बवाना में आयुष्मान आरोग्य मंदिर जनता को समर्पित करने के बाद कहा कि प्रदेश के आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में दिल्लीवासियों को घर के नजदीक गुणवत्तापूर्ण इलाज मिलेगा और यहां का स्टाफ मरीजों का इलाज सेवा भावना से करेगा। इन स्वास्थ्य केंद्रों को जनसहयोग से सरकार उत्कृष्ट स्वास्थ्य केंद्र बनाएगी।

कोयला मंत्रालय की बड़ी उपलब्धि, 200 वीं कोयला खदान का आवंटन किया

नयी दिल्ली। कोयला मंत्रालय ने नयी नीति के तहत अपनी 200 वीं कोयला खदान के आवंटन के साथ एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है जिसे देश में कोयला क्षेत्र में सुधार के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता के तौर पर देखा जा रहा है।
मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि यह आवंटन सिंघल बिजनेस प्राइवेट लिमिटेड को मारवाटोला– द्वितीय कोयला ब्लॉक के लिए जारी किया गया है। यह कोयला क्षेत्र में सुधारों को आगे बढ़ाने, निजी भागीदारी को बढ़ावा देने और कोयला उत्पादन में आत्मनिर्भरता को मजबूत करने के लिए मंत्रालय की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। सरकार का कहना है कि वह अधिक लचीले, पारदर्शी और भविष्य के लिए तैयार कोयला पारिस्थितिकी तंत्र का मार्ग प्रशस्त करने की दिशा में कदम उठाती रहेगी। मंत्रालय का कहना है कि यह उपलब्धि भले ही दिखने में संख्यात्मक हो, लेकिन इसका कहीं अधिक गहरा महत्व है। इससे मंत्रालय के दूरदर्शी दृष्टिकोण को पता चलता है। इससे न केवल घरेलू कोयला उत्पादन बढेगा बल्कि आयात पर निर्भरता कम होगी और दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत कर राष्ट्रीय ऊर्जा मैट्रिक्स संतुलित होगी।

'स्वस्थ जीवन की गारंटी' सरकार की प्राथमिकता : मिश्रा

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली के विकास मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि 'स्वस्थ जीवन की गारंटी' दिल्ली सरकार की प्राथमिकता है और इसी को ध्यान में रखते हुए आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोले जा रहे हैं। दिल्ली की जनता को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में दिल्ली सरकार ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। आज दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के विज़न के तहत मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में 33 आयुष्मान आरोग्य मंदिर और 17 जनऔषधि केन्द्रों का लोकार्पण किया गया। श्री मिश्रा ने करावल नगर स्थित खजूरी क्षेत्र में एक आरोग्य मंदिर का लोकार्पण करने के बाद कहा, दिल्ली की जनता को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में जनता से किए गये वादे सरकार पूरा कर रही है। इसी क्रम में स्वस्थ जीवन' की गारंटी के रूप में आज करावल नगर स्थित खजूरी क्षेत्र में एक आरोग्य मंदिर का लोकार्पण किया गया। अभी करावल नगर क्षेत्र में पांच और जगहों पर आरोग्य मंदिर जल्द ही दिल्ली सरकार स्थापित करने जा रही है, जिसके लिए जगह का चिन्हित कर लिया गया है। हमारा लक्ष्य है कि करावल नगर विधानसभा क्षेत्र के हर निगम वार्ड में दो आरोग्य मंदिर खोले जायें। साथ ही क्षेत्र में एक बड़ा अस्पताल भी खोला जाए, इस योजना पर दिल्ली सरकार काम कर रही है। इन आरोग्य मंदिरों में न केवल अनुभवी डॉक्टरों की सेवाएं मिलेंगी बल्कि सभी जरूरी लैब जांच भी पूरी तरह मुफ्त में किए जाएंगे।

कांग्रेस ने जातिगत जनगणना पर किया संदेह व्यक्त

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने केंद्र सरकार की जातिगत जनगणना की अधिसूचना पर संदेह व्यक्त करते हुए मंगलवार को कहा कि इसके लिए पूरी प्रक्रिया का पालन और पर्याप्त बजट का आवंटन किया जाना चाहिए। कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने यहां पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 16वीं जनगणना के लिए जारी की गयी अधिसूचना में जातिगत जनगणना का उल्लेख नहीं है। इससे सरकार की मंशा पर संदेह पैदा होता है। इसके अलावा जनगणना के लिए पर्याप्त राशि का आवंटन भी नहीं किया गया है जिससे लगता है कि सरकार इस मामले को टाल रही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि कोविड का बहाना लेकर कई वर्ष तक जनगणना में देरी की गयी। उन्होंने कहा, ह्लअब जो जातिगत जनगणना है, उसमें भी न कहीं नहीं मुझे उनकी नीयत में शक है कि यह सिर्फ बात को टालने के लिए और अपना वादा पूरा नहीं करने की पूरी भूमिका बांध चुके हैं। श्री पायलट ने कहा कि मोदी सरकार ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मांग के दबाव में जातिगत जनगणना कराने का फैसला किया है, लेकिन इसके लिए पूरी प्रक्रिया का पालन नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना का तात्पर्य केवल लोगों की जाति पूछना नहीं बल्कि उनकी सामाजिक- आर्थिक स्थिति की जानकारी लेना है जिससे समाज के समग्र कल्याण की योजनायें तैयार की जा सके। जनगणना की प्रक्रिया में सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच की जानकारी पता करने का तरीका भी शामिल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनगणना पर 10 हजार करोड़ रुपया तक खर्च होता है, लेकिन सरकार ने 570 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। उन्होंने कहा कि जनगणना के लिए पर्याप्त धनराशि का आवंटन नहीं हो रहा है। जनगणना की शुरुआत वर्ष 2027 में हो रही है। जो बात जनता के सामने बोली जा रही है, वह औपचारिक अधिसूचना में नहीं है। सरकार को जनगणना के लिए पर्याप्त आवंटन करना चाहिए। तेलंगाना के जातिगत गणना का मॉडल अपनाने पर बल देते हुए श्री पायलट ने कहा कि केंद्र सरकार को पूरे समुदाय की स्थिति जानने के लिए इसे अपनाना चाहिए। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि संसद के मानसून सत्र में कांग्रेस जनगणना से जुड़े मुद्दे पूरी मजबूती से उठायेगी।

छोटी यात्राओं के लिए 150 मेमु ट्रेन चलेगी: वैष्णव

एजेंसी

मानेसर। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने छोटी यात्राओं विशेषकर कम दूरी की यात्रा को सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से 150 मेमु (मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट) ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है।

श्री वैष्णव ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ यात्री वाहन बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी मारुति सुज़ुकी इंडिया लिमिटेड के मानेसर संयंत्र में मंगलवार को देश की सबसे बड़ी ऑटोमोबाइल इन-प्लांट रेलवे साइडिंग का शुभारंभ करते हुये यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि 150 यात्री ट्रेन में से 100 मेमु और 50 मेमु भारत ट्रेन है जो वातानुकूलित होती है और इसमें यात्रा आरामदायक होती है। उन्होंने कहा कि इसमें एक ट्रेन सेट में 16 या 20 कोच होंगे। इसका निर्माण आंध्र प्रदेश के काजीपेट कारखाने में किया जायेगा। उन्होंने कहा कि छह और अमृत भारत ट्रेनें बनकर तैयार है तथा 50 बनाने की तैयारी चल रही है। श्री वैष्णव ने कहा कि रेलवे का 50 वर्षों तक अनदेखी की गयी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में रेलवे में व्यापक पैमाने पर बदलाव किया गया है। एक-एक करके पुरानी समस्याओं को दूर किया गया है और अभी रेलवे का बजट बढ़कर 2.5 लाख करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने कहा कि पिछले ढाई वर्षों से जनरल कोच बढ़ाने का काम चल रहा है और अब तक 1200 से अधिक जनरल कोच बढ़ाये जा चुके हैं। उन्होंने हरियाणा का उल्लेख करते हुये राज्य की पूरी रेलवे लाइनों को विधुतीकरण कर दिया गया है और चालू वित्त वर्ष में 11800 करोड़ रुपये से रेलवे सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद बंद किये गए 16 पर्यटन स्थल फिर से खुले

श्रीनगर। पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादी हमले के बाद बंद किये गए जम्मू–कश्मीर के पर्यटन स्थल मंगलवार को फिर से खोल दिए गए हैं। पार्कों के फिर से खुलने का पर्यटकों और स्थानीय आगंतुकों ने स्वागत किया और कई स्थानों पर पार्कों में उमड़ पड़े। क्षेत्रों को सुरक्षित करने और सुरक्षा की भावना पैदा करने के लिए पार्कों के चारों ओर सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है। आगंतुकों की सहायता के लिए पर्यटक पुलिस कर्मियों को भी तैनात किया गया था। स्थानीय विधायक गुलाम अहमद मीर ने भी पार्क के फिर से खुलने का स्वागत किया।
पहलगाम के बैसरन में 26 लोगों की हत्या किये जाने के बाद बंद किये गए 16 पार्कों को जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने फिर से खोलने का आदेश दिया था, जिनमें जम्मू क्षेत्र और कश्मीर घाटी में आठ–आठ पार्क हैं। उन्होंने कहा कि गंतव्यों को चरणबद्ध तरीके से फिर से खोला जाएगा। पहले चरण में कश्मीर घाटी में आठ पार्क फिर से खोले गए हैं, जिसमें पहलगाम में बेताब घाटी और पहलगाम बाजार के पास के पार्क, अनंतनाग जिले में वेरीनाग, कोकरनाग और अच्छाबल उद्यान, बादामवारी पार्क, निगीन के पास डक पार्क और श्रीनगर में हजरतबल के पास तकदीर पार्क मंगलवार को फिर से खोल दिए गए। इसी तरह, जम्मू क्षेत्र में भी आठ स्थलों को फिर से खोल दिया गया, जिसमें कठुआ में सरथल और धागर, रियासी में देवीपिंडी, सियाद बाबा और सुला पार्क, डोडा में गुलदांडा और जय घाटी और उधमपुर में पंचेरी शामिल हैं। अधिकारियों ने कहा कि दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग में एक प्रसिद्ध पार्क वेरीनाग में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों ने पर्यटकों का स्वागत किया। पंजाब से आए एक पर्यटक ने कहा यह एक अद्भुत एहसास और अनुभव है। हमने सुना कि आज पार्क फिर से खुल रहा है, इसलिए हम आए। हमें जो स्वागत मिला, वह वाकई सबसे अच्छा अनुभव है जिसे हम शब्दों में बयां नहीं कर सकते। उन्होंने पर्यटकों से बड़ी संख्या में कश्मीर आने की अपील की।

पेज एक का शेष

एक दिन में ...

एअर इंडिया की तरफ से दिल्ली से पेरिस उड़ान भरने वाले यात्रियों को इस संबंध में सूचना दी गई है और वैकल्पिक इंतजाम किए जा रहे हैं। एयरलाइन ने असुविधा के लिए खेद जताते हुए कहा कि तकनीकी कारणों से एअर इंडिया की दिल्ली-पेरिस फ्लाइट रद्द की जा रही है। एअर इंडिया के मुताबिक अनिवार्य प्री-फ्लाइट जांच के दौरान एक तकनीकी समस्या मिली थी, जिसे फिलहाल दूर किया जा रहा है। इसके बाद एयरलाइन की तरफ से यात्रियों को होटल में ठहरने की सुविधा और टिकट रद्द करने पर फुल रिफंड का ऑफर दिया गया है। एअर इंडिया की फ्लाइट का कैंसिल होना कोई नई बात नहीं है और पहले भी यात्रियों ने सफर के दौरान शिकायतें की हैं। राज्यसभा में 25 नवंबर 2024 को सरकार की तरफ से दिए गए एक जवाब में 2022 से लेकर 2024 तक अलग-अलग उड़ानों के कैंसिल होने के आंकड़े मुहैया कराए गए थे। इसके मुताबिक साल 2022 में एअर इंडिया की 87191 में से 122 उड़ानें तकनीकी खराबी के बाद कैंसिल कर दी गई थीं। इसी तरह 2023 में 105999 में से 181 फ्लाइट्स तकनीकी खराबी के बाद कैंसिल हुई थीं। साल 2024 में इसमें सुधार देखने को मिला है और कुल 110351 उड़ानों में से सिर्फ 107 फ्लाइट्स टेक्निकल एरर के बाद कैंसिल की गई थीं। साल 2024 की बात करें तो इंडिगो की 492746 में से 936 फ्लाइट, स्पाइस जेट की 35208 में से 305 फ्लाइट, आकाशा एयर की 33204 में से 41 फ्लाइट तकनीकी खराबी के बाद रद्द की गई हैं। इस लिस्ट में फ्लाई बिग, स्टार एयर, जूम और विस्तारा जैसी एयरलाइंस का नाम भी शामिल है।

इजराइल ने ईरानी...

जनता पर हो रहे हमलों को रोकने के लिए सुरक्षा परिषद को अपनी जिम्मेदारी पूरी करनी है। ईरान के वायु सेना ने उत्तर-पश्चिमी ईरान के तबरीज़ में एक इज़रायली एफ-35 लड़ाकू जेट विमान को मार गिराया है। पूर्वी अज़रबैजान संकट प्रबंधन के महानिदेशक माजिद फार्शी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। श्री फार्शी ने ईरान की समाचार एजेंसी इरना से कहा कि इससे पहले तबरीज में दो लड़ाकू ड्रोन मार गिराये गये थे। उन्होंने कहा कि आज तबरीज के आसपास तीन स्थानों को निशाना बनाया गया और वायु रक्षा प्रणाली की ओर से इज़रायल के माइक्रो एयर व्हीकल्स (एमएवी) पर आक्रमण किया गया। ईरान की वायु रक्षा प्रणाली ने इजरायल के इस चौथे एफ-35 लड़ाकू विमान को मार गिराया है। ईरान ने केरमानशाह स्थित फराबी अस्पताल पर इजरायल के हमले को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन और 'युद्ध अपराध' करार दिया है। ईरान प्रशासन की प्रवक्ता फतेमेह मोहजेरानी ने कहा है कि केरमानशाह में फराबी अस्पताल पर इजरायल का हमला उसकी क्रूरता का स्पष्ट उदाहरण है। उन्होंने बताया कि इजरायल ने सोमवार को स्थानीय समयानुसार लगभग नौ बजे फराबी अस्पताल पर मिसाइल से हमला किया था। हमले से अस्पताल को भारी नुकसान हुआ। अस्पताल के कई उपकरण नष्ट हो गये और खिड़कियों के टूटने से कई वार्डों में मरीज़ों को चोटें आयीं। हमले के तुरंत बाद विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एस्माइल बाकेई ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में इजरायल के इस कदम को अंतरराष्ट्रीय कानून का घोर उल्लंघन और युद्ध अपराध करार दिया। श्री बाकेई ने कहा, ह्ल इजरायली हमलवारों ने ईरान के पश्चिमी क्षेत्र केरमानशाह में फराबी अस्पताल को निशाना बनाया है। उन्होंने कहा कि कथित तौर पर इजरायल के रक्षा मंत्री के निर्देश पर अस्पतालों और आवासीय क्षेत्रों पर हमला करना अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन और युद्ध अपराध है। इस बीच, केरमानशाह प्रांत के गवर्नर जनरल ने आपातकालीन सेवायें निरंतर जारी रखने की आवश्यकता पर बल दिया है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत सईद इरावानी ने कहा कि इजरायल ने जानबूझकर महत्वपूर्ण नागरिक और आर्थिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि इजरायल के हमलों से बुशहर में असालुयेह रिफाइनरी समेत जल भंडारण, ईंधन डिपो और पेट्रोकेमिकल सुविधायें प्रभावित हुईं। अस्पतालों पर भी हमला हुआ। ये युद्ध अपराध हैं। उधर, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह ईरान-इस्राइल युद्ध में केवल संघर्षविराम नहीं, बल्कि एक असली अंत चाहते हैं। ट्रंप ने कहा, मैं संघर्षविराम नहीं चाहता, हम इससे भी बेहतर कुछ चाहते हैं। मैं चाहता हूं कि यह पूरा मामला खत्म हो, एक असली अंत हो, केवल बातचीत न हो। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान को पहले ही प्रस्तावित समझौते को स्वीकार कर लेना चाहिए था। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा कि उन्होंने ईरान से किसी भी रूप में शांति वार्ता के लिए संपर्क नहीं किया है और यह भी कहा कि अब उनके पास कोई मौका नहीं बचा है।

अमरनाथ यात्रा...

मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) अलग से जारी की जाएगी। आदेश में कहा गया है कि यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और केंद्र शासित प्रदेश में मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है।

जी 7 शिखर...

की कोशिश में लगे हुए हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से मुलाकात के बाद श्री ट्रम्प से जब कनाडा के साथ व्यापार-सुरक्षा समझौते में देरी के कारण पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मेरे पास शुल्क को लेकर एक विचार है और मार्क के पास कुछ अलग सोच है। हम कोशिश करेंगे कि आज इस पर स्पष्टता मिल सके। मुझे लगता है कि मार्क का विचार थोड़ा जटिल है लेकिन वह अच्छा भी है। हम दोनों विचारों पर गौर करेंगे और देखेंगे कि क्या नतीजा निकलता है।' श्री ट्रम्प ने कहा कि रूस को जी8 से बाहर करना एक गलती थी और अगर रूस को न निकाला गया होता तो यूक्रेन में युद्ध नहीं होता। रविवार को जी7 शिखर सम्मेलन की संक्षिप्त एजेंडा जारी किया गया जिसमें वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्ज़ा सुरक्षा पर चर्चा को प्राथमिकता दी गयी है।

बीएड प्रवेश परीक्षा...

बात की। टॉपर सूरज कुमार पटेल ने कहा कि वह अच्छे शिक्षक बनकर देश के निर्माण में योगदान देंगे। शीबा परवीन, शिवांगी यादव और प्रदुम्न सिंह यादव ने भी कहा कि वह राष्ट्र निर्माण में पूरा योगदान देंगे। पांचवें नंबर पर अररिया बिहार के रोशन रंजन की बारी आई तो मंत्री बोले बिहारी बाबू नमस्ते यहां पर भी आपने मैदान मार दिया। इस पर रोशन रंजन मुस्कुराए और बोला पूरी ईमानदारी से टीचिंग कार्य करेंगे। नौवां स्थान पाने वाले मनीष मिश्रा ने कहा कि वह पढ़ाई के साथ बच्चों की कॅरियर काउंसिलिंग भी करेंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में इसकी बहुत जरूरत है। 10 जुलाई से काउंसिलिंग शुरू करने की तैयारी बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के कुलपति प्रो. मुकेश पांडेय ने कहा कि 10 जुलाई से प्रवेश काउंसिलिंग कराए जाने की तैयारी है। उन्होंने उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों से मांग की कि सभी राज्य विश्वविद्यालयों के स्नातक तृतीय वर्ष के परिणाम जल्द जारी करने की कोशिश करें क्योंकि अगर काउंसिलिंग समय पर शुरू न हुई तो छात्र दूसरे राज्यों में पलायन कर जाएंगे।

नशीली दवाओं के ...

कुछ कारोबारियों की सम्पत्तियां खंगाल रही है। इस दौरान ही अखिल का नाम सामने आया था। ईडी की लखनऊ टीम के अफसरों ने इस बारे में कुछ नहीं बताया। उन्होंने सिर्फ यह कहा कि ईडी की जालन्धर टीम ने ही कार्रवाई की है। उनकी मदद के लिए लखनऊ आफिस से तीन कर्मचारी साथ गए थे। ईडी सूत्रों का कहना है कि अखिल की सम्पत्तियों का ब्योरा जुटाया जा रहा है। नशीली दवाओं का कारोबार करने के आरोपी अखिल जय सिंह के ठिकाने पर मंगलवार को ईडी ने छापेमारी की। टीम लखनऊ में उसके जॉपलिंग रोड स्थित सूर्या स्क्वायर आवास पर पहुंची। वहां पर जांच कर रही है। मामला पंजाब में नशे के कारोबार से जुड़ा है।

सेना ने पूर्व सेना प्रमुखों...

'ब्रीफिंग' दी गयी। साथ ही वायु सेना और नौसेना के साथ संचालन में समन्वय पर भी जानकारी दी गयी। ब्रीफिंग में ऑपरेशन के निष्पादन के बारे में प्रासंगिक समझ और पूर्व प्रमुखों से अंतर्दृष्टि आमंत्रित करने के लिए रणनीतिक प्रभाव और संयुक्त कौशल मॉडल को विस्तार से प्रस्तुत किया गया। पूर्व प्रमुखों को परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने के उद्देश्य से उन्नत प्रौद्योगिकियों और आधुनिकीकरण पहलों को शामिल करने के बारे में भी जानकारी दी गई। सम्मेलन के दौरान प्रौद्योगिकी पहल, विकसित भारत के लक्ष्यों में भारतीय सेना के योगदान और मानव संसाधन नीतियों में सुधार तथा भूतपूर्व सैनिकों के लिए कल्याणकारी योजनाओं की पहल पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा पूर्व सेना प्रमुखों ने ऑपरेशन सिंदूर तथा मौजूदा परिप्रेक्ष्य में अंतर्दृष्टि और सिफारिशें साझा की।

मुजफ्फरपुर-मधुबनी सहित छह शहरों को उड़ान योजना से जोड़ने पर नीतीश कैबिनेट की लगी मुहर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

■ मंत्रिमंडल की बैठक में कुल 20 प्रस्तावों को दी गई मंजूरी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में मुजफ्फरपुर, मधुबनी सहित छह शहरों को उड़ान योजना से जोड़ने को लेकर राज्य सरकार ने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण नई दिल्ली के साथ एमओयू की स्वीकृति सहित 20 प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई है। कैबिनेट की बैठक के बाद अपर मुख्य सचिव मंत्रिमंडल सचिवालय एस सिदार्थ ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि बिहार के मुजफ्फरपुर, मधुबनी, सहरसा, मुंगेर और भारत-नेपाल सीमा से सटे बाल्मीकिनगर तथा वीरपुर को उड़ान योजना के तहत छोटे हवाई अड्डा के रूप में विकसित करने के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण नई दिल्ली और राज्य सरकार के बीच एमओयू की स्वीकृति दे दी गई है। एस सिदार्थ ने कहा कि बैठक में भारतीय सेना से सेवानिवृत्त सैनिकों को अनुबंध पर प्राप्त कर बिहार पुलिस के अंतर्गत गठित स्पेशल ऑग्ज़ीलियरी पुलिस में बहाल किए गए, सेवानिवृत सैनिकों की 1,717 की अनुबंध अवधि 2025-26 के लिए विस्तारित करने की स्वीकृति दी गई है। केंद्र प्रायोजित सबके लिए आवास योजना शहरी 2.0 के लिए 2025-26 में बिहार आकस्मिकता निधि से 224 करोड़ 35 लाख की स्वीकृति हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य खेल अकादमी एवं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम राजगीर की क्रीड़ा प्रशिक्षक संवर्ग भारतीय एवं सेवा शर्त नियमावली 2025 की स्वीकृति, राज्य में भवनों के भीतर गुणवत्तापूर्ण दूर संचार सेवाओं के लिए इन बिल्डिंग सॉल्यूशन स्थापित करने के लिए बिहार भवन उप विधि 2014 में संशोधन को कैबिनेट ने स्वीकृत किया है। उन्होंने बताया कि शिक्षा विभाग अंतर्गत विकासात्मक गतिविधियों के सम्यक क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण के लिए परामर्शी के तीन पदों का संविदा के आधार पर सृजन की स्वीकृति दी गई है। साथ ही पटना में होटल पाटलिपुत्र अशोक की भूमि पर जन निजी भागीदारी के माध्यम से पांच सितारा होटल के निर्माण के लिए आधारभूत संरचना विकास प्राधिकार द्वारा अनुमोदित इकरारनामा दस्तावेज के आधार पर सफल निविदाकर्ता को लेटर ऑफ अवार्ड निर्गत करने की स्वीकृति मिली है। उन्होंने बताया कि कुमार इंफो ट्रेड एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड पटना को एजेंसी के तौर पर चयन किया गया है। इसके साथ 19 सालों के लिए समझौता किया जाएगा। पटना में तीन फाइव स्टार होटल बनाया जाएगा। वर्ष 2025 में पांच प्रमुख नदियों सोन, क्यूल,फल्गु, मोरहर एवं चानन नदी का अध्ययन के लिए केंद्रीय माईन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड से 2 करोड़ 58 लाख 61352 रुपए में कराने की स्वीकृति मिली है। उल्लेखनीय है कि इसके पहले पिछले मंगलवार 10 जून को नीतीश कैबिनेट की बैठक में 22 एजेंडों पर मुहर लगी थी। कैबिनेट ने पंचायती राज विभाग में 8093 पदों पर भर्ती का फैसला लिया था। साथ ही महिला अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए भी बड़ा फैसला लिया गया है।

दिल्ली मेट्रो और मोनाश यूनिवर्सिटी के बीच समझौता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित मोनाश यूनिवर्सिटी के इंस्टिट्यूट ऑफ रेलवे टेक्नोलॉजी के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत दोनों संस्थाएं मेट्रो रेल के रोलिंग स्टॉक और ट्रैक मेंटेनेंस के उन्नत स्वचालन के क्षेत्रों में अनुसंधान एवं तकनीकी सहयोग करेंगी।

यह समझौता आज मेट्रो भवन में डीएमआरसी और मोनाश यूनिवर्सिटी के अधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया गया। समझौते के अंतर्गत समय-समय पर मोनाश यूनिवर्सिटी और डीएमआरसी अकादमी के बीच विनिमय कार्यक्रम भी आयोजित किए जा सकेंगे। डीएमआरसी के प्रधान कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने बताया कि डीएमआरसी अकादमी इन सभी गतिविधियों की ज्ञान और प्रशिक्षण भागीदार रहेगी। उन्होंने बताया कि डीएमआरसी मेट्रो सिस्टम से जुड़े ऐसे अध्ययनों की पहचान करेगा जिन्हें मोनाश यूनिवर्सिटी के माध्यम से विशिष्ट अनुबंधों के तहत आगे बढ़ाया जाएगा। इसके अलावा तकनीकी और शोध सहयोग के अन्य आयामों को भी तलाशा जाएगा, जिससे मेट्रो इंजीनियरों की दक्षता को और मजबूती मिल सके। यह समझौता न केवल डीएमआरसी की कार्यप्रणाली और अनुरक्षण क्षमताओं को वैश्विक मानकों के अनुरूप सुदृढ़ करेगा, बल्कि भविष्य की साझेदारियों के लिए भी नए रास्ते खोलेगा। इस सहयोग से तकनीक और विशेषज्ञता का आदान-प्रदान होगा, जिससे ट्रेन संचालन की सुरक्षा और विश्वसनीयता बढ़ेगी, साथ ही यात्रियों के सफर के अनुभव में भी सुधार होगा।मोनाश यूनिवर्सिटी के बारे में मोनाश यूनिवर्सिटी ऑस्ट्रेलिया की एक अग्रणी शैक्षणिक संस्था है, जो अपने अनुसंधान और नवाचार के लिए जानी जाती है। इसका इंस्टिट्यूट ऑफ रेलवे टेक्नोलॉजी विश्व प्रसिद्ध अनुसंधान केंद्र है जो रेलवे तकनीक और इंजीनियरिंग पर केंद्रित है।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में मानसून ने दी दस्तक , 20 जून तक पूरे प्रदेश में हो जायेगा सक्रिय

पटना। बिहार में अगले 24 घंटे के भीतर किसी भी समय मॉनसून प्रवेश कर जाएगा। पटना मौसम विज्ञान केन्द्र द्वारा जारी सूचना के मुताबिक बिहार में मॉनसून के लिए परिस्थितियां अनुकूल बन रही हैं। सीमांचल में झमाझम बारिश का दौर शुरू हो चुका है। अगले पांच दिनों तक राज्यभर में बारिश संबंधित गतिविधियां बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने पटना से लेकर किशनगंज और गया से लेकर मोतिहारी तक बारिश और वज्रपात का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक मंगलवार को पूर्णिया, किशनगंज के रास्ते मानसून बिहार पहुंच चुका है। 20 जून तक पूरे बिहार में मानसून सक्रिय हो जाएगा। मौसम विभाग के मुताबिक किशनगंज, बांका, कटिहार और औरंगाबाद में सुबह बारिश हुई है। जबकि 10 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। प्रदेश के सभी 38 जिलों में मध्यम से भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने 10 जिलों में ऑरेंज और 28 जिलों में आंधी-बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।इसके अलावा कई जगहों पर आकाशीय बिजली गिरने का भी अलर्ट है। मौसम विभाग ने गया, औरंगाबाद, जहानाबाद नालंदा, शेखपुरा, बेगूसराय, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी और सुपौल में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, गोपालगंज, सीवान, सारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली, पटना, भोजपुर, बक्सर, रोहतास, कैमूर, अरवल, नवादा, जमुई, लखीसराय, भागलपुर, बांका, मुंगेर, खगड़िया, सहरसा, मधेपुरा, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया और कटिहार में येलो अलर्ट जारी किया है।

पंजाब : ट्रॉले में पीछे से घुसी पुलिस की गाड़ी एएसआई की मौत व चार पुलिसकर्मी घायल

चंडीगढ़। पंजाब के बठिंडा में मंगलवार को पुलिस की गाड़ी तथा ट्राले के बीच भिड़ंत में एक एएसआई की मौत हो गई है। जबकि इंस्पेक्टर समेत चार पुलिस कर्मचारी घायल हुए हैं। घायलों को शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले की जांच कर रही है। बताया गया कि श्री मुक्तसर साहिब पुलिस की जिप्सी पटियाला से लौट रही थी। पुलिस कार एएसआई जालंधर सिंह चला रहे थे।मंगलवार की सुबह तड़के रामपुरा बठिंडा के पास पुलिस की गाड़ी एक ट्रॉले से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पुलिस की गाड़ी का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में गाड़ी चला रहे एएसआई जालंधर सिंह की मौत हो गई। जबकि पिछली सीट पर बैठे इंस्पेक्टर समेत तीन अन्य पुलिस कर्मचारी घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर भीड़ एकत्र हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने घायल इंस्पेक्टर राजदीप सिंह, हवलदार मनप्रीत सिंह, जगरूप सिंह, कुलजीत सिंह को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ट्राला मालिक ने पुलिस को दिए बयान में कहा है कि उनका ट्राला बरनाला की तरफ से आ रहा था। पीछे से पुलिस की गाड़ी ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

जीजा और मेहरारू आयोग भी बनाये नीतीश सरकार : तेजस्वी यादव

पटना। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने आज यहां पत्रकार वार्ता में नीतीश सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि हमने पिछली बार जमाई आयोग बनाने की मांग की थी, अब तो जीजा और मेहरारू आयोग बनाने की भी मांग करते हैं। पटना में पत्रकारों से बातचीत करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि आयोग में चिराग पासवान और संतोष मांझी के जीजाजी को आयोग में जगह दी गई है। इतना ही नहीं एक सांसद के पति और एक अधिकारी की पत्नी को भी जगह दी गई है। उन्होंने कहा कि जिस तरीके से बिहार में आयोग के गठन किए जा रहे हैं, उसको देखते हुए बिहार में जीजा आयोग और मेहरारू आयोग का भी गठन होना चाहिए। तेजस्वी ने कहा कि चिराग जी के जीजा, संतोष मांझी के जीजा और एक सांसद (शांभवी चौधरी) के पति भी आयोग में सदस्य बने हैं, तो जीजा आयोग का भी गठन कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि परिवारवाद पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी खूब बोलते हैं,जब भी बिहार आते हैं हमलोगों को गाली देकर चले जाते हैं लेकिन उनको अपने गठबंधन में परिवारवाद नहीं दिखता है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने किया वेयर हाउस का निरीक्षण

हरिद्वार। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने मंगलवार को जनपद हरिद्वार स्थित वेयर हाउस पहुंचकर त्रैमासिक निरीक्षण किया। उन्होंने वेयर हाउस में सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में डबल लॉक में रखी बीयू, सीयू, वीवीपैट का राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ गहनता से निरीक्षण किया और वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने ईवीएम की सुरक्षा व्यवस्था पर संतोष व्यक्त करते हुए निर्देश दिये कि अग्निशमन यंत्रों को एक्सपायर होने से पहले ही बदल दिया जाए। उन्होंने बरसात के दृष्टिगत ईवीएम को सीलन से बचाव तथा विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी लेते हुए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिये। ईवीएम की सुरक्षा व्यवस्था पर सभी दलों के प्रतिनिधियों द्वारा संतोष व्यक्त किया गया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान सीसीटीवी कंट्रोल रूम, ईवीएम एवं वीवीपीएटी रूम, आगंतुक पंजिका, पुलिस निरीक्षण पंजिका, पॉवर सप्लाई, फायर फाइटिंग उपकरण, पुलिस कर्मियों की तैनाती, वेयर हाउस परिसर के चारों ओर सुरक्षात्मक व्यवस्थाओं आदि का विस्तार से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तु दास, अपर जिलाधिकारी दीपेंद्र सिंह नेगी, तसीलदार सचिन कुमार, चंद्रपाल जिला उपाध्यक्ष कांग्रेस, बिन्दर पाल मंडल अध्यक्ष भाजपा, अनिल चौधरी जिलाध्यक्ष बसपा, अक्षय कुमार गौतम बसपा, एनएस सैनी बसपा आदि उपस्थित थे।

उत्तराखंड में इस साल वनाग्नि की घटनाओं में आई कमी

देहरादून। उत्तराखंड के जंगलों में इस बार पिछले साल की अपेक्षा वनाग्नि की घटनाओं में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। वन विभाग इसे एक उपलब्धि के रूप में दर्ज कर रहा है। प्रमुख वन संरक्षक निशांत वर्मा ने बताया कि इस साल प्रदेश के जंगलों में 216 आग की घटनाएं सामने आई है, जिससे 234 हेक्टेयर वन क्षेत्र प्रभावित हुआ है। पिछले साल 2024 में 1276 वनाग्नि की घटना सामने आई थीं, जिससे 1771.67 हेक्टेयर भूमि क्षेत्र प्रभावित हुआ था। 2012 से लेकर 2025 तक 14 सालों में आग की सबसे कम घटनाएं 2020 में देखने को मिली थीं। 2020 में आग की 135 घटनाएं सामने आईं, जिससे 172.69 हेक्टेयर वन भूमि प्रभावित हुई। 14 सालों में सबसे ज्यादा वन क्षेत्र 2018 में प्रभावित हुआ। 2018 में 2,150 आग की घटनाएं दर्ज की गईं, जिससे 4,480.04 हेक्टेयर वन भूमि प्रभावित हुई।

दिल्ली में मार्च 2026 तक 1,140 आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोले जाएंगे : रेखा गुप्ता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में मार्च 2026 तक 1,140 आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) खोले जाएंगे। तीस हजारी कोर्ट परिसर सहित पूरी दिल्ली में 33 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों और 17 जन औषधि केंद्रों के शुभारंभ के अवसर पर गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में कुल 1140 आरोग्य मंदिर स्वीकृत किए गए हैं और इन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण का कार्य पूरा करने के लिए उनके पास मार्च 2026 तक की समय सीमा है। रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में 33 जगहों पर आरोग्य मंदिर और 17 जगह जन औषधि केंद्र खोले जा रहे हैं। इसमें विशेष रूप से जनता को बहुत सारी सुविधाएं दी जाएंगी। साथ बीमारियों की रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान चलेगा। रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के लिए आरोग्य मंदिरों का उद्घाटन एवं जन औषधि केंद्रों का उद्घाटन एक मील का पत्थर साबित होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि पांच साल पहले केंद्र सरकार ने दिल्ली सरकार को 2400 करोड़ रुपए दिए थे और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य ढांचा उपलब्ध कराने, जगह-जगह जन आरोग्य मंदिर खोलने और दिल्ली के लोगों को मुफ्त जांच की सुविधा देने का निर्देश दिया था, लेकिन पिछली सरकार ने उस दिशा में कभी काम नहीं किया। गुप्ता ने कहा कि पिछली सरकार लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य ढांचा उपलब्ध नहीं करा सकी। वे मुफ्त जांच या टीकाकरण प्रदान नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने तुरंत काम शुरू किया और मात्र 100 दिनों में आज 33 आरोग्य मंदिरों का उद्घाटन हो चुका है। उन्होंने पूर्व की आपापा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली में मोहल्ला क्लिनिक की हालत सभी जानते हैं। पोर्टा कैबिन में बनाए गए मोहल्ला क्लीनिक में प्रति मरीज स्वास्थकर्मी को सैलरी मिलती थी, लेकिन मरीजों को स्वास्थ सुविधा नहीं दी जाती थी। रेखा गुप्ता ने कहा कि इस योजना के तहत आरोग्य मंदिरों में अब महिलाओं की डिलीवरी और उसके बाद देखभाल, पांच तरह के कैंसर की स्क्रीनिंग, गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए टीकाकरण, निशुल्क दवा और 105 जांच की सुविधा दी जाएंगी। उन्होंने बताया कि ये केंद्र सोमवार से शुक्रवार तक रोजाना सुबह 8:30 बजे से दोपहर 4:00 बजे तक खुलेंगे। शनिवार को सुबह 8:30 से दोपहर 12:30 बजे तक रहेगा जबकि रविवार को ये केंद्र बंद रहेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ उनके छह कैबिनेट मंत्री, सात सांसद और विधायक भी शामिल हुए।

इस वर्ष सिख श्रद्धालुओं का जत्था नहीं जाएगा पाकिस्तान

चंडीगढ़। शिरोमणि गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने फैसला किया है कि इस बार सिख श्रद्धालुओं का जत्था पाकिस्तान में गुरूधामों की यात्रा पर नहीं जाएगा। यह जानकारी मंगलवार को एसजीपीसी के सचिव प्रताप सिंह ने दी। दरअसल, शेरे पंजाब महाराजा रणजीत सिंह की बरसी के अवसर पर जून माह के अंतिम सप्ताह में पाकिस्तान में हर साल कार्यक्रम होते हैं। हर साल की तरह इस साल भी पाकिस्तान की तरफ से कार्यक्रमों का ब्यौरा एसजीपीसी को भेजा गया था। जिसके तहत 29 जून को भारतीय सिख श्रद्धालुओं के जत्थे को पाकिस्तान रवाना होना था। एसजीपीसी के सचिव प्रताप सिंह ने बताया कि सिख श्रद्धालुओं की तरफ से पाकिस्तान जाने के लिए अपने पासपोर्ट तथा अन्य दस्तावेज एसजीपीसी के पास जमा करवा दिए गए थे। दोनों देशों के बीच तनाव तथा अभी तक लगाई गई पाबंदियों के मद्देनजर एसजीपीसी ने इस बार सिख श्रद्धालुओं को पाकिस्तान नहीं भेजने का फैसला किया है।

धमकी के बाद सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर दीपिका ने बंद किया अपना अकांउट, घर पर पुलिस तैनात

चंडीगढ़। पंजाब में सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर की हत्या के बाद अन्य सोशल मीडिया इंफ्लुएंसरों को मिल रही धमकियां मिल रही है। इससे डरे एक इन्फ्लुएंसर दीपिका लूथरा ने अपना सोशल मीडिया एकाउंट बंद कर दिया है। इन्फ्लुएंसर्स को मिल रही धमकियों को पुलिस ने भी गंभीरता से लिया है। पंजाब पुलिस इंफ्लुएंसर लूथरा को सुरक्षा भी उपलब्ध करा दी है। पंजाब के बठिंडा में कमल भाभी के नाम से प्रसिद्ध इंफ्लुएंसर की हत्या के बाद द्विअर्थी डायलॉग के लिए प्रसिद्ध अमृतसर से इन्फ्लुएंसर दीपिका लूथरा को अमृतपाल मेंहरों और बबर खालसा इंटरनेशनल की ओर से धमकियां मिली हैं। इसके बाद दीपिका ने मंगलवार को अपना सोशल मीडिया अकाउंट ही बंद कर दिया है। अमृतसर पुलिस ने भी दीपिका को मिली धमकियों का संज्ञान लेते हुए सोमवार की रात से उनके घर के बाहर दो सुरक्षाकर्मी तैनात कर दिए हैं। पुलिस ने दीपिका को फिलहाल कहीं भी बाहर न जाने की हिदायत भी है। दीपिका की शिकायत पर साइबर सेल थाना में पुलिस ने अमृतपाल मेंहरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। द्विअर्थी डायलॉग के कारण कट्टरपंथी अमृतपाल मेंहरों ने उसे जान से मारने की धमकी दी है। वहीं बबर खालसा इंटरनेशनल की तरफ से भी उसे धमकी भरा ई-मेल भेजा गया है। दीपिका लूथरा का कहना है कि वह पहले डबल मीनिंग कंटेंट बनाती थी, लेकिन जब अमृतपाल सिंह मेंहरों ने उसे चेतावनी दी तो उसने उससे माफी भी मांग ली थी, लेकिन वह अब फिर से उसे टारगेट कर रहा है।

मोतिहारी में साइबर फ्रॉड के बड़े गिरोह का खुलासा, 5 गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूर्वी चंपारण। जिला मुख्यालय मोतिहारी शहर के बीचो-बीच चांदमारी मोहल्ले में कथित रूप से संचालित एक स्कूल में साइबर अपराध के एक बड़े सिंडिकेट का पुलिस ने खुलासा करते हुए 5 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से कई लक्जरी वाहन, आर्म्स, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक्स गैजेट्स,नोट गिनने की मशीन एवं 29 लाख इंडियन व एक लाख नेपाली करेंसी बरामद किया है। ऐसा माना जा रहा है,कि इस गैंग द्वारा कई तरह से विभिन क्षेत्र के लोगों को डिजिटल अरेस्ट कर खातों से पैसे ट्रांसफर कराए गए होंगे, जिसका खुलासा भी पुलिस की जांच में होगी। इस संबंध में एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया है कि गिरफ्तार साइबर अपराधियों में चांदमारी मोहल्ले का सुमित सौरभ,रघुनाथपुर का संजीव कुमार, पश्चिम चंपारण मझौलिया का पप्पू कुमार, रघुनाथपुर का सुनील कुमार श्रीवास्तव एवं राजा बाजार का दीपांशु पांडेय शामिल है। जबकि गैंग का मास्टरमाइंड रघुनाथपुर का सत्यम सौरभ एवं उसका करीबी आयुष कुमार, यश कुमार व अंश कुमार फरार है। जिसकी तलाश में पुलिस ताबतोड़ छापेमारी कर रही है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से 29 लाख 29 हजार 6 सौ 80 रुपए भारतीय करेंसी व 99500 नेपाली करेंसी, 24 मोबाइल फोन, 7 लैपटॉप, 2 देसी रिवाल्वर, 16 पासबुक, 49 एटीएम कार्ड, 37 चेक बुक, एसबीआई ढाका ब्रांच का एक मोहर, एक थार गाड़ी, एक ब्रेजा एक बुलेट एवं एक डायरी, जिस पर दैनिक पैसे का लेखा जोखा लिखा जाता था, जप्त किया गया है। उक्त अपराधी साइबर अपराध के जरिए युवाओं के खातों में पैसे मंगाकर क्रिप्टो करेंसी में इन्वेस्ट कर के काले धन को सफ़ेद धन बनाने में भी माहिर हैं। गैंग के सभी वाहनों का नंबर 8055 है, जिसे डिजिटल रूप से बॉस के रूप में जाना जाता है।

नंदा देवी राजजात यात्रा की तैयारियों में लाएं तेजी : मुख्यमंत्री धामी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड में 2026 में होने वाली नंदा देवी राजजात यात्रा की सभी तैयारियों में तेजी लाने को कहा है। उन्होंने कहा कि भव्य नंदा राजजात यात्रा के आयोजन के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। यात्रा की बेहतर व्यवस्थाओं के लिए जन प्रतिनिधियों, नंदा राजजात यात्रा समिति के सदस्यों और हितधारकों के सुझाव लिये जाएं। मुख्यमंत्री धामी ने मंगलवार को वर्चुअल बैठक के दौरान अधिकारियों को यह निर्देश दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को निर्देश दिए कि नंदा देवी राजजात यात्रा के सफल संचालन के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जाए। पिछली यात्राओं के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए। यात्रा से संबंधित सभी पैदल मार्गों की अच्छी व्यवस्थाओं के साथ स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। यात्रा के पड़ाव पर श्रद्धालुओं के ठहरने की बेहतर व्यवस्थाओं के साथ ही भोजन और स्नान घरों की व्यवस्था के भी उन्होंने निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। यात्रा के दौरान उच्च हिमालयी क्षेत्रों में विभिन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएं। यात्रा मार्ग पर दूरसंचार की व्यवस्थाओं के साथ डिजिटल ट्रेकिंग सिस्टम बनाया जाए। यात्रियों की सुरक्षा के दृष्टिगत यात्रा के दौरान हेल्पलाइन नंबर जारी किया जाए। यात्रा के दौरान स्वास्थ्य सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। मेडिकल कैंप और चिकित्सकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। यात्रा के दौरान हेली एम्बुलेंस की व्यवस्था भी की जाए। नंदा राजजात यात्रा बरसात के समय होती है। इसके दृष्टिगत संक्रामक रोगों से बचाव के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए जाएं। यात्रा के अधिकतम पड़ाव वन क्षेत्र में होने के कारण वन और पर्यावरण की सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखा जाए। श्रद्धालुओं के लिए टेंट की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि नंदा देवी राजजात से संबंधित लोक गीत और लोक कथाओं का अभिलेखीकरण भी किया जाए। पर्यटन विभाग की ओर से यात्रा के पड़ावों का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार भी किया जाए। नंदा राजजात यात्रा के दौरान भीड़ प्रबंधन और यातायात सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएं। पार्किंग स्थलों पर पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

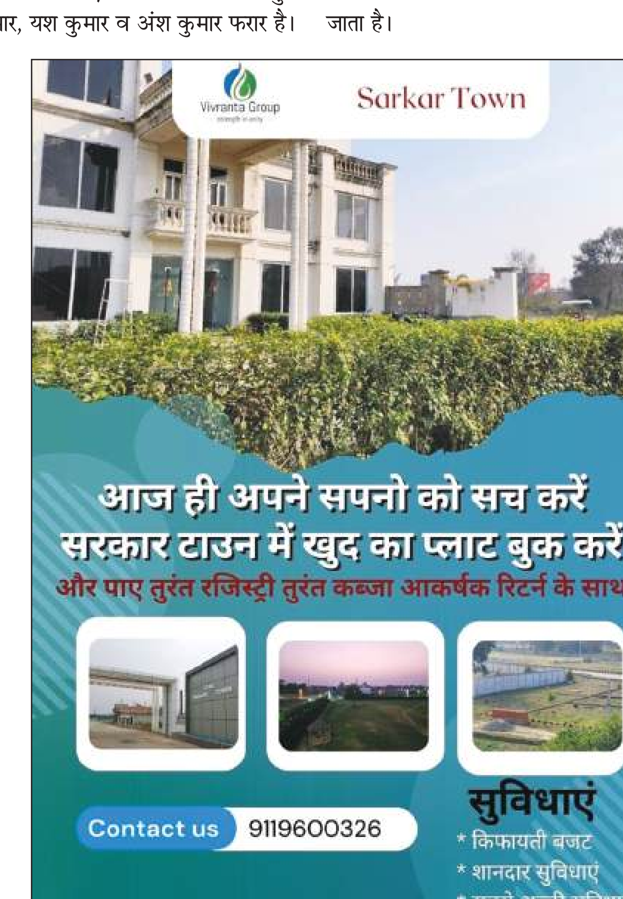

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063